SOHANLAL TEA TIME
KAJU KATLI 920/-kg
KAJU FRY 1000/-kg
BESAN CHAKI 480/-kg
BESAN SEV NAMKEEN 340/-kg
BEST DRY FRUITS REASONABLE RATE
CHAI PATHI & TEA MASALA
J.N ROAD, ABIDS, HYD-12
PH : 9913217229, 8125212356

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

SHERKOTTI PAINTS
It's Time To Experience Something New!!
CHOICE OF MILLIONS SHERKOTTI
A QUALITY PRODUCT FROM THE CHARMINAR GROUP
www.sherkottipaints.com
For Trade Enquiries Contact:9989442820

वर्ष-30 अंक : 199 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.9 2082 बुधवार, 15 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

BOOKINGS FOR DHANTERAS & DIWALI ARE NOW OPEN.
New Designer collection just Arrived
World's 1st Jewellery Showroom to present more than 100 exclusive Hallmarked Dulhan set's Certified by BIS
SHIVRAJ LAXMICHAND JAIN JEWELLERS
Exclusive Traditional & Designer Jewellery Collection
20000+ Latest designs ready to explore
6-3-1111/2, ADJACENT TO WESTSIDE SOMAJIGUDA CIRCLE, HYDERABAD. 70 90 916 916 / 83 84 916 916 / 96 80 916 916 / 63 09 916 916 / 97 80 916 916

फ्री ई-वीजा देने की घोषणा

> पीएम मोदी-मंगोलिया के राष्ट्रपति के बीच वार्ता > कई एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंगोलियाई राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना चार दिवसीय यात्रा पर दिल्ली में हैं। इस दौरान मंगलवार (14 अक्टूबर) हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई, जहां दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मंगोलियाई राष्ट्रपति और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। 6 वर्ष के बाद मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत आना अपने आप में एक विशेष अवसर है।

कैपिसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम होगा शुरू

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना की भारत यात्रा तब हो रही है, जब भारत और मंगोलिया अपने राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और सामरिक संबंधों के 10 साल पूरे कर रहा है। हमारा रक्षा और सुरक्षा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। मंगोलिया के सीमा सुरक्षा बलों के लिए भारत नए कैपिसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम भी शुरू करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि इस अवसर पर हमने एक संयुक्त पोस्टल स्टैम्प जारी किया है, जो हमारी साझा विरासत, विविधता और गहरे सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक है। इस दौरान पीएम मोदी ने

बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारी सीमाएं भले ही आपस में जुड़ी न हों, लेकिन भारत ने हमेशा मंगोलिया को अपना एक प्रमुख पड़ोसी माना है। हम लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देना जारी रखेंगे। हमने मंगोलिया के नागरिकों को निःशुल्क ई-वीजा देने का निर्णय लिया है।

भारत-मंगोलिया स्प्रिचुअल सिबलिंग :

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी में कहा, दोनों देश मुक्त, खुला, समावेशी और नियम आधारित इंडो-पैसिफिक का समर्थन करते हैं। ग्लोबल साउथ की आवाज को सशक्त करने के लिए भी हम मिलकर काम करते हैं। मंगोलिया और भारत के बीच आत्मीय और आध्यात्मिक बंधन है। सदियों से दोनों देश बुद्धिज्म के सूत्र में बंधे हैं, जिसके कारण हमें स्प्रिचुअल सिबलिंग भी कहा जाता है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि ऐतिहासिक संबंधों को नई मजबूती देने के लिए हमने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अगले वर्ष, भगवान गौतम बुद्ध के दो महान शिष्यों, सारिपुत्र और मौद्गल्यायन के अवशेष भारत से मंगोलिया भेजे जाएंगे। संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा, लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद और मंगोलिया के अरखांगई प्रांत के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन हमारे सांस्कृतिक संबंधों में नई ऊर्जा का संचार करेंगे। हालांकि हमारी सीमाएं साझा नहीं हैं, फिर भी भारत ने हमेशा मंगोलिया को एक पड़ोसी के रूप में देखा है और हम लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देते रहेंगे। हमने मंगोलियाई नागरिकों को निःशुल्क ई-वीजा प्रदान करने का निर्णय लिया है। भारत मंगोलिया के युवा सांस्कृतिक राजदूतों की भारत की वार्षिक यात्रा को प्रायोजित करेगा।

तेल रिफाइनरी परियोजना करेगी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत :

पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय भागीदार रहा है। भारत की 1.7 बिलियन डॉलर की ऋण सहायता से निर्मित की जा रही तेल रिफाइनरी परियोजना मंगोलिया की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगी। यह दुनिया में भारत की सबसे बड़ी विकास साझेदारी परियोजना है और 2,500 से अधिक भारतीय इस परियोजना को लागू करने के लिए अपने मंगोलियाई समकक्षों के साथ काम कर रहे हैं।

जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर चलती बस अचानक जली

15 लोगों के जिंदा जल जाने की आशंका, खिड़कियां तोड़ कूदे लोग

जैसलमेर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जैसलमेर से जोधपुर जा रही एक निजी बस मंगलवार दोपहर अचानक भीषण आग की चपेट में आ गई। हादसे में तीन बच्चों और चार महिलाओं समेत करीब 15 यात्री झुलस गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि गंभीर रूप से झुलसे यात्रियों को जोधपुर रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में प्रथम दृष्टया करीब 15 लोगों के जिंदा जल जाने की आशंका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जैसलमेर रवाना :

जैसलमेर हादसे पर सीएम भजनलाल ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कलेक्टर एसपी से फोन पर बात करके पीड़ितों को हर संभव मदद के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दुखद घटना पर लगातार फीडबैक ले रहे हैं। सी एम भजनलाल शर्मा जैसलमेर के लिए रवाना हो गए हैं। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने घटना पर दुख

जताते हुए कहा है कि लोगों को जल्द स्वास्थ्य लाभ मिले। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जैसलमेर से जोधपुर जा रही बस में भीषण आग लगने से कई लोगों के हताहत होने का चिंताजनक समाचार मिला है।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस हादसे में कम से कम जनहानि हो एवं झुलसे हुए लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो। जानकारी के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 3:30 बजे जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर थईयात गांव के पास हुई। बस में कुल 57 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, बस रोजाना की तरह दोपहर 3 बजे जैसलमेर से जोधपुर के लिए रवाना हुई थी। करीब 20 किलोमीटर चलने के बाद अचानक बस के पिछले हिस्से से धुआं उठने लगा। इससे पहले कि चालक या यात्री कुछ समझ पाते, आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया।

आग लगते ही बस में चीख-पुकार मच गई और यात्री जान बचाने के लिए खिड़कियां तोड़कर बाहर कूदने लगे। कई यात्रियों के कपड़े और सामान जल गए। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

क्या आप राज्य सरकार के अधिकार छीन रहे हैं?

> तमिलनाडु शराब घोटाले में ईडी को 'सुप्रीम' फटकार

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में शराब घोटाले को लेकर चर्चा तेज है। ऐसे में मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने पूछा कि क्या केंद्र की एजेंसी राज्य सरकार के अधिकार छीन रही है?

क्या ऐसा करना संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं है? बता दें कि यह मामला तमिलनाडु राज्य विपणन निगम लिमिटेड (टीएएसएमएसी) से जुड़ा है, जो राज्य में शराब की थोक और खुदरा बिक्री पर एकाधिकार रखती है। ईडी ने मार्च में दो बार छापेमारी की थी और अपराध से जुड़े सबूत मिलने का दावा किया था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने ईडी से पूछा कि राज्य सरकार ने खुद एफआईआर दर्ज की हैं और जांच कर रही है, तो

आप बीच में क्यों आ रहे हैं? क्या आप खुद ही जाकर जांच कर सकते हैं? क्या इससे राज्य के अधिकारों का हनन नहीं होता? मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि पिछले छह साल में मैंने कई ईडी की जांचें देखी हैं, लेकिन अब मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, नहीं तो मीडिया में छप जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की दलील :

मामले में राज्य सरकार की ओर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और मुकुल रोहतगी ने दलील दी। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही एफआईआर दर्ज की हैं। ईडी ने टीएएसएमएसी ऑफिस में छापा मारकर कर्मचारियों के मोबाइल जब्त कर लिए, कंप्यूटर उठा लिए। महिला कर्मचारियों को भी घंटों तक रोका गया, जो निजता का उल्लंघन है। कपिल सिब्बल ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 66(2) का हवाला दिया और कहा कि अगर ईडी को किसी और अपराध के सबूत मिलते हैं, तो उसे उस जानकारी को संबंधित एजेंसी के साथ साझा करना होता है।

ईडी ने क्या दिया जवाब :

वहीं कोर्ट की फटकार के बाद ईडी की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि राज्य पुलिस ने 47 केस दर्ज किए हैं, लेकिन फिर भी भ्रष्टाचार जारी है। हम केवल मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) की जांच कर रहे हैं। हमें भारी मात्रा में अवैध कैश, फर्जी दस्तावेज और ठेके में गड़बड़ी के सबूत मिले हैं।

सोनम वांगचुक की हिरासत के मामले में कोर्ट ने टाली सुनवाई

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। लद्दाख में पिछले महीने हुई हिंसा के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत जेल में बंद सोनम वांगचुक की रिहाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट अब 15 अक्टूबर को सुनवाई करेगा।

सोनम की हिरासत को अवैध बताते हुए उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने याचिका दायर की थी। कोर्ट ने पहले इस मामले की सुनवाई के लिए 14 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की थी। आज कोर्ट ने समय की कमी की बात कहते हुए मामले की सुनवाई अगले दिन यानी बुधवार तक के लिए टाल दी। सुप्रीम कोर्ट ने दमन और दीव के सांसद की एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। सांसद ने अपनी याचिका में दमन स्थित केंद्र शासित प्रदेश सचिवालय भवन के नवीनीकरण, विध्वंस और जीर्णोद्धार में लगभग 33 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं की अदालत की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग की थी।

'कुछ देश खुलेआम अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे'

> राजनाथ सिंह ने इशारों में चीन-पाक को चेताया

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन को मंगलवार (14 अक्टूबर) को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के लिए, शांति स्थापना कभी भी एक विकल्प नहीं रही, बल्कि एक आस्था का विषय रही है। हमारी आजादी के आरंभ से ही, भारत अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के संयुक्त राष्ट्र के मिशन में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहा है।

शांति स्थापना एक सैन्य मिशन से कहीं बढ़कर

सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हम सभी जानते हैं कि शांति स्थापना एक सैन्य मिशन से कहीं बढ़कर है, यह एक साझा जिम्मेदारी है। यह हमें याद दिलाता है कि संघर्षों और हिंसा से ऊपर मानवता है, जिसे बनाए रखने की जरूरत है। और इसीलिए जब युद्ध और अभाव से त्रस्त लोग ब्लू हेल्मेट्स को देखते हैं, तो उन्हें यह एहसास होता है कि दुनिया ने उन्हें त्यागा नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन का उठाया मुद्दा

इस दौरान रक्षा मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय नियमों के

उल्लंघन का मुद्दा भी जोरों शोरों से उठाया। उन्होंने कहा, आजकल, कुछ देश खुलेआम अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, कुछ उन्हें कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ अपने नियम बनाकर अगली सदी पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। इन सबके बीच भारत पुरानी अंतर्राष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूती से कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा :

नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन में बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पिछले दशकों में, लगभग 2,90,000 भारतीय कर्मियों ने 50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों में सेवा की है और अपने पेशेवर कौशल, साहस और करुणा के लिए वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। कांगो और कोरिया से लेकर दक्षिण सूडान और लेबनान तक हमारे सैनिक, पुलिस और चिकित्सा पेशेवर कमजोर लोगों की रक्षा और समाज के पुनर्निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं।

14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक चलेगा सम्मेलन :

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा योगदान बलिदान के बिना नहीं रहा है। 180 से अधिक भारतीय शांति सैनिकों ने संयुक्त राष्ट्र के झंडे तले अपने प्राणों की आहुति दी है। उनका साहस और निस्वार्थता मानव जाति की सामूहिक अंतरात्मा में अंकित है। बता दें कि इससे पहले थल सेना प्रमुख ने सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत शांति स्थापना में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है।

आईआईटी-आईआईएम और एम्स पर क्यों भड़का सुप्रीम कोर्ट?

सुसाइड सर्वे मामले में दे दी नतीजा भुगतने की चेतावनी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी-आईआईएम और एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में छात्रों के बढ़ते आत्महत्या के मामलों की जांच और उनके समाधान के लिए मल्टी-डिसिप्लिनरी टास्क फोर्स का गठन किया था। लेकिन 57 हजार से अधिक शैक्षणिक संस्थान सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पैनल द्वारा किए जा रहे सर्वे में सहयोग नहीं कर रहे हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर नाराजगी जताई है।

वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट्ट ने कोर्ट को बताया कि सर्वे में सहयोग न करने वाले संस्थानों में 17 आईआईएम, 15 आईआईटी, 16 एम्स और 24 एनआईटी के संस्थान शामिल हैं। इन संस्थानों को चार बार याद दिलाने के बावजूद उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया है। यह सर्वे कोर्ट के आदेश पर इसलिए किया जा रहा है ताकि शैक्षणिक संस्थानों में आत्महत्याओं के कारणों का पता लगाया जा सके और उनके समाधान खोजे जा सकें। अब तक केवल 3,500 संस्थानों ने ही सर्वे में हिस्सा लिया है।

कोर्ट ने केंद्र को दिया निर्देश :

सर्वोच्च अदालत ने मामले पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, यह पूरा काम छात्रों के हित में किया जा रहा है और सभी संस्थानों से उम्मीद है कि वे नेशनल टास्क फोर्स को अपनी रिपोर्ट तैयार करने में पूरा सहयोग करेंगे। केंद्र सरकार ने भी इन संस्थानों को चार बार सर्वे में सहयोग करने के लिए कहा था लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह एक बार फिर सभी संस्थानों को इस मामले की गंभीरता बताए और उनसे सहयोग करने का आग्रह करें।

इंडिया पोस्ट आज से अमेरिका के लिए फिर शुरू करेगा डाक सेवाएं

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडिया पोस्ट 15 अक्टूबर से अमेरिका के लिए सभी श्रेणियों की डाक सेवाएं फिर से शुरू करेगा। इस संबंध में एक आधिकारिक बयान में जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया कि 15 अक्टूबर 2025 से अमेरिका के लिए पत्र, दस्तावेज, पार्सल और अन्य सभी प्रकार की डाक सेवाएं सामान्य रूप से बहाल कर दी जाएंगी। हाल ही में कुछ कारणों से इन सेवाओं में अस्थायी बाधा आई थी, जिसे अब पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है।

हालांकि, अमेरिका के सीमा शुल्क और सुरक्षा विभाग के नए नियमों के मुताबिक, भारत से भेजे गए डाक पार्सल पर अब घोषित मूल्य का 50 प्रतिशत सीमा शुल्क देना होगी। यह शुल्क सभी प्रकार की डाक सेवाओं पर लागू होगा। इसलिए अब अमेरिका को कोई भी डाक भेजने से पहले लोगों को यह ध्यान रखना होगा कि भेजे गए सामान पर भारी सीमा शुल्क लग सकता है।

भाजपा ने पहली सूची में जारी किए 71 उम्मीदवारों के नाम

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपनी पहली उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में कुल 9 महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। बीजेपी की पहली उम्मीदवारों की सूची में सम्राट चौधरी के अलावा रामकृपाल यादव, संजीव चौरसिया, विजय सिन्हा, श्रेयसी सिंह और मंगल पांडे जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

एनडीए में कितनी पार्टियां शामिल हैं :

एनडीए में नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड, भारतीय जनता पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा शामिल हैं। बिहार में दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 6 नवंबर और दूसरे चरण में 11 नवंबर को वोटिंग होगी, जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 6 नवंबर को होगा। इसके लिए नामांकन की प्रक्रिया अधिसूचना जारी होते ही शुरू हो गई है। नामांकन की अंतिम तारीख 17 अक्टूबर है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 18 अक्टूबर को होगी। उम्मीदवार 20 अक्टूबर तक अपने नाम वापस ले सकते हैं।

पहले चरण में शामिल जिले और सीटें :

पहले चरण में वोटिंग 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर होगी। इन जिलों में पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा और समस्तीपुर शामिल हैं। इसके अलावा मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, बेगुसराय, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा और नालंदा की सीटों पर भी वोटिंग होगी। पहले चरण की इन 121 सीटों पर 2020 के चुनाव में कड़ा मुकाबला देखने को मिला था।

पश्चिमी सेना कमांडर का एलान : ऑपरेशन सिंदूर 2.0 होगा ज्यादा घातक

पहलगाम जैसी हरकत दोहराई तो अंजाम होंगे भयावह

जम्मू, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 2.0 पहले से अधिक घातक और शक्तिशाली होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान भारत से युद्ध लड़ने की स्थिति में नहीं है, लेकिन वह पहलगाम जैसी कायराना हरकतों की फिर कोशिश कर सकता है।

पत्रकारों से बात करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा, इस बार जो कार्रवाई होगी वह पहले से कहीं ज्यादा घातक होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है। पाकिस्तान की हजार घावों से भारत को कमजोर करने की नीति अब भी जारी है, और भारतीय सेना इसके खिलाफ पूरी तरह तैयार है। जनरल कटियार के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने पाकिस्तान के कई पोस्ट और एयरबेस तबाह कर दिए थे। लेकिन वह फिर से कोई साजिश कर सकता है। हमें सतर्क रहना होगा और हम पूरी तरह तैयार हैं।

110 साल की तीसरी सबसे तेज ठंड पड़ेगी

हिमालय का 86 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढंका

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में इस बार तेज ठंड पड़ेगी, क्योंकि ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत हिस्सा समय से दो महीने पहले ही बर्फ से ढंक गया है। पिछले दिनों आए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पूरे हिमालय पर तापमान 2 से 3ओसी कम बना हुआ है।

इस वजह से ताजा बर्फ फिलहाल पिघल नहीं रही। यह अच्छा संकेत है। दिसंबर में ला नीना सक्रिय हो रहा है। जो प्रशांत महासागर के तापमान के सामान्य से ठंडा होने की एक मौसमी घटना है। इसके कारण भारत में अच्छी बारिश और ज्यादा ठंड पड़ती है। ऊपरी हिमालय यानी 4 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में औसत तापमान माइनस 15ओसी या उससे भी कम रहता है।

ला नीना के कारण उत्तर, मध्य और पूर्वी भागों में औसत तापमान 3-4ओसी तक और गिर सकता है। मध्य प्रदेश में ठंड ने समय से पहले दस्तक दे दी है। भोपाल में मिनिमम टेम्परेचर 15.8ओसी रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 3.6ओसी कम है। भोपाल में यह तापमान पिछले 26 साल में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में तीसरी बार इतना कम रिकॉर्ड हुआ है। इधर, राजस्थान में दिन और रात के तापमान में अंतर नजर आने लगा है। सीकर में रात का मिनिमम टेम्परेचर 15ओसी से नीचे रिकॉर्ड हुआ। डॉ. मेहता के मुताबिक ताजा बर्फबारी ने ग्लेशियरों की सेहत दुरुस्त होने के भी संकेत दिए हैं। हिमालय पर तापमान कम होने के चलते इस बार बर्फ पिघल नहीं रही। इससे ग्लेशियर 5 साल के लिए रिचार्ज हो जाएंगे। पूरे उत्तर भारत की नदियों के स्रोत नहीं सूखेंगे। सिक्किम, कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल से लेकर नेपाल तक पूरे उच्च हिमालय पर सफेद बर्फ की चादर बिछी हुई है। बर्फ का कैचमेंट एरिया भी बढ़ गया है। इसी वजह से मध्य और निम्न हिमालयी क्षेत्रों व मैदानों में अक्टूबर से ही पारा गिरने लगा है।

शोपियां में हुर्रियत और जमात-ए-इस्लामी से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापा

श्रीनगर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को शोपियां जिले के विभिन्न इलाकों में पूर्व हुर्रियत कार्यकर्ताओं और प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े लोगों के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई क्षेत्र में देशविरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी शोपियां जिले के कई गांवों और कस्बों में एक साथ शुरू की गई, जिसमें सुरक्षा एजेंसियों ने पूर्व अलगाववादी नेताओं के घरों, दस्तावेजों और डिजिटल सामग्री की गहन जांच की। छापेमारी का उद्देश्य अलगाववादी नेटवर्क को ध्वस्त करना और उसके सपोर्ट सिस्टम को खत्म करना है। पुलिस ने यह स्पष्ट किया है कि यह अभियान कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की उकसावे वाली गतिविधियों को रोकने के लिए चलाया जा रहा है। जिन व्यक्तियों के घरों पर तलाशी ली गई, वे पहले हुर्रियत और जमात-ए-इस्लामी से सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे।

बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने कई शहरों में की छापेमारी

कर्नाटक में 12 सरकारी अफसरों पर लोकायुक्त की रेड

बेंगलूरू, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की जांच के तहत देश के कई राज्यों में छापेमारी की। यह कार्रवाई 70 करोड़ रुपये के कथित बैंक लोन धोखाधड़ी मामले से जुड़ी है। ईडी ने दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर और मुंबई में चार-चार ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। ईडी की यह कार्रवाई केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर की गई है, जिसमें यशदीप शर्मा और उनके परिवार के सदस्यों पर आरोप लगाया गया है। पंजाब एंड सिंध बैंक ने आरोप लगाया है कि शर्मा और उनके परिजनों ने अपनी स्वामित्व और नियंत्रण वाली कंपनियों के माध्यम से बैंक से लिए गए 70 करोड़ रुपये के लोन का दुरुपयोग किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोन की राशि उन संस्थाओं में ट्रांसफर की गई जो वास्तव में किसी भी व्यावसायिक गतिविधि में शामिल नहीं थीं। दूसरी तरफ कर्नाटक लोकायुक्त की टीम ने मंगलवार को राज्यभर में एक साथ छापेमारी करते हुए 12 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर कार्रवाई की।

यह छापे अवैध संपत्ति मामले में डाले गए। बताया गया है कि छापेमारी मंगलवार तड़के शुरू हुई। जिन अधिकारियों पर छापे मारे गए, उनमें बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के भूमि अधिग्रहण विभाग में सर्वेयर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, कृषि विभाग, परिवहन विभाग और ग्रामीण अवसंरचना विकास निगम के अधिकारी शामिल हैं।

लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कई स्थानों पर संदिग्ध दस्तावेज और संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं।

केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग ने मचाई तबाही लाखों का नुकसान

इंदौर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि चार मंजिला केमिकल फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया। यह आग बीती रात को लगी थी। हालांकि, इसमें किसी की जानमाल की हानि की सूचना नहीं है। इंदौर महानगरपालिका के फायर ऑफिसर विनोद मिश्रा के अनुसार, इंदौर के सांवेर रोड पर स्थित केमिकल फैक्ट्री में आग की सूचना मिली थी। यह आग बीती रात को लगभग 2:15 बजे लगी थी। आग काफी भीषण थीं। आग की लपटें कुछ ही समय में पूरी फैक्ट्री में फैल गईं। इसपर काबू पाने के लिए देपालपुर, बेटमा, पीथमपुर और सांवेर से फायर ब्रिगेड की टीमें बुलाई गईं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग के विकराल रूप का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे बुझाने के लिए 100 से ज्यादा पानी के टैंकर भेजे गए।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा सेक्टर में सेना को मिली बड़ी कामयाबी, 2 आतंकियों को किया ढेर

जम्मू, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सेना ने कुपवाड़ा सेक्टर में घुसपैठरोधी अभियान के दौरान दो आतंकियों को मार गिराया। कुपवाड़ा जिले में सुबह-सुबह आतंकवादियों और सेना के बीच मुठभेड़ हुई। जानकारी के अनुसार, सेना ने माछिल सेक्टर में आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम किया। सेना ने एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधियां देखी थीं। इसके बाद इलाके में सघन तलाशी अभियान छेड़ा गया। पाकिस्तान की ओर से आतंकी लगातार घुसपैठ की फिराक में रहते हैं। खासकर सर्दियों में बर्फबारी तेज होने के पहले पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आतंकियों की घुसपैठ कराने का प्रयास करती हैं, लेकिन चौकन्ना सुरक्षाबलों ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। कुपवाड़ा में भी सेना ने ऐसी ही हरकत का करारा जवाब दिया और आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।

सुरक्षाबल अब भी इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं, ताकि किसी भी आतंकवादी की मौजूदगी और हो तो उसे ट्रैक किया जा सके। सेना का कहना है कि सीमापार घुसपैठ का यह प्रयास पाकिस्तान की ओर से संघर्षविराम उल्लंघन और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने की कोशिश लग सकता है। अधिकारियों के अनुसार, तड़के सुबह सीमा पर फेंसिंग के नजदीक संदिग्ध गतिविधि देखी गई। सुरक्षाबलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी की। इसी दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसका जवाब देते हुए दोनों आतंकियों को ढेर कर दिया गया।

सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई अन्य घुसपैठिया इलाके में छिपा न हो। अभियान के दौरान भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात हैं। इस ऑपरेशन को सुरक्षाबलों की एक और बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिसने पाकिस्तान की ओर से की जा रही घुसपैठ की एक और कोशिश को विफल कर दिया।

ये तीन कफ सिरप हैं खतरनाक, हो सकता है बच्चों की जान को खतरा; डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

भोपाल, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसम बदल रहा है, अमूमन ज्यादातर परिवारों में सर्दी जुकाम और बुखार की समस्या देखने को मिल रही है। लोग ज्यादा खांसी की समस्या होने पर कई तरह के सिरप का भी इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने भारत में तीन खांसी की सिरप जिनमें कोलड्रिफ, रेस्पिफ्रेश टीआर और रीलाइफ को 'खराब गुणवत्ता' वाला बताया है और इसके लिए चेतावनी जारी की है। डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों के नियामक प्राधिकरणों से कहा है कि यदि उनके देश में ये सिरप मिलते हैं तो इसके बारे में तुरंत विश्व स्वास्थ्य संगठन को जानकारी दें। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी में कहा कि ये सिरप इतना खतरनाक है कि इसके इस्तेमाल से गंभीर और जानलेवा बीमारी हो सकती है।

भारत की स्वास्थ्य संस्था, सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने डब्ल्यूएचओ को बताया कि इन सिरप का इस्तेमाल मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में पांच साल से कम उम्र के बच्चों ने किया था। इसके इस्तेमाल की वजह से ही 22 बच्चों की मौत हो गई थी। इन खांसी की दवाओं में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीला पदार्थ लगभग 500 गुना ज्यादा इस्तेमाल किया गया था। सीडीएससीओ ने कहा कि इन दवाओं का निर्यात भारत से नहीं हुआ है और अवैध निर्यात का कोई सबूत नहीं है। अमेरिका की फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने जानकारी दी है कि ये जहरीली सिरप अमेरिका में नहीं भेजी गईं।

आईपीएस पूरन कुमार के परिवार से मिले राहुल गांधी

8 दिन बाद भी नहीं हुआ अंतिम संस्कार; डीजीपी लंबी छुट्टी पर भेजे गए

चंडीगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई। पूरन कुमार को श्रद्धांजलि दी है। राहुल चंडीगढ़ पहुंचे और आईपीएस पूरन कुमार के परिजनों से मिले। पूरन कुमार ने 7 अक्टूबर को आत्महत्या की थी। 8 दिन बाद भी उनका अंतिम संस्कार नहीं हो सका है। उनका पार्थव शरीर चंडीगढ़ पीजीआई में रखा गया है।

हरियाणा सरकार ने डीजीपी को लंबी छुट्टी पर भेजा

पूरन कुमार का परिवार डीजीपी शत्रुजीत कपूर की गिरफ्तारी की मांग कर रहा है। हरियाणा सरकार ने डीजीपी को लंबी छुट्टी पर भेज दिया है। हरियाणा सरकार ने डीजीपी का अतिरिक्त कार्यभार सीनियर आईपीएस अधिकारी ओम प्रकाश सिंह (ओपी सिंह) को सौंप दिया है। इस बीच राहुल गांधी चंडीगढ़ पहुंचे और पीड़ित परिजनों से मुलाकात की।

आईपीएस की पत्नी को चंडीगढ़ पुलिस ने क्यों भेजा नोटिस?

वहीं, आपको बता दें कि चंडीगढ़ पुलिस ने मृतक आईपीएस पूरन कुमार की आईएएस पत्नी अमनीत पूरन कुमार को नोटिस भेजा है। चंडीगढ़ पुलिस ने नोटिस भेज कर आईएएस अमनीत पूरन कुमार से उनके मृतक पति का लैपटॉप मांगा है। चंडीगढ़ पुलिस के मुताबिक, आईपीएस पूरन कुमार का लैपटॉप उनकी मौत से जुड़ा बड़ा सुबूत है। दरअसल, चंडीगढ़ पुलिस लैपटॉप को सीएफएसएल लैब में भेज कर आईपीएस पूरन कुमार के सुसाइड नोट की प्रमाणिकता जांचेगी, ताकि ये साफ हो सके कि सुसाइड नोट आईपीएस पूरन कुमार ने खुद अपने ही लैपटॉप से लिखा था।

कितने लोगों को भेजा गया सुसाइड नोट?

ये वही लैपटॉप है, जिसमें आईपीएस पूरन कुमार का सुसाइड नोट ड्राफ्ट में सेव था। चंडीगढ़ पुलिस आईपीएस पूरन कुमार के लैपटॉप के जरिए ये भी जानना चाहती है कि पुरन कुमार ने आत्महत्या करने से पहले कितने लोगों को सुसाइड नोट मेल किया था? जिनको सुसाइड मेल किया था उन लोगों को किस समय सुसाइड नोट मेल किया?

दिल्ली के जहांगीरपुरी में हेरोइन के साथ महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली में जहांगीरपुरी जे-ब्लॉक में पुलिस ने 60 वर्षीय महिला को 17.71 ग्राम हेरोइन/स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला दिल्ली के विभिन्न स्थानों में अपने ग्राहकों को हेरोइन/स्मैक सप्लाई करती थी। पुलिस ने महिला से 3580 रुपये नकद बरामद किए हैं। उत्तर-पश्चिम दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि थाना महेंद्रा पार्क क्षेत्र में एक ड्रग पेडलर सक्रियता की सूचना के बाद पुलिस ने जहांगीरपुरी के जे-ब्लाक में एक संदिग्ध महिला को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से नकद 3580 और 17.71 ग्राम हेरोइन/स्मैक बरामद हुआ।

आरोपित महिला की पहचान जहांगीरपुरी जे-ब्लाक निवासी 60 वर्षीय नीलम के रूप में हुई। जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपित ने पिछले कई महीनों से ड्रग पेडलिंग में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और बताया वह हेरोइन/स्मैक विभिन्न स्थानों में अपने ग्राहकों को मांग पर सप्लाई करती थी। उन्होंने बताया कि आरोपित के अन्य नारकोटिक-संबंधित मामलों में संभावित लिंक और संलिप्तता का पता लगाया जा रहा है। सुल्तानपुरी में बी-1 पार्क के पास पुलिस ने एक युवक से 8.44 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति बी-1 पार्क, सुल्तानपुरी के पास छोटे पैकेटों में नशीले पदार्थ बेच रहा है। पुलिस ने छापा मारकर एक युवक को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसकी जेब से 600 रुपये और 10 छोटे पाउच बरामद किए।

दुष्कर्म कांड के आरोपियों को वारदात स्थल पर ले जाएगी पुलिस

कोलकाता, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने मंगलवार को बताया कि दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों को अपराध स्थल पर ले जाया जाएगा ताकि घटना का पुनः निर्माण (सीन-रिक्रिएट) किया जा सके। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को जंगली इलाके में ले जाया जाएगा, जो परनागंज काली बाड़ी श्मशान स्थल के पास है और निजी मेडिकल कॉलेज के गेट के नजदीक है। अधिकारी ने कहा, 'घटना का पुनः निर्माण जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए हम इसे आज कराने की योजना बना रहे हैं।' इस बीच, मंगलवार की सुबह पांच में से दो आरोपियों को उनके घर ले जाया गया। इसका उद्देश्य यह था कि उनकी जगह से कोई ऐसा सबूत खोजा जा सके जो उन्होंने छिपाया हो। दिन के बाद, सभी पांच आरोपियों का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक पूर्व सुरक्षा गार्ड है, जो उसी निजी कॉलेज में काम करता था। दूसरा आरोपी वर्तमान में किसी अन्य अस्पताल में कार्यरत है। इसके अलावा एक आरोपी स्थानीय नगर निगम में अस्थायी कर्मचारी है और एक बेरोजगार है।

ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली छात्रा के साथ पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में कुछ लोगों ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। छात्रा रात में अपने एक पुरुष मित्र के साथ कॉलेज कैंपस के बाहर खाना खाने गई थी। इसी दौरान कैंपस गेट के पास ही एक आरोपियों ने उसे घसीटकर पीछे के सुनसान इलाके में ले गए और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में पीड़िता के पिता ने बेटी की सुरक्षा को लेकर उसे पश्चिम बंगाल से ओडिशा ट्रांसफर करने की गुहार भी लगाई है।

कनाडा से लौटा युवक हथियारों के साथ गिरफ्तार

अमृतसर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमृतसर जिला देहाती पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी के नेटवर्क से संबंधित एक तस्कर को गिरफ्तार कर बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए हैं। आरोपी का नाम अमरबीर सिंह उर्फ अमर, निवासी डेहरीवाल है। आरोपी के कब्जे से 6 पिस्तौल, 11 मैगजीन, .30 बोर के 91 कारतूस और 9 एमएम के 20 कारतूस बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी हाल ही में कनाडा से लौटा था और पाकिस्तान-आधारित तस्करों के संपर्क में था।

पुलिस को शक है कि आरोपी पंजाब में अवैध हथियारों की सप्लाई नेटवर्क का हिस्सा है, जो सीमापार से तस्करी के जरिए अपराधियों तक हथियार पहुंचाने का काम करता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

'आरएसएस की गतिविधियों पर उठाए सवाल

इसलिए मिल रही धमकी'; कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे का दावा

बेंगलूरू, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा होता नजर आ रहा है। पिछले दिनों राज्य सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने सीएम सिद्दरमैया को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में उन्होंने सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर तरह बैन लगाने की बात कही थी। आईटी मंत्री प्रियांक खरगे की इस मांग पर राजनीतिक भूचाल आ गया। इस बीच प्रियांक खरगे ने मंगलवार को बताया कि उन्हें धमकी भरे कॉल आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने सरकारी विद्यालय, सार्वजनिक संस्थानों में आरएसएस की गतिविधियों पर सवाल उठाने और उन्हें रोकने की हिम्मत की थी। इसी कारण धमकी दी जा रही है।

धमकियों से रुकने वाला नहीं: प्रियांक

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने लिखा कि पिछले दो दिनों से मेरे फ़ोन की घंटी बजती रही है। मुझे और मेरे परिवार को धमकियों, डराने-धमकाने और सबसे गंदी गालियों से भरे फ़ोन आ रहे हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि मैंने सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक संस्थानों में आरएसएस की गतिविधियों पर सवाल उठाने और उन्हें रोकने की हिम्मत की थी।

लेकिन मैं न तो विचलित हूँ और न ही हैरान हूं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि अगर उन्हें लगता है कि धमकियां और व्यक्तिगत ताने मुझे चुप करा देंगे, तो वे गलतफहमी में हैं। यह अभी शुरू हुआ है। अब समय आ गया है कि बुद्ध, बसवन्ना और बाबासाहेब के सिद्धांतों पर आधारित एक समाज का निर्माण किया जाए, जो समानता, तर्क और करुणा पर आधारित हो और इस देश को सबसे खतरनाक वायरस से मुक्त किया जाए।

कुख्यात नक्सली मल्लौजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू ने 60 साथियों के साथ किया सरेंडर

गढ़चिरौली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में कुख्यात नक्सली मल्लौजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू ने अपने 60 साथियों के साथ सरेंडर कर दिया है। सीपीआई माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लौजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू ने मंगलवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में 60 माओवादी कार्यकर्ताओं के साथ हथियार डाल दिए। इसे भाकपा माओवादी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और देश भर की राज्य सरकारों के नेतृत्व में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे निरंतर अभियानों का परिणाम है। सितंबर में सोनू ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर हथियार डालने का संकेत दिया था। उन्हें छत्तीसगढ़ और देश के अन्य हिस्सों में माओवादी कार्यकर्ताओं के एक बड़े हिस्से से समर्थन मिला, जिन्होंने उन्हें समर्थन दिया।

मणिपुर में बुजुर्ग महिला की घर में हत्या

इंफाल, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर की राजधानी इंफाल में 67 वर्षीय महिला की अपने घर में हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, सेवानिवृत्त फिजियोथेरेपिस्ट डॉ। असेम रीटा का शव उनके घर की दूसरी मंजिल पर याईस्कुल चिंगकखाम लेइराक में सोमवार शाम को मिला।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि उन्हें किसी भारी वस्तु से सिर के पीछे चोट लगने के बाद मारा गया। घटना के समय वह अकेली थीं। उनका शव पति और पुत्र ने घर लौटकर देखा। उन्हें तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस और फोरेंसिक टीम घटना स्थल पर सबूत तलाश रही है।

सड़कों पर गड्ढों से होने वाली मौतों को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नगर निगम को देना होगा 6 लाख तक का मुआवजा

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सड़कों पर गड्ढों या खुले मैनहोल से होने वाली मौतों को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अगर सड़कों पर गड्ढों या खुले मैनहोल के कारण किसी की जान जाती है तो नगर निगम और अन्य सरकारी एजेंसियां पीड़ित परिवारों को 6 लाख रुपये का मुआवजा देंगी।

कोर्ट ने कहा कि अगर किसी को चोट लगती है तो चोट की गंभीरता के आधार पर 50,000 रुपये से लेकर 2.5 लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा न देना नागरिकों के सुरक्षित सड़कों के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। यह फैसला 2013 में मुंबई की सड़कों की खराब हालत और गड्ढों के कारण होने वाली मौतों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनाया गया है। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा सरकारी एजेंसियों के लिए एक वेक-अप कॉल का काम करेगा। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह मुआवजा किसी भी अन्य कानूनी उपाय के अतिरिक्त और स्वतंत्र होगा। कोर्ट का कहना था कि अगर कोई पीड़ित किसी और कानून के तहत भी राहत चाहता है, तो वह ले सकता है। पीआईएल ने सड़कों की देखरेख के लिए जिम्मेदार नागरिक निकायों, सरकारी एजेंसियों और ठेकेदारों की बड़ी खामियों को उजागर किया है।

कोर्ट ने पाया कि कागजों पर भले ही सरकारी दिशानिर्देश और शिकायत प्रणाली मौजूद हो, लेकिन नागरिक आज भी गड्ढों के कारण चोटिल हो रहे हैं और अपनी जान गंवा रहे हैं। हाईकोर्ट ने बार-बार हो रही इन गलतियों पर गंभीरता से ध्यान देते हुए महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह शहर, क्षेत्र और राज्य स्तर पर पर्मानेंट कॉरडिनेशन और रिव्यू कमेटी गठित करे।

मुआवजे के बाद भूमि अधिग्रहण को चुनौती

सिंगूर की जमीन को लेकर एससी ने पलटा हाई कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोलकाता सिंगूर की जमीन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को पलट दिया है। कोर्ट ने कहा है कि सिंगूर में टाटा नैनो प्लांट के अधिग्रहण को रद्द करने वाला उसका 2016 का फैसला किसानों के लिए एक उपाय था। ये उन व्यावसायिक संस्थाओं के लिए सामान्य अधिकार नहीं था जिन्होंने एक दशक से अधिग्रहण को स्वीकार कर रखा था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने फैसला सुनाया। बेंच ने पश्चिम बंगाल राज्य की अपील को स्वीकार करते हुए कहा, उच्च न्यायालय ने प्रतिवादी-निजी संस्था को भूमि वापसी देने में गलती की है, जिसने अधिग्रहण और पूर्ण मुआवजा स्वीकार कर लिया था, लेकिन इसे देर से चुनौती दी थी।

2006 में पश्चिम बंगाल ने टाटा मोटर्स की नैनो परियोजना के लिए सिंगूर में 1000 एकड़ से ज्यादा जमीन का अधिग्रहण किया, जिसमें प्रतिवादी संति सेरामिक्स की फैक्ट्री की 28 बीघा जमीन भी शामिल थी। भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 की धारा 5-ए के तहत कंपनी की आपत्तियों को खारिज कर दिया गया, जिसके बाद उसने 14.55 करोड़ रुपये का मुआवज़ा स्वीकार कर लिया और अधिग्रहण को चुनौती नहीं दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि औद्योगिक संस्थाओं को उन मुकदमों से पुनर्स्थापन लाभों का दावा करने की अनुमति देना, जिन्हें उन्होंने आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है, एक अवांछनीय मिसाल कायम करेगा। ऐसा दृष्टिकोण रणनीतिक निष्क्रियता को बढ़ावा देगा और पक्षों को लंबी मुकदमेबाजी के दौरान निष्क्रिय रहने के लिए प्रोत्साहित करेगा, ताकि वे दूसरों द्वारा अनुकूल परिणाम प्राप्त होने के बाद ही दावेदार बन सकें। न्यायालय ने कहा कि टाटा नैनो भूमि अधिग्रहण को पहले रद्द करना उन किसानों के लिए एक लक्षित राहत थी, जिनकी आपत्तियों को खारिज कर दिया गया था और जो उपजाऊ भूमि पर निर्भर गरीब कृषि श्रमिकों के रूप में असमानुपातिक बोझ उठा रहे थे, न कि प्रतिवादी जैसी व्यावसायिक संस्थाओं के लिए, जिन्होंने एक दशक तक अधिग्रहण को स्वीकार कर लिया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

दुख पर ध्यान दोगे तो हमेशा दुखी रहोगे, सुख पर ध्यान देना शुरु करो। दरअसल तुम जिस पर ध्यान देते हुए चीज सक्रिय हो जाती है। ध्यान सबसे बड़ी कुंजी है।

मंत्री ने देवदुला परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

अधिकारियों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने मंत्री डी सीतक्का और संयुक्त वारंगल जिले के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ जे चोक्का राव देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना (जेसीआरडीएलआईएस) की प्रगति की समीक्षा की और निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना को पूरा करने के लिए कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सिंचाई विभाग को सभी प्रक्रियात्मक बाधाओं को दूर करने, लंबित कार्यों में तेजी लाने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सिंचाई का लाभ उत्तरी तेलंगाना के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में हर किसान तक पहुंचे। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि देवदुला योजना, जयशंकर भूपालपल्ली जिले के गंगाराम गांव के पास गोदावरी नदी से 38.16 टीएमसी पानी उठाने के लिए बनाई गई है, जिसे हनमकोंडा, वारंगल, करीमनगर, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, जनगांव, यदाद्री के ऊपरी और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में 5.57 लाख एकड़ की सिंचाई के लिए डिज़ाइन किया गया है। सूर्यापेट और सिद्दीपेट जिले। इस परियोजना में +71 मीटर से +540 मीटर की ऊंचाई तक कुल 469 मीटर की लिफ्ट शामिल है और इसे तीन चरणों में कार्यान्वित किया जा रहा है जिसमें प्रमुख पंप हाउस, सुरंगें, जलाशय, वितरण प्रणाली और नहर नेटवर्क शामिल हैं। नवीनतम प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, अब तक निर्मित कुल सिंचाई क्षमता कुल नियोजित 5.56 लाख एकड़ में से 3.17 लाख एकड़ है। भूजल के माध्यम से सिंचित 58,028 एकड़ भूमि के साथ संयुक्त होने पर, पूरा होने पर कुल अयाकट क्षमता 6.14 लाख एकड़ तक पहुंच जाएगी। राज्य सरकार ने अब तक इस पर 20 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। संशोधित परियोजना लागत के मुकाबले 14,269.63 करोड़ रुपये है, 18,500 करोड़ रुपये शेष बचे हैं। शेष कार्यों को पूरा करने के लिए 4,230 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। खर्च की गई कुल राशि में से सिविल कार्यों के लिए 11,667.85 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण के लिए 1,343.06 करोड़ रुपये हाइड्रो-मैकेनिकल और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल प्रतिष्ठानों के लिए 1,170.63 करोड़ है । बैठक में प्रस्तुत भौतिक प्रगति रिपोर्ट से पता चला कि नियोजित 2,430.82 किमी में से 1,663.10 किमी की खुदाई पूरी हो चुकी है, जबकि 702.62 किमी में से 669.66 किमी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। 16,113 नियोजित संरचनाओं में से 8,510 पूरी हो चुकी हैं, और 1,202.14 किमी में से 799.80 किमी नहर लाइनिंग का काम पूरा हो चुका है। इसी प्रकार, 46 में से 39 टैंक और 21 में से 18 पंप हाउस चालू हैं। ये आंकड़े योजना के विभिन्न घटकों में 67 से 95 प्रतिशत के बीच समग्र प्रगति दर्शाते हैं।

भूमि सर्वेक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया

राजन्ना-सिरसिल्ला, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने मंगलवार को सिरसिला में एक भूमि सर्वेक्षक वेणु को एक किसान से 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

एसीबी के अनुसार, आरोपी वेणु ने शिकायतकर्ता से सिरसिला नगर पालिका सीमा के अंतर्गत चिन्नाबोनाला में स्थित उसकी तीन एकड़ जमीन का सर्वेक्षण करने के लिए 30,000 रुपये की मांग की थी। मांग पूरी न कर पाने पर किसान ने एसीबी से संपर्क किया। एसीबी ने जाल बिछाकर वेणु को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया और 20,000 रुपये बरामद किए। मामले की आगे की जांच जारी है।

फोन टैपिंग मामले में एससी का पूर्व आईबी प्रमुख प्रभाकर राव को पासवर्ड रीसेट करने का आदेश

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तेलंगाना इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर राव को चल रहे फोन टैपिंग मामले के संबंध में फोरेंसिक विशेषज्ञों की उपस्थिति में अपना आईक्लाउड पासवर्ड रीसेट करने का निर्देश दिया। राव की गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। जस्टिस बीवी नागरत्नम और जस्टिस आर महादेवन की एससी बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

तेलंगाना सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने आरोप लगाया कि राव जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने हिरासत में पूछताछ का आग्रह किया, यह दावा करते हुए कि सच्चाई को उजागर करना आवश्यक है, और बताया कि राव ने अपने आईफोन और आईकोल्ड क्रेडेंशियल साझा नहीं किए थे। मेहता ने अदालत को बताया, उनके पास बैकअप है क्योंकि उन्होंने 15 हार्ड डिस्क खरीदी हैं। लेकिन उनका कहना है कि उनके पास कुछ भी नहीं है। इस अदालत की अंतरिम सुरक्षा की छत्रछाया के कारण वह सहयोग नहीं कर रहे हैं। सरकार के वकीलों ने अदालत को आगे बताया कि, सरकार बदलने के बाद, राज्य खुफिया ब्यूरो से हार्ड डिस्क डेटा नष्ट कर दिया गया था और उसके स्थान पर 50 नई हार्ड डिस्क लगाई गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि नक्सली गतिविधियों की निगरानी के बहाने राजनेताओं, पत्रकारों, न्यायाधीशों, बिल्डरों और व्यापारियों के फोन टैप किए गए और उपकरणों को जांच एजेंसियों को सौंपने से पहले प्रासंगिक डेटा हटा दिया गया। प्रभाकर राव की ओर से पेश वकील डी शेषाद्रि नायुडू ने कहा कि उनका मुवक्किल डिवाइस को रीसेट करने का इच्छुक था। दलीलों पर विचार करने के बाद, पीठ ने राव को फोरेंसिक विशेषज्ञों की उपस्थिति में अपना आईक्लाउड पासवर्ड रीसेट करने का आदेश दिया। अगली सुनवाई इसी साल 18 नवंबर को होनी है।

मौजूदा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों को दूसरा कार्यकाल नहीं मिलेगा : एआईसीसी

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने स्पष्ट कर दिया है कि तेलंगाना में मौजूदा जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष दूसरे कार्यकाल के लिए पात्र नहीं होंगे। एआईसीसी की राज्य मामलों की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और पीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने आज डीसीसी अध्यक्षों के साथ एक ज़ूम मीटिंग के दौरान यह निर्देश दिया। यह बैठक राज्य में नए डीसीसी अध्यक्षों के चयन की चल रही प्रक्रिया का हिस्सा थी। पदाधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि इस पद के लिए उम्मीदवारों ने कम से कम लगातार पांच वर्षों तक पार्टी में अनुशासन के साथ काम किया हो। नटराजन और गौड़ ने चेतावनी दी कि एआईसीसी पर्यवेक्षक इस आवश्यकता को पूरा न करने वालों को अयोग्य घोषित कर देंगे। पार्टी पदाधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के परिवार के सदस्यों को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। इसके बजाय, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदायों और महिलाओं के नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

एआईसीसी पर्यवेक्षकों के साथ बातचीत के संबंध में सख्त निर्देश जारी किए गए। नेताओं को व्यक्तिगत बैठकें या बातचीत न करने की सलाह दी गई और कहा गया कि सभी बैठकें पार्टी कार्यालयों या सभी के लिए सुलभ सार्वजनिक स्थलों पर होनी चाहिए, न कि निजी घरों या कार्यालयों में। इसके अतिरिक्त, पार्टी नेताओं से स्थानीय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया, जिसमें प्रत्येक गांव से कम से कम 100 लोग एआईसीसी के वोट चोरी कार्यक्रम के समर्थन में याचिकाओं पर हस्ताक्षर करें।

आरटीसी बसों से नकदी और मोबाइल चोरी

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने मंगलवार तड़के उप्पल बस स्टॉप पर खड़ी दो टीजीएसआरटीसी बसों से नकदी से भरा बैग, मोबाइल फोन, पहचान पत्र और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। पुलिस के अनुसार, सोमवार को थोरूर बस डिपो की सुपर लग्जरी और राजधानी बसों के चालक अपनी दिनभर की यात्रा पूरी करने के बाद रात में बसों में ही सो गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोर दोनों बसों में घुस गए और चालक की सीट के पास रखे बैग व अन्य सामान लेकर फरार हो गए।

जुबली हिल्स उपचुनाव को लेकर विधायक राजा सिंह ने किशन रेड्डी को घेरा

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व भाजपा नेता और गोशामहल से विधायक राजा सिंह ने आज केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर आगामी जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में उनके रुख पर सवाल उठाते हुए हमला बोला। राजा सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए किशन रेड्डी से पूछा कि वह अपने सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जुबली हिल्स उपचुनाव में किसका समर्थन करेंगे- कांग्रेस का या बीआरएस पार्टी का? उन्होंने आगे पूछा, आप जुबली हिल्स में भाजपा को कितने वोटों से हारने देंगे? राजा सिंह ने दावा किया कि ये सवाल तेलंगाना और जुबली हिल्स के लोग सोशल मीडिया पर पूछ रहे हैं। उन्होंने कहा, आप बीआरएस पार्टी को जिताएंगे या कांग्रेस पार्टी को? आपकी इज्जत दांव पर है। अगर भाजपा को भारी हार का सामना करना पड़ा, तो आप राष्ट्रीय नेतृत्व का सामना कैसे करेंगे? उन्होंने किशन रेड्डी पर संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों में मतभेदों पर उंगली उठाने की आदत का भी आरोप लगाया और कहा कि उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आलोचना अब उनके अपने जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र से हो रही है।

सरकार ने आईएंडसीएडी विभाग में कार्य व्यवस्था के आदेश दिए

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सिंचाई और कमान क्षेत्र विकास (आईएंडसीएडी) विभाग में कुछ कामकाजी व्यवस्थाओं को प्रभावित करने वाले आदेश जारी किए हैं, जिसमें कुछ इंजीनियरों को तेलंगाना सिंचाई इंजीनियरिंग सेवा (टीआईईएस) में 'ऑन-ड्यूटी (ओडी)' और 'पूर्ण अतिरिक्त शुल्क (एफएसी)' आधार पर काम करने का निर्देश दिया गया है। इंजीनियर-इन-चीफ (प्रशासन) द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर कार्रवाई करते हुए, सरकार ने आदेश के परिशिष्ट में सूचीबद्ध इंजीनियरों को अगले निर्देश तक ओडी के आधार पर उनके नाम के सामने निर्दिष्ट स्थानों पर कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया है।

उनका वेतन और भत्ते उनके संबंधित मूल पोस्टिंग से प्राप्त होते रहेंगे। इसके अलावा, सरकार ने एफएसी व्यवस्थाएं की हैं। बी. विष्णु प्रसाद, एसई, आईसी, बेल्लमपल्ली को उनके नियमित कर्तव्यों के अलावा, एसई, आईसी, कागजनगर का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, और राम किशोर सनपाल, डीईई, ओ/ओ ईई, आईडी, हुजूरनगर, अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों के साथ, ईई, आईडी-3, हुजूरनगर का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। प्रशासन की अत्यावश्यक परिस्थितियों में इंजीनियर-इन-चीफ (प्रशासन) को आवश्यक आगे की कार्रवाई करने के निर्देश के साथ आदेश जारी किए गए हैं। सरकार के प्रधान सचिव राहुल बोज्जा द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन में इस बात पर जोर दिया गया है कि व्यवस्थाएं तुरंत प्रभावी होंगी और अगले आदेश तक लागू रहेंगी।

लाइनमैन रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने नागरकर्नूल जिले में कार्यरत टीजीएसपीडीसीएल के लाइनमैन थोटा नागेंद्र को 15,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए गिरफ्तार किया। नागरकर्नूल जिले के वंगूर मंडल के मचिनोनिपल्ली गांव में कार्यरत नागेंद्र ने शिकायतकर्ता से उसके खेत में ट्रांसफार्मर लगाने के लिए 15,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और मंगलवार को रिश्वत लेते ही उसे पकड़ लिया। बरामद राशि भी जब्त कर ली गई। नागेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है और उसे हैदराबाद स्थित एसीबी कोर्ट में पेश किया जा रहा है।

फर्जी एनजीओ लोन के नाम पर ठगी

50 लाख रुपये के ऋण का झांसा देकर साइबर ठगों ने उड़ाए 7.9 लाख रुपये

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट के रहने वाले 30 वर्षीय एक व्यक्ति के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। अज्ञात लोगों ने उसे 50 लाख रुपये का लोन देने का झांसा देकर 7.9 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को हाल ही में एक अज्ञात व्यक्ति का व्हाट्सएप कॉल आया, जिसने खुद को हैदराबाद स्थित एक एनजीओ का संस्थापक बताया। कॉल करने वाले ने एक लोकप्रिय अभिनेता की तस्वीर लगाई हुई थी और दावा किया कि उसके एनजीओ के जरिए 50 लाख रुपये का लोन स्वीकृत हुआ है।

इसके बाद ठग ने प्रोसेसिंग और अन्य शुल्क के नाम पर 10 लाख रुपये मांगे। अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव पर भरोसा करके पीड़ित ने 7.9 लाख रुपये धोखेबाज द्वारा बताए गए बैंक खातों में जमा कर दिए। बाद में जब उसने लोन देने के लिए कहा, तो ठग ने 30,000 रुपये और मांगे और कहा कि 10 लाख रुपये की पूरी राशि बाद में वापस कर दी जाएगी। पीड़ित को शक होने पर उसने आगे कोई भुगतान नहीं किया और तुरंत हैदराबाद साइबर अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और साइबर अपराधियों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी ऑनलाइन लोन ऑफर या एनजीओ द्वारा किए गए वित्तीय वादों पर भरोसा न करें और इस तरह के मामलों में किसी भी लेनदेन से पहले संबंधित संस्थान की वैधता की जांच जरूर करें।

भाजपा में आंतरिक कलह उजागर, मंचेरियल दौरे के दौरान नेताओं में विवाद

मंचेरियल, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के भीतर आंतरिक कलह मंगलवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव के वेमनपल्ली मंडल दौरे के दौरान सामने आई। राव ने भाजपा वेमनपल्ली मंडल अध्यक्ष एता मधुकर के परिवार को सांत्वना दी, जिनका आरोप है कि कोत्तागुडा गांव में कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण परिवार का एक सदस्य आत्महत्या कर गया। राव ने शोक संतप्त परिवार को पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया और आरोपी कांग्रेस नेताओं के खिलाफ रामागुंडम पुलिस आयुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई।

इस दौरान मधुकर के परिवार से बातचीत के समय पेद्दापल्ली के पूर्व सांसद डॉ.बी. वेंकटेश और भाजपा पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र के प्रभारी गोमासा श्रीनिवास के बीच तीखी बहस हो गई। बताया जाता है कि वेंकटेश नेथा ने श्रीनिवास द्वारा उन्हें नाम से संबोधित किए जाने पर आपत्ति जताई और धमकी दी कि यदि उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग किया तो वे उन्हें थप्पड़ मार देंगे। उन्होंने अपना आपा खोते हुए श्रीनिवास पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन पार्टी के अन्य नेताओं और एन रामचंदर राव ने बीच-बचाव कर विवाद को रोका। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और व्हाट्सएप तथा फेसबुक पर खूब साझा किया गया। कुछ उपयोगकर्ताओं ने वेंकटेश नेथा के व्यवहार की आलोचना की, तो कुछ ने श्रीनिवास को विवाद भड़काने का दोषी ठहराया। इस सार्वजनिक विवाद ने भाजपा की स्थानीय इकाई में गुटबाजी और आंतरिक मतभेद को उजागर कर दिया है।

रेलवे स्टेशन पर 1.6 किलोग्राम गांजा चॉकलेट जब्त

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी एवं निषेध विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर 1.6 किलोग्राम गांजा चॉकलेट जब्त की। अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर विभाग की विशेष टीम प्लेटफार्म नंबर 10 पर पहुंची और एक बैग की तलाशी ली। तलाशी में बैग के अंदर एक पैकेट में गांजा चॉकलेट छिपाकर रखी गई थी। पुलिस के आते ही बैग ले जा रहा व्यक्ति मौके से भाग गया और बैग प्लेटफार्म पर छोड़ गया। मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और गांजा चॉकलेट जब्त कर ली गई है।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the Directions of Telangana State Election Commission)

Dated : 14.10.2025

Notice is hereby given to the general public that **Sri Teenmar Mallanna President** intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **Telangana Rajyadhikara Party (Name of the Party)** with location of its head office H.No. Plot No. 10 Part, Survey No. 95, FCI Godown Road, Near Cherlapally Railway Station, Chankyapuri Colony, Mallapur, Hyderabad, Telanagana State - 500 076. under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1). Sri. Sudagani Hari Shankar Goud, Genaral Secretary 2) Sri Odelu Allaboina, Vice President. 3) Sri Paramesh Thippani, Treasurer.** Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad - 500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **Telangana Rajyadhikara Party (Name of the Party)** as a Political Party to contest elections to local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

President
Telangana Rajyadhikara Party

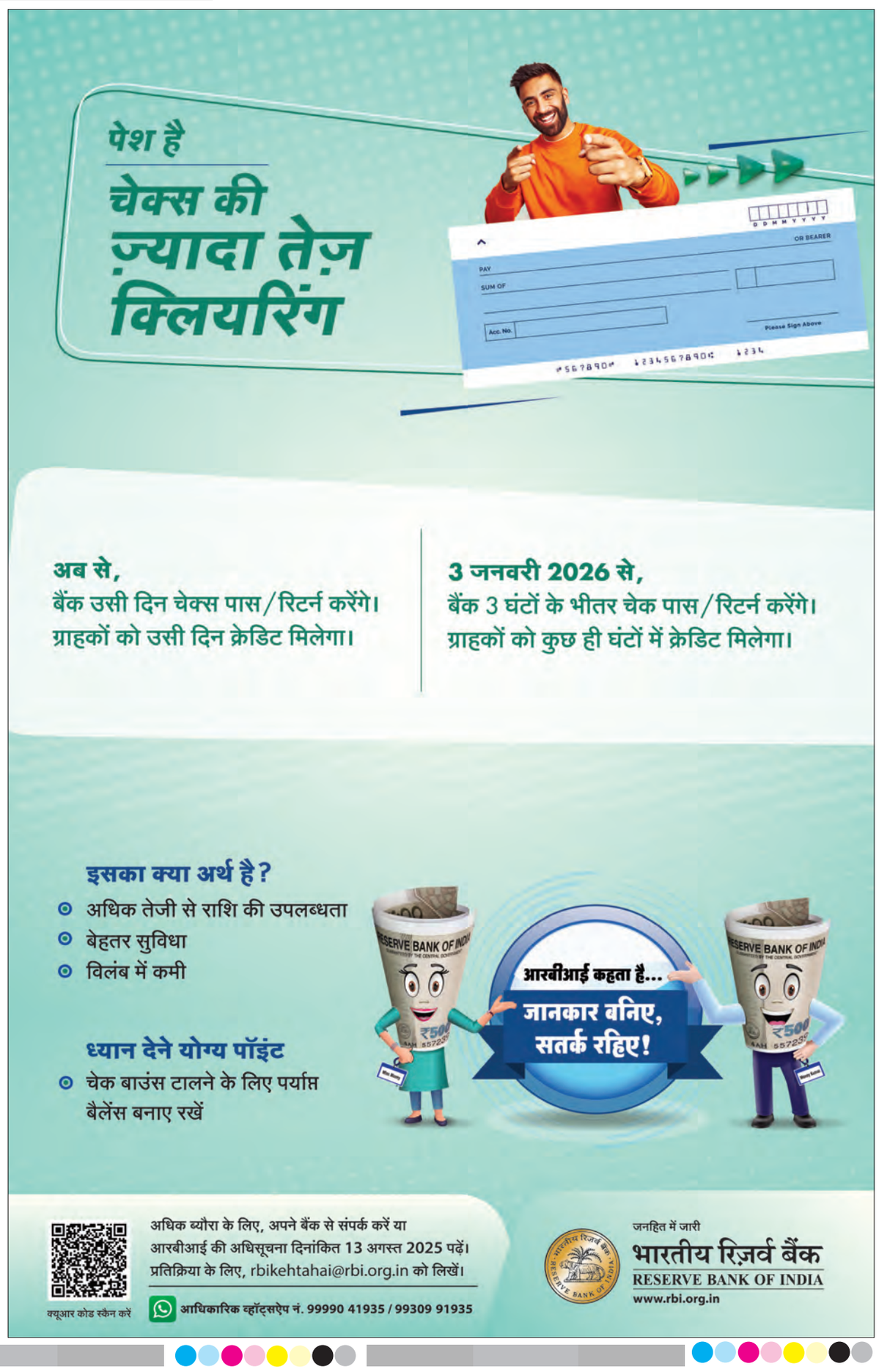

मिया-बीवी दोनों गैंगस्टर: विकास ने घर में रूबी को मारी गोली

लाश किचन में बंद कर भागा, गले पर मारी गोली

गाजियाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के गाजियाबाद स्थित नंदग्राम की राजनगर एक्सटेंशन की अजनारा इंटीग्रिटी सोसायटी में मंगलवार की सुबह कई दिनों बाद घर लौटे गैंगस्टर विकास कुमार ने पासपोर्ट और आधार कार्ड खोजना शुरू किया। विरोध करने पर दंपत्ती में विवाद हो गया। जिसके बाद विकास ने रूबी की गोली मारकर हत्या कर दी। पत्नी की मौत के बाद आरोपी उसके शव को खींचकर रसोईघर में ले गया और दरवाजा बंद कर भाग गया। मौके पर पहुंचे डीसीपी सिटी धवल जायसवाल और एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय ने जांच पड़ताल की।

पति-पत्नी दोनों का आपराधिक इतिहास

डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि विकास मूल रूप से मोदीनगर थाना क्षेत्र के गांव तिबड़ा का रहने वाला है। गैंगस्टर सहित विकास के खिलाफ हत्या और साजिश आदि के तीन मुकदमे दर्ज हैं। मृतक रूबी के खिलाफ भी हत्या व अन्य धाराओं में तीन मुकदमे दर्ज हैं। दोनों का आपराधिक इतिहास है।

गांव की जमीन बेच खरीदा फ्लैट

गांव की जमीन बेचकर दोनों ने अजराना इंटीग्रिटी सोसायटी में एक फ्लैट लिया और दो बेटियों के साथ इसी में रहते हैं। पिछले तीन माह से दंपत्ती में विवाद चल रहा है। विकास पत्नी और बच्चों को छोड़कर विदेश भागने की फिराक में था। ऐसे में रूबी ने उसका पासपोर्ट और आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज छिपा दिए।

दो माह बाद करवाचौथ पर लौटा था घर

करवाचौथ के दिन विकास करीब दो माह बाद घर लौटा था और पत्नी से पासपोर्ट और आधार कार्ड मांगे। विरोध करने पर रूबी के साथ मारपीट कर विकास घर से चला गया। मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे वह घर लौटा। बड़ी बेटी को स्कूल छोड़कर रूबी घर लौटी तो विकास आ धमका। रूबी अपनी छोटी बेटी को स्कूल के लिए तैयार करने लगी थी।

गले पर मारी गोली

विकास ने रूबी से अपना पासपोर्ट और आधार कार्ड मांगे। जिसका रूबी ने फिर से विरोध किया। दोनों में विवाद के दौरान विकास ने रूबी के गले से पिस्टल सटाकर गोली चला दी। जिससे रूबी की मौके पर ही मौत हो गई। उसके बाद आरोपी रूबी के शव को खींचकर रसोईघर में ले गया और दरवाजा बंद कर दिया। दूसरे कमरे में तैयार हो रही दंपत्ती की 11 वर्षीय बेटी ने अपने पिता को गोली चलाते और शव को खींचते देखा। उसने पिता से विरोध जताया जिसके बाद आरोपी उसे कमरे में बैठे रहने की हिदायत देकर भाग गया।

पुलिस का बयान

डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है, आरोपी की तलाश को तीन टीमे गठित की गई हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मौलाना तौकीर की हुई पेशी-कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाई

बरेली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बवाल के मामले में आरोपी मौलाना तौकीर रजा की मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सीजेएम अलका पांडेय की कोर्ट में पेशी हुई। तौकीर रजा फर्रुखाबाद की फतेहगढ़ जेल में बंद है।

वहीं से वह वर्चुअल माध्यम से जुड़ा। बरेली पुलिस ने उसे बवाल का मुख्य आरोपी बताया है। कोर्ट ने मौलाना तौकीर की 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। अब 28 अक्टूबर को अगली सुनवाई पर कोर्ट ने पेशी के आदेश दिए हैं। कोतवाल अमित पांडेय ने बताया कि बवाल से संबंधित सभी मुकदमों में रिमांड मंजूर कर ली गई है। कोतवाली में दर्ज मुकदमे में मौलाना तौकीर को बवाल का मुख्य आरोपी बताया गया है।

पीलीभीत में बड़ी वारदात : कोर्ट परिसर में अधिवक्ता पर धारदार हथियार से हमला

दरोगा भी घायल-दो आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीत, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीलीभीत के कोर्ट परिसर में मंगलवार सुबह अधिवक्ता पर बांके से हमला कर दिया गया। उन्हें बचाने पहुंचे दरोगा भी घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं, पुलिस ने हमला करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक हत्या के मामले में नामजद अधिवक्ता ओमपाल निवासी गांव खरदाई (थाना दियोरिया) मंगलवार को मुकदमे की तारीख पर कोर्ट पहुंचे थे। इसी दौरान मुकदमे के दूसरे पक्ष के लोग वहां पहुंच गए और अचानक बांके से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

कचहरी परिसर में मचा हड़कंप

हमले में अधिवक्ता ओमपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बचाने पहुंचे कोर्ट परिसर में तैनात दरोगा अरविंद त्यागी भी बांके के प्रहार से घायल हो गए। घटना से कचहरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया।

सूचना पर एसपी अभिषेक यादव भी अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि हमला करने के आरोपी कचहरी के पीछे खुले रास्ते से अंदर दाखिल हुए थे। बांका छिपाकर लाए थे। घायल अधिवक्ता बीसलपुर में प्रैक्टिस करता है और हत्या के एक मुकदमे में आरोपी है। एसपी अभिषेक यादव ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

दरोगा साहब को फेसबुक पर दोस्ती भारी पड़ गई

महिला ने धमकी देकर ऐंठे चार लाख रुपये

मुरादाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर बनी एक दोस्ती दरोगा अर्जुन सिंह के लिए भारी पड़ गई। फेसबुक पर शुरू हुई जान-पहचान धीरे-धीरे धमकी और ठगी के जाल में बदल गई, जिसके चलते दरोगा को चार लाख रुपये गंवाने पड़े।

अब इस पूरे प्रकरण में कोर्ट के आदेश पर सिविल लाइंस पुलिस ने आरोपी मेरठ निवासी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारों की माने तो इस महिला ने दिल्ली पुलिस तैनात एक सिपाही पर भी दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करवाया था, जो बाद में फर्जी पाया गया था। जानकारी के अनुसार, पुलिस लाइन में तैनात दरोगा अर्जुन सिंह ने सीजेएम कोर्ट में मेरठ जिले के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की एक महिला के खिलाफ वाद दायर किया था। दरोगा का कहना है कि वर्ष 2022 में वह कोतवाली क्षेत्र के बुध बाजार चौकी प्रभारी के रूप में तैनात थे। इसी दौरान एक महिला ने उन्हें फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। पहले तो उन्होंने रिक्वेस्ट डिलीट कर दी, लेकिन दो माह बाद फिर वही रिक्वेस्ट आने पर स्वीकार कर ली। महिला ने खुद को एक रेलवे कर्मचारी का परिचित बताते हुए कहा कि उसने रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर पैसे दिए थे, जो अब वापस नहीं मिल रहे। उसने दरोगा से पैसे दिलाने में मदद मांगी। दरोगा ने उस कर्मचारी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बन सकी। मामला यहीं खत्म हो जाता, लेकिन यह तो एक चाल की शुरुआत थी।

वर्ष 2023 में दरोगा का तबादला थाना छजलैट हो गया। उसी दौरान महिला ने फिर संपर्क किया और बताया कि वह मेरठ में अपने पिता के नाम से प्लॉट बेचना चाहती है। उसने खुद को अकेली और असहाय बताया। दरोगा अपने मित्र आकाश सक्सेना के साथ मेरठ जाकर प्लॉट देखने भी गए। धीरे-धीरे महिला ने सहानुभूति हासिल की और दरोगा का विश्वास जीत लिया।

भीषण सड़क हादसा में दो छात्रों की मौत

महोबा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महोबा जिले में थाना महोबकंठ के धवार गांव के पास बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टकराकर बाइक सवार दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्हें सीएचसी से मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि एक ही बाइक में चार छात्र सवार थे। मृतकों में आकाश (17) पुत्र बबलू राजपूत निवासी ब्यारजो व भरत (17) पुत्र केदारनाथ गुप्ता शामिल हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सपा नेता आजम खां ने ठुकराई वाई श्रेणी सुरक्षा

बोले-लिखित आदेश न मिलने तक नहीं लूंगा

रामपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां ने वाई श्रेणी की सुरक्षा लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार की ओर से लिखित आदेश नहीं मिलता तब तक वह सुरक्षा स्वीकार नहीं करेंगे। जेल से रिहा होने के बाद आजम ने कहा कि उन्हें सुरक्षा दिए जाने की कोई आधिकारिक जानकारी या दस्तावेज नहीं मिला है।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों से उन्होंने कहा है कि पहले वह सरकार का आदेश लेकर आएं तभी वह इस व्यवस्था को मानेंगे। सपा नेता ने कहा कि जब एक बार के विधायक को केंद्र सरकार के कमांडो मिल सकते हैं तो मुझे केवल वाई श्रेणी की सुरक्षा क्यों दी गई है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि वाई श्रेणी की सुरक्षा में गाड़ी और अन्य खर्च का प्रावधान होता है, जिसका खर्च वह देने की स्थिति में नहीं हैं। जेल से बाहर आने के बाद से आजम लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब सुरक्षा को लेकर दिया गया यह बयान एक बार फिर राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

आजम पहले वापस कर चुके हैं सुरक्षा

सपा नेता पूर्व में 27 माह तक सीतापुर जेल में रहे थे। उस वक्त जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद उनको सुरक्षा वापस दे दी थी,लेकिन उस वक्त सपा नेता ने सुरक्षा वापस कर दी थी। 23 माह बाद जेल से रिहा होने के सपा नेता आजम खां को पूर्व में दी गई वाई श्रेणी की सुरक्षा को वापस कर दिया गया है। वह छह पुलिस कर्मियों की निगरानी में चौबीस घंटे रहेंगे। सपा नेता आजम खां दस बार के विधायक, एक बार के लोकसभा सदस्य व राज्यसभा के सदस्य के साथ ही पांच बार प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। 2012-2017 तक कैबिनेट मंत्री रहे आजम खां की मुश्किलें भाजपा सरकार आने के बाद 2019 से बढ़नी शुरू हुई थीं। उन पर कानूनी शिकंजा कसता चला गया। एक के बाद एक सौ से ज्यादा मुकदमे दर्ज हुए। डूंगरपुर,यतीमखाना बस्ती को खाली कराने के नाम पर लूटपाट, चोरी व डकैती के साथ ही मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हुए। 23 माह पहले उन्हें बेटे के जन्म प्रमाणपत्र के मामले में कोर्ट से सजा हुई थी,जिसके बाद बेटे अब्दुल्ला आजम खां व पत्नी डॉ. तजीन फात्मा के साथ जेल चले गए थे। हालांकि अब सभी जमानत पर रिहा हो चुके हैं। उनको डूंगरपुर केस में भी सजा हो चुकी है। फिलहाल 23 माह बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से रिहा हो गए थे।

जेल जाने से पहले उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी, जिसे अब वापस कर दिया गया है। पुलिस अफसरों के मुताबिक वाई श्रेणी की सुरक्षा के तहत पांच पुलिस कर्मियों की एक गारद आवास पर तैनात होगी, जबकि तीन सुरक्षा कर्मी सपा नेता के साथ रहेंगे।

'भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए चुनाव लड़ती है ओवैसी की पार्टी'

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम द्वारा थर्ड फ्रंट बनाए जाने पर कांग्रेस नेता दीपक सिंह ने जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ओवैसी की पार्टी बिहार में भाजपा को लाभ दिलाने के लिए चुनाव लड़ रही है।

दीपक सिंह ने कहा कि एआईएमआईएम हर उस जगह चुनाव लड़ती है, जहां भाजपा को किसी न किसी रूप में फायदा पहुंचाना होता है। पहले भी खबरें आई थीं कि ओवैसी को प्रत्याशियों की सूची भाजपा कार्यालय से मिलती है।

हो सकता है कि उनकी किसी के साथ कोई डील हो। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ पर कांग्रेस नेता ने कहा कि निश्चित रूप से भारत एक महान देश है, इसकी संस्कृति और लोग महान हैं। लेकिन ट्रंप ने पहले भारत का अपमान किया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। दिवंगत आईपीएस वाई पूरन कुमार के परिवारवालों से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की मुलाकात पर कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी पूरे देश में हर पीड़ित के साथ खड़े होते हैं।

ओमप्रकाश राजभर पर तंज कसते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि राजभर ने अपना राजनीतिक करियर एक जोकर की तरह बनाया है। वे मीडिया में सुर्खियां बटोरते हैं और फिर यू-टर्न ले लेते हैं।

भाजपा के हित में जो सूट करता है, वही करते हैं और डील करते हैं। दिल्ली दंगों के आरोप में जेल में बंद शरजील इमाम द्वारा बिहार चुनाव लड़ने की इच्छा पर उन्होंने कहा कि कानून में कई ऐसी चीजें हैं जो कुछ लोगों को लाभ और कुछ को नुकसान पहुंचाती हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य और असदुद्दीन ओवैसी मिलकर लड़ेंगे चुनाव

> दोनों की पार्टी का गठबंधन, कैसे बनी सहमति

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीति दल सत्ता में काबिज होने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इसी क्रम में सत्ताधारी दल एनडीए में सीट शेयरिंग का मामला फाइनल हो गया है। जबकि महागठबंधन में अभी भी सीट बंटवारे का पेंच फंसा हुआ है।

वहीं इस चुनावी दंगल में एक तीसरा मोर्चा भी ताल ठोकने जा रहा है। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के साथ मिलकर चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव अब जोर पकड़ चुका है। सभी राजनीतिक दलों की निगाहें बिहार चुनाव पर टिकी हुई है। एनडीए और महागठबंधन में सीटें ना मिलने के बाद अब राजनीतिक दल अकेले या फिर अलग मोर्चा बनाकर चुनाव में

उतरने जा रहे हैं। इसी क्रम में पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने बड़ा एलान कर दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी अपनी जनता पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (ऑल इंडिया म ज लि स - ए - इ त्ते हा दु ल मुस्लिमीन) के बीच गठबंधन हो गया है। यह दोनों दल साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाने के लिए एक साथ चुनाव लड़ेंगे। इन दोनों दलों के बीच गठबंधन होने के बाद अपनी जनता पार्टी के नेताओ का कहना है कि यह गठबंधन राज्य की राजनीति में नया समीकरण बना सकता है। एआईएमआईएम बिहार के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा कि बीजेपी की बी टीम कौन है, हमने 6 सीट मांगी थी हम चाहते थे कि वोट बिखरने ना पाए। लेकिन हमें मजबूर किया गया। तेजस्वी यादव को ऊपर से दबाव है कि आप विपक्ष में बने रहे। माइनॉरिटी के 18 फीसदी वोट इस तरह से नजरअंदाज करना, ये किस ओर इशारा करता है। एआईएमआईएम नेता ने कहा कि लालू प्रसाद यादव की पूरी राजनीति एमवाई पर चली है, लेकिन आज आपने एम को निकालकर फेंक दिया है। इसका मतलब है कि आपकी किसी और से बात चल रही है। वहीं बिहार में एआईएमआईएम द्वारा थर्ड फ्रंट बनाए जाने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि ये तो कोई असाधारण बात नहीं है।

खेल बिगड़ने के लिए जहां चुनाव होता है, वहां पहुंच जाती है ये पार्टी। ये धार्मिक तकरीर करते हैं, वोट का ध्रुवीकरण होता है। उसका फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिलता है। वहीं बहुजन समाज पार्टी बिहार चुनाव में भी एकला चलो के रास्ते पर हैं और अकेले दम पर ताल ठोकेगी।

सिरसागंज पुलिस और हिस्ट्रीशीटर बदमाशों के बीच मुठभेड़, तीन गिरफ्तार

फिरोजाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सिरसागंज क्षेत्र में सोमवार-मंगलवार की मध्य रात्रि पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर बदमाश मोहसिन और उसका साथी साहिल गोली लगने से घायल हो गया, जबकि तीसरे आरोपी कमल को पुलिस ने मौके से दबोच लिया। तीनों आरोपी हाथरस जिले के सादाबाद क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद बदमाशों के कब्जे से 5,400 रुपए नकद, 6 मोबाइल फोन, एक चोरी की मोटरसाइकिल, तीन तमंचे और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए हैं।

बताया जा रहा है कि यह तीनों आरोपी सिरसागंज में एक जन सेवा केंद्र से चोरी की वारदात को अंजाम देकर भाग रहे थे। इसी दौरान सोथरा रोड पर चेकिंग के दौरान पुलिस की इनसे मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में मोहसिन और साहिल को गोली लग गई। दोनों को इलाज के लिए तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तीसरे आरोपी कमल को पुलिस ने मौके से दबोच लिया। उसके पास से छह मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। तीनों बदमाशों के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और मोहसिन को इलाके का हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। एएसपी ग्रामीण अनुज चौधरी ने बताया, तीनों आरोपी पहले से वांछित थे। ये लोग सिरसागंज में जन सेवा केंद्र से चोरी की वारदात को अंजाम देकर भाग रहे थे। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए इन्हें पकड़ लिया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री को उतारा-बार के विधायक का टिकट काटा, पटना में बीजेपी ने किया बड़ा उलटफेर

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी इस बार बड़े प्रयोग के साथ आई है। एक बड़ा प्रयोग बेगूसराय में किया है और दूसरा पटना में। बेगूसराय में प्रयोग का विरोध केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह कर चुके हैं, जहां भाजपा ने अपने लिए सिर्फ दो सीटें रखीं और हजार से कम अंतर से हारी सीट भी सहयोगी चिराग पासवान को दे दी। इधर, पटना में एक सीट पर पूर्व केंद्रीय मंत्री को मौका दिया है। सात बार के विधायक और मौजूदा विधानसभा अध्यक्ष को बेटिकट कर दिया। जातीय जनगणना रिपोर्ट को देखकर कायस्थों को छांटने की आशंका भी यहां सही साबित की गई। इसके अलावा, बड़ी बात यह कि अपेक्षाकृत नए चेहरों को मौका दिया गया है।

दानापुर : रामकृपाल को मौका, रीत लाल से भिड़ेंगे

भारतीय जनता पार्टी ने पटना की दानापुर सीट पूर्व सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को दी है। यहां से पिछली बार राजद के रीत लाल यादव ने भाजपा प्रत्याशी आशा देवी को 15924 मतों से हराया था। रामकृपाल यादव ने राष्ट्रीय जनता दल के साथ कॅरियर की शुरुआत की थी। राजद में बिहार की राजनीति के बाद भाजपा से केंद्र तक का सफर तय किया। लोकसभा चुनाव 2024 में राजद प्रत्याशी और लालू प्रसाद यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती ने रामकृपाल यादव को पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र से हरा दिया था। हार के बावजूद रामकृपाल आदत के अनुसार लगातार क्षेत्र में मेलजोल कर रहे थे। अब उन्हें भाजपा ने दानापुर सीट से उतारा है।

पटना साहिब : सात बार के विधायक बेटिकट

भारतीय जनता पार्टी ने पटना साहिब सीट से विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव का टिकट काट दिया। लगातार सात बार विधायक रहे नंद किशोर यादव ने पिछली बार इस सीट पर कांग्रेस के प्रवीण सिंह कुशवाहा को 18300 मतों से हराया था। इस सीट पर भाजपा ने अधिवक्ता और अपने युवा पदाधिकारी रत्नेश कुमार कुशवाहा को उतारा है। रत्नेश भाजपा के प्रदेश सचिव हैं। बिहार भाजपा में लोकसभा प्रभारी रहे हैं। प्रदेश अनुशासन समिति के सदस्य और भाजपा जल प्रबंधन मंच के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के रूप में काम कर चुके हैं। वह पटना महानगर भाजपा के उपाध्यक्ष भी रहे हैं और कार्यसमिति सदस्य भी।

कुम्हरार : कायस्थ बहुल सीट से गुप्ता को मौका

भाजपा ने कुम्हरार सीट के विधायक अरुण कुमार सिन्हा को भी बेटिकट कर दिया। अरुण सिन्हा ने पिछली बार राजद के धर्मेंद्र कुमार को 26463 मतों से हराया था। बिहार की जातीय जनगणना में कायस्थों की संख्या बहुत कम दिखाए जाने के बाद से यह माना जा रहा था कि भाजपा यह सीट जरूर किसी दूसरे को दे देगी। इसपर कभी मंगल पांडेय का नाम भी चला, लेकिन अंतिम तौर पर सूची में नाम आया युवा और कम पहचाने गए चेहरे संजय गुप्ता का।

प्रेमिका की शादी से परेशान युवक ने टंकी से कूदकर दी जान

बुलंदशहर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बुलंदशहर में प्रेमिका की शादी से क्षुब्ध युवक ने पानी की टंकी से कूदकर आत्महत्या कर ली। युवक बचाने पहुंचे लोगों को धमकी दे रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। बुलंदशहर के अनूपशहर में प्रेम प्रसंग में निराशा के चलते एक युवक ने मंगलवार सुबह पानी की टंकी से कूदकर आत्महत्या कर ली। युवक ने घटनास्थल पर मौजूद अपनी मां और ग्रामीणों के सामने छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बताया गया कि युवक अपनी प्रेमिका की शादी कहीं और हो जाने से बेहद परेशान था। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एक करोड़ की शराब बरामद

दो तस्कर गिरफ्तार-चंडीगढ़ से जा रहे थे बिहार

आजमगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। आजमगढ़ पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने कंधरापुर थाना क्षेत्र के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बड़ी कामयाबी हासिल की है। टीम ने एक कंटेनर से 4781.8 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। साथ ही दो अंतर्राज्यीय तस्कर भीमा राम (25) और योगेश कुमार (24), निवासी बाड़मेर राजस्थान को गिरफ्तार किया गया।

क्या है पूरा मामला

एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में 13 अक्तूबर को यह कार्रवाई की गई। आबकारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार कन्नौजिया और एसटीएफ निरीक्षक अनिल कुमार सिंह की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि एक कंटेनर में बड़ी मात्रा में शराब बिहार भेजी जा रही है। टीम ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के 232 किमी टोल प्लाजा के पास वाहन को रोक लिया।

तलाशी में एक ही ब्रांड की शराब की 537 पेटियां मिलीं, जिनमें 2724 बोतलें 750 मि.ली., 4032 बोतलें 375 मि.ली. और 6816 बोतलें 180 मि.ली. शामिल थीं। जांच में खुलासा हुआ कि शराब की बोतलों पर लगे क्यूआर कोड और वाहन के चेसिस नंबर में फर्जीवाड़ा किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे आशु और राहुल नामक तस्करों के कहने पर चंडीगढ़ से बिहार शराब ले जा रहे थे। उनके पास से 4600 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और कंटेनर वाहन जब्त किया गया।

दिवाली पर सिर्फ दो घंटे ही फोड़ सकेंगे पटाखे

सरकार ने जारी की गाइडलाइन

अहमदाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात में दिवाली को लेकर राज्य सरकार की ओर से निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने कुछ गाइडलाइन जारी की हैं, जिनका पालन करना जरूरी होगा। अगर कोई इन गाइडलाइन का पालन नहीं करता है तो उन पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। राज्य सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक पटाखे फोड़ने का टाइम निर्धारित किया गया है। यानी पटाखे फोड़ने के लिए समय तय किया गया है।

अब रात के 8 बजे से 10 बजे तक ही लोग पटाखे फोड़ सकेंगे। इसके साथ ही जो पटाखे ज्यादा शोर मचाते हैं। उन पर बैन लगा दिया गया है। राज्य सरकार की ओर कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए। सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी किए गए दिशा-निर्देशों के मुताबिक इस साल पटाखे फोड़ने के लिए एक समयसीमा तय की गई है। इसके साथ ही वॉर्निंग दी गई है कि इन निर्देशों का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट की गाइडनलाइन के मुताबिक राज्य में बम, रॉकेट और ऐसे पटाखे जो तेज आवाज करते हैं, जिस वजह से ध्वनि प्रदूषण में इजाफा होता है। ऐसे पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिर्फ ग्रीन पटाखों को फोड़ने की ही इजाजत दी गई है और उनके लिए भी समय तय की गई है। ऐसे पटाखे ही फोड़ने की इजाजत है, जिनसे प्रदूषण कम होता है।

भारत ने यूएन में कर दी धुलाई

आतंकवाद और बच्चों के शोषण पर पाकिस्तान को घेरा; ऑपरेशन सिंदूर का भी किया जिक्र

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। बाल अधिकारों के गंभीर उल्लंघन और सीमा पार आतंकवाद पर भारत ने पाकिस्तान को धो डाला है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने यूएनजीए के 80वें सत्र में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। दुबे ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भारत की आतंकवाद विरोधी कार्रवाई को नागरिकों, खासकर बच्चों की सुरक्षा के लिए वैध और जरूरी प्रतिक्रिया बताया।

निशिकांत दुबे ने क्या कहा?

निशिकांत दुबे ने कहा कि पाकिस्तान, बाल और सशस्त्र संघर्ष (सीएसी) एजेंडे के सबसे गंभीर उल्लंघनकर्ताओं में से एक है। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद, गोलाबारी और हवाई हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर किया, जिसकी वजह से अफगान बच्चों की हत्या और अपंगता हुई है। इसके लिए उन्होंने सीएसी पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की 2025 की रिपोर्ट का हवाला दिया। बीजेपी सांसद ने कहा, हम अपनी सीमाओं के भीतर बच्चों के खिलाफ हो रहे गंभीर दुर्व्यवहारों से दुनिया का ध्यान हटाने की कोशिश के लिए पाकिस्तान की कड़ी निंदा करते हैं, ये बात महासचिव की सीएसी 2025 पर रिपोर्ट और साथ ही जारी सीमा पार आतंकवाद से साफ है।

ऑपरेशन सिंदूर का किया जिक्र

निशिकांत दुबे ने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तानी आतंकियों के क्रूर हमलों को नहीं भूला है। इस हमले के बाद भारत ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों स्ट्राइक की गई। बीजेपी सांसद ने कहा कि भारत ने संयमित प्रतिक्रिया देते हुए आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने के लिए अपने वैध अधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जानबूझकर हमारे सीमावर्ती गांवों को निशाना बनाया, जिसमें बच्चों समेत कई नागरिकों की जान गई। उन्होंने कहा कि इस तरह के कृत्यों में शामिल होने के बाद भी पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलना पाखंड है।

खुद को आईने में देखे पाकिस्तान

बीजेपी सांसद ने कहा कि पाकिस्तान को खुद को आईने में देखने की जरूरत है और इस मंच पर उपदेश देना बंद करे। उसे अपनी सीमाओं के भीतर बच्चों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए और महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाना बंद करना चाहिए।

नेहरू के नाम पर नया विवाद

वरली मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने पर सियासत तेज

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अब नए प्रकार की सियासत शुरू हो गई है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर राजनीति ने जोर पकड़ लिया है। दरअसल, मुंबई के मेट्रो-3 के वरळी मेट्रो स्टेशन से 'नेहरू' नाम हटाने पर विवाद खड़ा हो गया है, जिसको लेकर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। वरळी मेट्रो स्टेशन से 'नेहरू' नाम हटाए जाने को लेकर अब नया विवाद खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस ने बीजेपी सरकार पर तीखा हमला किया। कांग्रेस की ओर से कहा जा रहा है कि यह कदम पंडित जवाहरलाल नेहरू की स्मृति का अपमान है।

बीजेपी ने जानबूझकर नेहरू जी को अपमानित किया है। कांग्रेस का कहना है कि वरळी क्षेत्र का यह इलाका वर्षों से 'नेहरू साइंस सेंटर' के नाम से ही जाना जाता है। यहां तक कि मुंबई मेट्रो-3 के आधिकारिक एक्स पोस्ट में भी 'डिस्कवरी हब्स' की लिस्ट में इस जगह का नाम 'नेहरू साइंस सेंटर' ही दर्ज किया गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बीजेपी को 'नेहरू' नाम से एलर्जी है। इसी वजह से जानबूझकर मेट्रो स्टेशन से यह नाम हटाकर केवल 'साइंस सेंटर' रखा गया है।

कांग्रेस का यह भी कहना है कि यह कदम अत्यंत आपत्तिजनक है और यह देश के पहले प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' पंडित जवाहरलाल नेहरू की स्मृति का बड़ा अपमान है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर मेट्रो स्टेशन का नाम 'नेहरू साइंस सेंटर' स्टेशन नहीं किया गया तो कांग्रेस आंदोलन छेड़ेगी। वहीं, सरकार का कहना है कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने जब मेट्रो का प्रस्ताव लाया और उसकी नींव रखी गई, तभी से 'साइंस सेंटर' नाम प्रस्तावित था। इसलिए इसमें कोई राजनीति ना करे।

सीजेआई भूषण गवई के नाम पर 'डिजिटल अरेस्ट' ठगी

नासिक में बुजुर्गों से करोड़ों ऐंठे

नासिक, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक से एक चौंकाने वाला साइबर फ्रॉड सामने आया है, जहां ठगों ने लोगों को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भूषण गवई के कोर्ट में पेशी का डर दिखाकर करोड़ों रुपये ठग लिए। पुलिस ने इसे 'डिजिटल अरेस्ट' ठगी का नया रूप बताया है, जिसमें अपराधी सुप्रीम कोर्ट, सीबीआई और एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर लोगों को डराते हैं। नासिक पुलिस के मुताबिक, शहर में ऐसे दो बड़े मामले दर्ज हुए हैं। पहला मामला गंगापुर रोड इलाके का है, जहां 74 वर्षीय अनिल लालसरे को ठगों ने फोन कर कहा कि उनके आधार कार्ड से एक फर्जी क्रेडिट कार्ड जारी हुआ है, जिसके जरिए मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। उन्हें बताया गया कि उनका 'डिजिटल अरेस्ट' हो चुका है और उन्हें सीजेआई भूषण गवई के कोर्ट में पेश किया गया है, जहां उन पर 72 लाख का जुर्माना लगा है। अगर उन्होंने तुरंत यह रकम नहीं भरी, तो सीबीआई की टीम उन्हें दिल्ली ले जाएगी।

डरे-सहमे लालसरे ने ठगों के बताए बैंक खातों में आरटीजीएस के जरिए 72 लाख ट्रांसफर कर दिए। यह ठगी करीब एक महीने बाद तब सामने आई जब उनके परिजनों ने हालचाल लेने के लिए उनसे मुलाकात की। दूसरा मामला और भी बड़ा है। एक बुजुर्ग महिला से 6 करोड़ रुपये की ठगी की गई। ठगों ने उन्हें सिम कार्ड और सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी और कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट में पेश किया जा रहा है। महिला ने डर के मारे कई खातों में रकम ट्रांसफर कर दी। दोनों मामलों में एक जैसी स्क्रिप्ट थी आपको कोर्ट में पेश किया जा रहा है, सीजेआई खुद केस देख रहे हैं, और जुर्माना न देने पर गिरफ्तारी होगी। नासिक साइबर पुलिस ने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शुरुआती जांच में संदेह जताया गया है कि ठगों ने एआई आवाज़ और वीडियो कॉलिंग ऐप्स का इस्तेमाल किया। अधिकारियों का कहना है कि यह नया 'एआई-सक्षम ठगी नेटवर्क' हो सकता है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट और सरकारी एजेंसियों के नाम का दुरुपयोग किया जा रहा है। पुलिस अब पैसों के ट्रांजैक्शन और डिजिटल ट्रेस की मदद से ठगों का पता लगा रही है।

मुंबई वालों के लिए राजस्व विभाग का बड़ा तोहफा

अब किसी भी स्टांप ऑफिस में हो जाएगा यह काम

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। वासियों के लिए राजस्व विभाग की ओर से बड़ा दिवाली उपहार दिया गया है। दरअसल, महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब मुंबई के किसी भी स्टांप कार्यालय में दस्तावेज़ पंजीकृत कराए जा सकते हैं। इसके लिए क्षेत्र सीमा की शर्त को समाप्त कर दिया गया है। मुंबई शहर और उपनगरों के नागरिक, व्यवसायी और कंपनी मालिक अपने क्षेत्र सहित मुंबई के छह स्टांप कार्यालयों में से किसी में भी दस्तावेज़ (दस्तावेज़ अधिनिर्णय) पंजीकृत करा सकेंगे।

निवासी या व्यावसायिक प्रतिष्ठान जिस क्षेत्र में स्थित हैं, उसी क्षेत्र के स्टाम्प कार्यालय में पंजीकरण कराने की शर्त हटा दी गई है। अब, मुंबई शहर और उपनगरों के नागरिक संपत्ति अनुबंध, किराया अनुबंध, उत्तराधिकार अधिकार और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों के दस्तावेज पंजीकरण की प्रक्रिया किसी भी स्टांप कार्यालय, बोरीवली, कुर्ला, अंधेरी, मुंबई शहर और स्टांप कलेक्टर के 6 कार्यालयों (कार्यान्वयन एक और दो) में पुराने कस्टम हाउस के पास स्थित प्रधान स्टांप कार्यालय में पूरी कर सकते हैं। इस सुधार से मुंबईवासियों का समय और परेशानी बचेगी।

निर्णय लेने की प्रक्रिया और कार्यालयीन कार्य तेज़ होंगे। इस संबंध में देवेंद्र फडणवीस सरकार ने सरकारी राजपत्र जारी कर दिया है। आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, राजस्व विभाग का यह कदम मुंबईवासियों के लिए दिवाली के मौके पर एक बड़ा तोहफा है। विभाग ने कहा कि यह सुधार प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लूट मामले में पुलिस कर्मियों पर गिरी गाज, 5 आरोपी काबू

सीएम मोहन यादव ने दिखाई सख्ती

भोपाल, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिवनी लूट मामले में मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने कड़ा रुख अपनाया है। इस कांड को लेकर पूरे मध्यप्रदेश में बवाल मचा हुआ था। मुख्यमंत्री यादव ने दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद सिवनी एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने 5 आरोपियों को हिरासत में भी ले लिया है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि सिवनी प्रकरण में जो भी दोषी पाए गए हैं, उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ कानूनी कार्रवाई भी होगी। प्रदेश में कानून सबके लिए बराबर है। कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई भी हो।

राज्य सरकार प्रदेश में सुशासन स्थापित करने सतत रूप से कार्य कर रही हैं, इस दिशा में किसी का हस्तक्षेप सहन नहीं होगा। सीएम डॉ। यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखना, अपराध मुक्त वातावरण बनाना और नागरिकों की सुरक्षा पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों का मुख्य दायित्व है। अपने कर्तव्यों से हटकर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को राज्य सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

आरोपी पुलिस की हिरासत में

गौरतलब है कि इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 310(2) डकैती, 126(2) गलत तरीके से रोकना, 140(3) अपहरण और 61(2) आपराधिक षडयंत्र के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने एसडीओपी पूजा पांडे, एसआई अर्पित भैरम, कॉन्सटेबल योगेंद्र, कॉन्सटेबल नीरज और कॉन्सटेबल जगदीश को हिरासत में ले लिया है। इनके अलावा जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है उनमें प्रधान आरक्षक माखन, प्रधान आरक्षक राजेश जंघेला, आरक्षक रविंद्र उईके, आरक्षक चालक रितेश, गनमैन केदार और गनमैन सदाफल शामिल हैं।

खेल रहा था 3 साल का बच्चा, आवारा कुत्ते ने नोंच डाला चेहरा

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में खारघर प्रभाग के अंतर्गत आने वाले तलोजा गांव में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या अब मासूम बच्चों की जान के लिए खतरा बनती जा रही है। मन्नत आली इलाके में खेल रहे तीन साल के मुस्तफा अली पर आवारा कुत्तों ने अचानक हमला कर दिया और उसका चेहरा बुरी तरह नोच डाला। इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है। इस घटना से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है। हमले में मुस्तफा के होंठ और नाक पर गंभीर चोटें आईं। बच्चे की चीखें सुनकर परिजनों ने दौड़ लगाई और किसी तरह उसे कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया। इस दौरान आवारा कुत्तों के हमले का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे अवारा कुत्ते बच्चे को नोंच रहे हैं

जबलपुर के साथ दूसरे दर्जे का व्यवहार

हाई कोर्ट ने लगाई सरकार को फटकार, फ्लाइट्स नहीं बढ़ीं तो देंगे न्यायिक आदेश

जबलपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की हाई कोर्ट ने जबलपुर से हवाई उड़ानों की संख्या लगातार घट रही है। इसके बाद हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिसस विनय सराफ की बेंच ने नाराजगी जताते हुए कहा कि भोपाल-इंदौर की फ्लाइट को जबलपुर से भी जोड़ा जाए। कोर्ट ने इस पर न्यायिक आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि जबलपुर को राज्य की मुख्य न्यायिक पीठ है, जबकि भोपाल मुख्य प्रशासनिक पीठ है। ऐसे में जबलपुर के साथ दूसरे दर्जे का व्यवहार नहीं होना चाहिए। दरअसल, जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट के विस्तारीकरण में करीब 500 करोड़ खर्च किए गए। इसके बाद भी लगातार एयर कनेक्टिविटी घट रही है। यहां सिर्फ 9 उड़ानें चल रही हैं, जबकि भोपाल से 40, इंदौर से 80 और ग्वालियर से 25 फ्लाइट्स प्रतिदिन संचालित हो रही है।

यह मामला नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच और लॉ स्टूडेंट पार्थ श्रीवास्तव की तरफ से दायर जनहित याचिका में सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिकाकर्ता ने जबलपुर से एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया था कि जबलपुर में अन्य शहरों की तुलना में कम फ्लाइट होने को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा कि पहले जबलपुर से मुंबई, पुणे, कोलकाता और बेंगलुरू के लिए उड़ानें थीं, लेकिन अब संख्या घट गई है। याचिकाकर्ता की तरफ से सीनियर वकील आदित्य सांघी ने कोर्ट को बताया कि साल 2011 में जबलपुर के हवाई अड्डे के विस्तार और रात में लैंडिंग की सुविधा का वादा किया था। हवाई अड्डे का चार साल पहले विस्तार हुआ था। इसके पहले यह हवाई अड्डा ग्रीनफ़ील्ड में आता था। विस्तार के बाद ब्राउनफ़ील्ड में आ गया और सिर्फ पांच फ्लाइट संचालित हो रही है।

रीवा को ग्रीन फील्ड में रखा गया है और जबलपुर से अधिक रीवा से फ्लाइट संचालित हो रही है। दिल्ली के लिए प्रारंभ होने वाली नयी फ्लाइट व पुरानी फ्लाइट के समय में सिर्फ आधे घंटे का समय है। युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई के दौरान नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सरकार से पूछा कि जबलपुर को सेकेंड हैंड ट्रीटमेंट आखिर क्यों दे रहे हो। क्या ये इसलिए है कि यह प्रशासनिक मुख्यालय नहीं हैं। उन्होंने याचिका पर कहा कि सिर्फ टूरिज्म की दृष्टि से विमानन कंपनी फ्लाइट संचालन का समय निर्धारित कर रही है। प्रोफेशनल लोगों की सुविधा से फ्लाइट का समय निर्धारित नहीं किया जा रहा है।

कोर्ट ने कहा कि जब फ्लाइट संचालित नहीं करनी थी तो एयरपोर्ट विस्तार के लिए राशि व्यय करने का कोई औचित्य नहीं था। युगलपीठ ने अस्सिटेंट सॉलिसिटर जनरल को निर्देशित किया है कि अगली सुनवाई के पूर्व संबंधित विभागीय अधिकारी और याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं के साथ संयुक्त बैठक करते हुए निर्णय लें और न्यायालय को अवगत करवाये। याचिका पर अगली सुनवाई 6 नवम्बर को निर्धारित की गयी है।

बीजेपी एमएलए को लड़की बनकर किया फोन, मांगे 10 लाख रुपये, अब हुआ चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। एक बीजेपी विधायक ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई कि एक महिला उन्हें धमकी देकर पैसे की डिमांड कर रही है और पैसा नहीं देने पर चैट और वीडियो को लीक करने की धमकी दी।

शिकायत मिलने के बाद जब पुलिस ने जांच शुरू की तो चौंकाने वाली खबर सामने आई। पुलिस ने एक 26 साल के लड़के को गिरफ्तार किया है। चांदगढ़ से 55 साल के बीजेपी विधायक शिवाजी पाटिल ने 9 अक्टूबर को ठाणे में चितलसर पुलिस को एक शिकायत दी, जिसमें उन्होंने कहा कि एक अज्ञात महिला उन्हें 5-10 लाख रुपये का भुगतान न करने पर अश्लील चैट और वीडियो लीक करने की धमकी दे रही है। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि इसमें एक लड़का शामिल है। पुलिस जांच में सामने आया कि बीजेपी विधायक को कॉल करके पैसे मांगने वाली कोई लड़की नहीं थी बल्कि वह एक लड़का था। वह लड़का होने के बावजूद लड़कियों जैसी आवाज निकालने में माहिर था। इसी के जरिए वह लड़की बनकर बीजेपी विधायक को फोन करता था और पैसे मांगता था। बीजेपी विधायक की शिकायत पर पुलिस कॉल रिकॉर्ड और बैंक की डिटेल्स की जांच शुरू की तो पता चला कि कॉल करने वाला एक लड़का है और वह कोल्हापुर का रहने वाला है। लड़के की उम्र 26 साल बताई जा रही है । आरोपी का नाम मोहन ज्योतिबा पवार बताया जा रहा है, जो एक किसान परिवार से है लेकिन वह बेरोजगार है। उसकी बीएससी की पढ़ाई हाल ही में पूरी हुई थी। पुलिस ने जांच के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर बताया कि आरोपी युवक एक बार नौकरी की तलाश में बीजेपी विधायक पाटिल के ऑफिस गया था लेकिन उसे कोई मदद नहीं मिली और वापस भेज दिया गया।

अब जंगल में टूरिस्टों को नहीं दिखेगा 'बिट्टू'

ट्रेन से कटकर बाघ की मौत

चंद्रपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में बल्लारशाह-गोंदिया रेल मार्ग पर ट्रेन की टक्कर में नर बाघ (टी-40) की मौके पर मौत हो गई।

बाघ का नाम 'बिट्टू' था। यह घटना बीती रात को सिंदेवाही वनपरिक्षेत्र अंतर्गत हुई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मृत टाइगर का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए चंद्रपुर भेज दिया। इस रेल मार्ग पर प्रतिवर्ष दर्जनों जानवरों की मौत हो जाती है, जिससे यह उनके लिए काल बनता जा रहा। जानकारी के अनुसार, रात गोंदिया से बल्लारशाह जा रही ट्रेन संख्या 68804 की चपेट में आने से 14 वर्ष की आयु के नर टाइगर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ये नर बाघ जय का बच्चा 'बिट्टू' था। इस बाघ की एक झलक पाने के लिए पर्यटक घंटों तक एक ही जगह पर अपना समय बिता देते थे। 'बिट्टू' नामक यह बाघ पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र था। यह घटना सिंदेवाही वनपरिक्षेत्र के नियत क्षेत्र कालगाय के रेल मार्ग पर घटी।

आज सुबह सूचना मिलने पर ब्रम्हपुरी डीसीएफ कुमार स्वामी, एसीएफ महेश गायकवाड के मार्गदर्शन में सिंदेवाही के पशु चिकित्सक डॉ। विनोद सुरपाम ने बाघ का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए चंद्रपुर भेज दिया। मौके पर सिंदेवाही वनपरिक्षेत्र की अधिकारी अंजली सांयकार, क्षेत्र सहायक नितीन गडपायले, एनटीसीए प्रतिनिधि बंडू धोत्रे, एनटीसीए प्रतिनिधि मुकेश भांदककर, स्वॉब संस्था अध्यक्ष यश कायरकर आदि उपस्थित थे।

अब तक ट्रेन की टक्कर से 18 बाघों की मौत

टीटीसी चंद्रपुर में बाघ 'बिट्टू' का पोस्टमार्टम किया गया और फिर मृत बाघ का अंतिम संस्कार किया गया। गोंदिया-बल्लारशाह रेल मार्ग घने जंगलों से गुजरता है। इस रेल मार्ग पर न ही कहीं अंडरपास है और न ही ओवरपास। इसकी वजह से प्रतिवर्ष यह रेल मार्ग अनेक जानवरों के काल का कारण बन गया है। अनेकों बार पर्यावरण प्रेमी रेल मार्ग पर अंडरपास की मांग कर चुके हैं, लेकिन आज तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसकी वजह से जानवरों की जान जाने का सिलसिला जारी। अब तक ट्रेन की टक्कर से इस मार्ग पर 18 बाघों की मौत हो चुकी है।

'कामवाली बाई' की सैलरी ने उड़ाए सबके होश

रूसी महिला के वीडियो ने मचाया हंगामा, महीने का खर्च 3 लाख सुन बौखला उठे लोग

बेंगलुरु, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु की महंगाई से जुड़े एक वीडियो ने इंटरनेट पर भूचाल ला दिया है। यूलिया असलमोवा नाम की एक रूसी महिला ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने महीने के खर्चों की एक लिस्ट शेयर की है, जिसे देखकर सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया है। यह रूसी महिला पिछले 11 सालों से भारत के इस टेक हब में रह रही हैं, और उनके खर्चों का ब्यौरा सुनकर हर किसी ने अपना माथा पकड़ लिया है। यूलिया के अनुसार, बेंगलुरु में उनके 3 सदस्यीय परिवार का महीने का खर्च लगभग 3 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि उनके घर का किराया 1.25 लाख रुपये है। इसके अलावा वह खाने-पीने और घरेलू चीजों पर 75,000 रुपये खर्च करती हैं। स्कूल फीस के लिए 30,000 रुपये और हेल्थ-फिटनेस पर भी 30,000 रुपये खर्च होते हैं। इसके अलावा पेट्रोल पर भी 5,000 रुपये उनके महीने का खर्च है।

कामवाली बाई की सैलरी पर बवाल!

लेकिन लोगों के होश तब उड़ गए, जब यूलिया ने वीडियो में बताया कि वह अपनी कामवाली बाई को 45,000 रुपये महीना देती हैं। खबर लिखे जाने तक इस वीडियो पर 3 लाख से ज्यादा व्यूज आ चुके हैं और कमेंट्स की मानो बाढ़-सी आ गई है। एक यूजर ने मजाकिया लहजे में सवाल किया, आप ताज होटल में रहती हैं क्या? दूसरे ने पूछा, रेंट पर सवा लाख। मैडम ये टाइपो तो नहीं। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, ये मोहतरमा मेरी साल भर की तनख्वाह एक महीने में यूं ही उड़ा रही है। एक और यूजर ने लिखा, कामवाली बाई को 45 हजार। इतनी तो पढ़े-लिखे लोगों की सैलरी नहीं होती।

महंगाई पर रूसी महिला ने दी ये राय

रूसी महिला ने अपने वीडियो में यह भी बताया कि जब वह 11 साल पहले बेंगलुरु आई थीं, तब हालात काफी सस्ते थे। उस समय एचएसआर लेआउट में 2बीएचके फ्लैट 25,000 के रेंट पर मिल जाता था। लेकिन आज के समय में एक तीन मेंबर वाली फैमिली को आराम से रहने के लिए कम से कम ढाई लाख की जरूरत पड़ती है। हालांकि, कई सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि यूलिया की लाइफस्टाइल अलग है, इसलिए उनके खर्चे भी ज्यादा हैं। लेकिन कामवाली बाई को 45 हजार देने की बात ने लोगों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 15 अक्टूबर- 2025

कैसे खत्म होगी वेटिंग लिस्ट ?

त्योहारी सीजन में ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होता जा रहा है। इससे बचने के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाकर राहत देने को कोशिश निरंतर जारी है। होली- दिवाली हो या फिर छठ। त्योहारों से पहले ही रिजर्व टिकटों की इतनी मारामारी होती है कि बुकिंग खुलते ही ट्रेनें फुल हो जाती हैं। यह सिलसिला त्योहारों पर ही नहीं, पूरे साल चलता रहता है। इसके बावजूद रेलवे रोजाना लगभग दो करोड़ लोगों को उनके डेस्टिनेशन पर पहुंचाता है। हाल ही में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिवाली व छठ के इस सीजन में 12 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा कर राहत देने की बात की है। इन ट्रेनों से तीन करोड़ यात्री सफर कर सकेंगे। देखा जाए तो यह बहुत अच्छा प्रयास है, लेकिन यात्रा तो तब सुकूनदायक होगी जब कन्फर्म टिकट बगैर किसी मारामारी के ही मिल जाए। आंकडों पर नजर दौडाएं तो 2022-23 में ही एक करोड़ 76 लाख वेटिंग लिस्ट के टिकट कन्फर्म नहीं हुए थे। लंबी वेटिंग लिस्ट की दो बड़ी वजहें हैं। पहली, ट्रैक की क्षमता और दूसरी, कोच व लोकोमोटिव की संख्या। रेलवे ट्रैक का विस्तार भी किया जा रहा है। ट्रेन कोच व लोकोमोटिव की उत्पादन क्षमता भी बढ़ाने के लिए काम प्रगति पर है। लेकिन इसमें इंतजाम होते तक काफी वक्त लग सकता है। इसलिए वैकल्पिक तरीके खोजने का प्रयास होना चाहिए। मोदी 1.0 में रेलमंत्री रहे सुरेश प्रभु ने स्टेशन पहुंचने पर कन्फर्म टिकट मिलने की उम्मीद जताई थी। उसका आधार ये था कि जब डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर तैयार हो जाएगा तो मालगाड़ियों को उस पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। उससे ट्रैक पर अधिक यात्री ट्रेनें चल सकेंगी। दूसरी उम्मीद ऑटोमैटिक सिग्नल सिस्टम से थी, जिससे ट्रैक की क्षमता बढ़ जाती। इसमें से काफी काम तो हुआ भी है, लेकिन अपेक्षित लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सका है।बता दें कि रेलवे यात्री ट्रेनों के किराये पर भारी सब्सिडी देता है। इसकी भरपाई के लिए मालढुलाई भी जरूरी है। अगर वह सभी मालगाड़ियों को फ्रेट कॉरिडोर पर शिफ्ट कर देगा तो बड़ी आमदनी हाथ से निकल जाएगी। फिर तो यात्रियों को सब्सिडी देने में सौ बार सोचना होगा। दूसरी ओर ट्रैक के विस्तार पर भी भारी-भरकम रकम खर्च होती है। खर्च के अनुपात में रिटर्न कम मिलता है। ऐसे में रेलवे को बैलेंस बनाकर ही चलना पडेगा, ताकि यात्रियों की जेब पर अधिक बोझ न बढ़े। पश्चिमी देशों में रेलवे समेत लगभग सभी पब्लिक ट्रांसपोर्ट घाटे में चलता है। भारत में भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है कि वह रेलवे को कितनी सब्सिडी दे कि वह नेटवर्क का विस्तार भी करे और जायज किराये पर पैसेंजरों को सर्विस भी दे। इसके लिए सिर्फ एक तरीका सुझाई देता है कि प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी बढ़ा दी जाए। लेकिन यह उतना आसान नहीं है, जितना सोचा जाता है। वजह साफ है कि इस नीति का विरोध भी हो सकता है। हालांकि रेलवे ने अपने ही पीएसयू आईआरसीटीसी है, जिसके जरिए कुछ ट्रेनें चलाने का प्रयोग किया गया है। लेकिन ट्रेनों की संख्या बढ़े और लोगों को टिकट आसानी से मिले, इसके लिए व्यापक योजना पर काम करना ही पड़ेगा।

इसराइल-हमास संघर्षः शांति कूटनीति और डोनाल्ड ट्रंप

संजीव ठाकुर

लगभग 2 वर्षों के बाद गाजा पट्टी में इसराइल हमास युद्ध अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्तता से थम गया है। इस समझौते में इसराइल के हमास द्वारा बनाए गए इसराइल नागरिक शेष 20 बंधक इसराइल को सौंपे दिए गए बदले में 1900 से ज्यादा बंधकों और फिलिस्तिन कैदियों को रिहा किया गया। इस युद्ध में अरबों रूपयों का आर्थिक नुकसान हुआ और गाजा पट्टी फिलिस्तिन से एक लाख से ज्यादा नागरिक विस्थापित हुए हैं, और मारे गए इजराइल फिलिस्तिन नागरिकों की संख्या बहुत बड़ी है जिसकी सच्चाई का आकलन अभी तक नहीं किया जा पाया है। यह युद्ध विराम मानवता के लिए एक बड़ी राहत संधि मानी जा रही है। इसके बदले डोनाल्ड ट्रंप को इसराइल का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भी दिया गया है। डोनाल्ड ट्रंप के ताज में शांति समझौते का एक और नया हीरा जुड़ गया है। डोनाल्ड ट्रंप की नोबेल पुरस्कार प्राप्ति की आकांक्षा 2026 के लिए फिर शुरू हो गई वे अभी भी नोबेल पुरस्कार की दौड़ में बड़े आकांक्षी हैं। इसराइल-हमास-गाज़ा पट्टी का संघर्ष दशकों से मध्य-पूर्व की राजनीति का सबसे गंभीर अध्याय रहा है। 1948 में इसराइल के गठन के साथ ही अरब-फ़िलिस्तीनी विवाद आरंभ हुआ और 1967 के युद्ध के बाद गाज़ा इसराइली नियंत्रण में आया। 2007 में हमास द्वारा गाज़ा पर नियंत्रण और इसराइल की नाकेबंदी ने तनाव को और गहरा किया। सितंबर 2023 में हमास ने अचानक इसराइल पर हमला कर लगभग 251 नागरिकों को बंधक बना लिया। इस हमले ने न केवल मध्य-पूर्व बल्कि विश्व-राजनीति को भी हिला दिया। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्होंने पहले "अब्राहम समझौते" के माध्यम से अरब-इसराइल संबंधों में शांति का द्वार खोला था, ने इस संकट को अपनी नोबेल शांति पुरस्कार की आकांक्षा से जोड़ते हुए सक्रिय मध्यस्थता की। ट्रंप ने कतर, मिस्र, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय साझेदारों के साथ मिलकर एक बहुपक्षीय शांति प्रारूप तैयार किया। उन्होंने इसे "ह्यूमैनिटी फर्स्ट इनिशिएटिव" नाम दिया और कहा कि "यदि यह समझौता सफल होता है तो मैं नहीं, बल्कि शांति खुद नोबेल की हक़दार होगी।" जनवरी 2025 में उनके नेतृत्व में हुए समझौते में 33 इज़रायली बंधकों की रिहाई हुई, जिनमें 25 जीवित और 8 मृत घोषित हुए। इसके बदले इसराइल ने लगभग 1,700 फ़िलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा। यह "गाज़ा शांति चरण-1 समझौता" कहलाया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में शेष 20 जीवित बंधक भी छोड़े गए, जिनकी वापसी को अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने ऐतिहासिक राहत माना। इस रिहाई और युद्धविराम की प्रक्रिया में अमेरिका और कतर के साथ भारत की भूमिका विशेष रूप से रेखांकित रही। भारत ने गाज़ा में मानवीय सहायता, चिकित्सा उपकरण, खाद्य सामग्री और राहत दल भेजे। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दोनों पक्षों से संयम बरतने और आतंकवाद से मुक्त स्थायी शांति की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि "भारत आतंकवाद के ख़िलाफ़ है और निर्दोष जीवन की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगा।" भारत की यह संतुलित नीति — जहाँ एक ओर इसराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया गया, वहीं फ़िलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा पर भी ज़ोर दिया गया,उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ छवि प्रदान करती है। दूसरी ओर, नाटो देशों की प्रतिक्रिया आरंभ में इज़राइल-समर्थक रही। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और कनाडा ने हमास के हमले को "आतंकी कार्रवाई" बताया और इज़राइल को सैन्य, तकनीकी और ख़ुफ़िया सहायता दी।

सादगी, सौम्यता और समर्पण की प्रतिमूर्ति थे डा. कलाम

योगेश कुमार गोयल

देश के महान वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद् डा. एपीजे अब्दुल कलाम सच्चे अर्थों में ऐसे महानायक थे, जिन्होंने अपना बचपन अभावों में बीतने के बाद भी अपना पूरा जीवन देश और मानवता की सेवा में व्यतीत कर दिया। छात्रों और युवा पीढ़ी को दिए गए उनके प्रेरक संदेश तथा उनके स्वयं के जीवन की कहानी देश की आने वाले कई पीढ़ियों को भी सदैव प्रेरित करने का कार्य करती रहेगी। न केवल भारत के लोग बल्कि पूरी दुनिया मिसाइलमैन डा. कलाम की सादगी, धर्मनिरपेक्षता, आदर्शों, शांत व्यक्तित्व और छात्रों व युवाओं के प्रति उनके लगाव की कायल थी। डा. कलाम देश को वर्ष 2020 तक आर्थिक शक्ति बनते देखना चाहते थे। पढ़ाई-लिखाई को तरक्की का साधन बताने वाले डा. कलाम का मानना था कि केवल शिक्षा के द्वारा ही हम अपने जीवन से निर्धनता, निरक्षरता और कुपोषण जैसी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। उनके ऐसे ही महान विचारों ने देश-विदेश के करोड़ों लोगों को प्रेरित करने और देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनका ज्ञान और व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें दुनियाभर के 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि प्रदान की।

तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे डा. कलाम छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए अक्सर कहा करते थे कि छात्रों के जीवन का एक तय उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वे हरसंभव स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करें। छात्रों की तरक्की के लिए उनके द्वारा जीवनपर्यन्त किए गए महान् कार्यों को देखते हुए ही सन् 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनका 79वां जन्म दिवस 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से डा. कलाम के जन्मदिवस 15 अक्तूबर को ही प्रतिवर्ष 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। समय-समय पर युवाओं को दिए गए उनके प्रेरक संदेशों की बात करें तो वे कहा करते थे कि यदि आप सूर्य की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलना सीखो। वे कहते थे कि यदि आप फेल होते हैं तो निराश मत होइए क्योंकि फेल होने का अर्थ है 'फर्स्ट अटैंप्ट इन लर्निंग' और यदि आपमें सफल होने का मजबूत संकलप है तो असफलता आप पर हावी नहीं हो सकती। इसलिए सफलता और परिश्रम का मार्ग अपनाओ, जो सफलता का एकमात्र रास्ता है।

डा. कलाम कहते थे कि आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते लेकिन अपनी आदतें बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देंगी। वे हमेशा कहा करते थे कि महान सपने देखने वाले महान लोगों के सपने हमेशा पूरे होते हैं। उनका कहना था कि इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए कठिनाईयां बहुत जरूरी हैं। सपने देखना जरूरी है लेकिन केवल सपने देखकर ही उसे हासिल नहीं किया जा सकता बल्कि सबसे जरूरी है कि जिंदगी में स्वयं के लिए कोई लक्ष्य तय करें। कलाम साहब कहते थे कि इस देश के सबसे तेज दिमाग स्कूलों की आखिरी बेंचों पर मिलते हैं। हम सबके पास एक जैसी प्रतिभा नहीं है लेकिन अपनी प्रतिभाओं को विकसित करने के अवसर सभी के पास समान हैं। सादगी की प्रतिमूर्ति डा. कलाम का व्यक्तित्व कितना विराट था, इसे परिभाषित करते कई किस्से भी सुनने को मिलते हैं। ऐसी ही एक घटना उन दिनों की है, जब डीआरडीओ में 'अग्नि' मिसाइल पर काम चल रहा था और काम के दवाब के चलते उस प्रोजेक्ट से जुड़े हर व्यक्ति को अपने परिवार के साथ बिताने के लिए भी पर्याप्त समय नहीं मिलता था। उसी दौरान इसी प्रोजेक्ट से जुड़े डीआरडीओ में कार्यरत डा. कलाम के एक जूनियर वैज्ञानिक ने अपने बच्चों को एक प्रदर्शनी दिखाने ले जाने के लिए उनसे जल्दी घर जाने के लिए छुट्टी मांगी। डा. कलाम ने उसे इसकी अनुमति दे दी लेकिन उस दिन कार्य इतना ज्यादा था कि वह जूनियर वैज्ञानिक अपने काम में इस कदर लीन हो गया कि उसे समय का पता ही न चला। दूसरी ओर कलाम साहब ने उसकी व्यस्तता को देखते हुए अपने प्रबंधक को बच्चों को प्रदर्शनी दिखाने के लिए भेज दिया। जब जूनियर वैज्ञानिक देर रात अपने घर पहुंचा, तब उसे कलाम साहब की इस महानता के बारे में ज्ञात हुआ। अगले दिन उनके समक्ष नतमस्तक होकर उसने इसके लिए उनका हृदय से आभार प्रकट किया।

डा. कलाम राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन रहते हुए भी आम लोगों से मिलते रहे। एक बार कुछ युवाओं ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए उन्होंने उनके कार्यालय को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी मिलने के बाद डा. कलाम ने उन युवाओं को अपने पर्सनल चैंबर में आमंत्रित किया और वहां न केवल उनसे मुलाकात ही की बल्कि उनके विचार, उनके आइडिया सुनते हुए काफी समय उनके साथ गुजारा।

जिस समय डा. कलाम भारत के राष्ट्रपति थे, तब वे एक बार आईआईटी के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पहुंचे। उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए आयोजकों द्वारा उनके लिए मंच के बीच में बड़ी कुर्सी लगवाई गई। डा. कलाम जब वहां पहुंचे और उन्होंने केवल अपने लिए ही इस प्रकार की विशेष कुर्सी की व्यवस्था देखी तो उन्होंने उस कुर्सी पर बैठने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने उनके लिए मंच पर लगी दूसरी कुर्सियों जैसी ही कुर्सी की व्यवस्था कराई।

कलाम साहब के हृदय में दूसरे जीवों के प्रति भी किस कदर करूणा और दयाभाव विद्यमान था, इसका अनुमान इस घटनाक्रम से सहज ही लग जाता है। जब 1982 में वे डीआरडीओ के चेयरमैन बने तो उनकी सुरक्षा के लिए डीआरडीओ की सेफ्टी वॉल्स पर कांच के टुकड़े लगाने का प्रस्ताव लाया गया लेकिन कलाम साहब ने यह कहते हुए स्पष्ट इनकार कर दिया था कि दीवारों पर कांच के टुकड़े लगाने से पक्षी नहीं बैठ पाएंगे और ऐसा करने की प्रक्रिया में पक्षी घायल भी हो सकते हैं। इस कारण उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

राष्ट्रपति जैसे बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी कलाम अपने बचपन के दोस्तों को नहीं भूलते थे। 2002 में राष्ट्रपति बनने के बाद जब एक बार वे तिरुअनंतपुरम के राजभवन में मेहमान थे, तब उन्होंने अपने स्टाफ को वहां के एक मोची और ढ़ाबे वाले को खाने पर बुलाने का निर्देश दिया। सभी उनके इस निर्देश को सुनकर हैरान था। बाद में पता चला कि ये दोनों कलाम साहब के बचपन के दोस्त थे। दरअसल कलाम साहब ने अपने जीवन का बहुत लंबा समय केरल में ही बिताया था और उसी दौरान उनके घर के पास रहने वाले उस मोची तथा ढ़ाबे वाले से उनकी दोस्ती हो गई थी। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे तिरुअनंतपुरम पहुंचे, तब भी वे अपने इन दोस्तों को नहीं भूले और उन्हें राजभवन बुलाकर उन्हीं के साथ खाना खाकर उन्हें इतना मान-सम्मान दिया। डा. कलाम के जीवन के अंतिम पलों के बारे में उनके विशेष कार्याधिकारी रहे सृजनपाल सिंह ने लिखा है कि शिलांग में जब वह डा. कलाम के सूट में माइक लगा रहे थे तो उन्होंने पूछा था, 'फनी गाय हाउ आर यू', जिस पर सृजनपाल ने जवाब दिया 'सर ऑल इज वेल'। उसके बाद डा. कलाम छात्रों की ओर मुड़े और बोले 'आज हम कुछ नया सीखेंगे' और इतना कहते ही वे पीछे की ओर गिर पड़े। पूरे सभागार में सन्नाटा पसर गया और इस प्रकार यह महान् विभूति दुनिया से सदा के लिए विदा हो गई।

बिहार में सबसे बडा सवाल, कौन बनेगा बड़ा भाई ?

अशोक भाटिया

एनडीए के मुख्य घटक दलों भाजपा और जदयू को बराबर संख्या में यानी 101-101 सीटें दी गई हैं। इसके अलावा, अन्य सहयोगी दलों को भी चुनाव लड़ने के लिए हिस्सेदारी दी गई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को छ-छ सीटें दी गई हैं।एनडीए के महासचिव विनोद तावड़े ने इस सीट बंटवारे की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर साझा की। उन्होंने लिखा,"संगठित और समर्पित एनडीए परिवार ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण माहौल में सीटों का वितरण पूर्ण किया। सभी सहयोगी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस फैसले का खुशी-खुशी स्वागत किया है। सभी साथी कमर कस चुके हैं और बिहार में फिर से एनडीए सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं।"इस सीट बंटवारे में स्पष्ट रूप से यह संकेत मिलता है कि भाजपा और जदयू दोनों प्रमुख दल अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को बरकरार रखना चाहते हैं। 101-101 सीटों का विभाजन दोनों दलों के बीच संतुलन बनाए रखने की रणनीति है। इसके अलावा, छोटी पार्टियों को हिस्सेदारी देना भी गठबंधन की मजबूती और चुनावी संतुलन बनाए रखने का हिस्सा है।लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें दी गई हैं। यह संख्या इस बात का प्रतीक है कि गठबंधन में छोटे दलों की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हम को छह-छह सीटें दी गई हैं, जो चुनाव में उनके स्थानीय और क्षेत्रीय प्रभाव को ध्यान में रखते हुए तय की गई हैं। इस सीट बंटवारें में कोई खास बात नहीं है सिवाय इसके किभाजपा और जेडीयू को बराबर-बराबर सीटें मिल रही हैं। अब तक प्रतीकात्मक ही सही जेडीयू की सीटेंभाजपा से अधिक रहतीं रहीं हैं। यही कारण है सोशल मीडिया पर आम जनता यह आंकलन कर रही है कि अब बिहार में जनता दल या नीतीश कुमार की बढ़े भाई की भूमिका का अंत आ गया है। लोगों का कहना है किभाजपा ने अपने हिसाब से एनडीए के लोगों को टिकट दे दिया है। जाहिर है कि बिहार विधानसभा चुनावों परिणामों के बाद जेडीयूभाजपा की पिछलग्गू पार्टी बनकर रह जाएगी। पर यह इतना आसान नहीं है। अगर नीतीश कुमार स्वस्थ रहते हैं तो उनकी कुर्सी को चैलेंज करने वाला न कोई एनडीए में है और न ही कोई महागठबंधन में है।जाहिर है कि विधानसभा चुनावों में अगर एनडीए को बहुमत मिलता है तो नीतीश कुमार की कुर्सी सुरक्षित कही जा सकती है।

बताया जाता है कि नीतीश कुमार का कोर वोट बैंक- कुर्मी (4%), कोइरी (6%), और अन्य ईबीसी (27%) -बिहार की सियासत में एन डी ए की रीढ़ है। 2020 में जे डी यू ने 43 सीटें जीतीं, लेकिन उनका वोट शेयर (15%) एन डी ए की कुल 37% वोट हिस्सेदारी का अहम हिस्सा था।भाजपा का अपना वोट (23%) अपर कास्ट और शहरी मध्यम वर्ग तक सीमित है। नीतीश कुमार की उम्र पर अगर ध्यान दें तो ये उनकी अंतिम राजनीतिक पारी हो सकती है।भाजपा जानती है कि जब तक नीतीश कुमार मजबूत हैं तब तक जेडीयू का अस्तित्व है। नीतीश कुमार अगर स्वास्थ्य कारणों से पार्टी के रोजमर्रा की राजनीति से दूर होते हैं तो पार्टी बिखर जाएगी। ऐसे में उनके कोर वोटर्स जैसे ईबीसी और महादलित वोटर महागठबंधन (आर जे डी +कांग्रेस) या प्रशांत किशोर की जन सुराज की ओर खिसक सकते हैं। जाहिर है किभाजपा के लिए फिर बिहार को फतह करना हमेशा के लिए मुश्किल हो जाएगा। यही कारण है किभाजपा नीतीश कुमार का साथ कभी नहीं छोड़ेगी। भाजपा का सहयोगी दलों के साथ रिश्तों में विश्वसनीयता का सवाल बिहार में नीतीश की स्थिति को और मजबूत करता है। यूपी में 2022 मेंभाजपा ने अपना दल और निषाद पार्टी को कम सीटें देकर उनके साथ तनाव पैदा किया। झारखंड में ए जे एस यू और जेएमएम के साथ गठबंधन टूटने सेभाजपा को 2019 में नुकसान हुआ। बिहार में नीतीश के साथ ऐसा जोखिमभाजपा नहीं ले सकती।अगर चुनाव जीतने के बादभाजपा नीतीश को मुख्यमंत्री पद से हटाने की कोशिश करती है तो इसका संदेश यूपी और झारखंड जैसे राज्यों में सहयोगी दलों के साथ ईबीसी वोटों पर भी पड़ेगा।

भाजपा को पहले से ही उसके सहयोगी दल शंका की दृष्टि से देखते रहे हैं। अगर नीतीश कुमार को सीएम नहीं बनाया जाता है तो यह संदेश जाएगा किभाजपा ने बिहार में धोखा किया है। नीतीश को मुख्यमंत्री बनाकरभाजपा सहयोगियों को संदेश देना चाहेगी कि वह 'गठबंधन धर्म' निभाती है। 2020 में जे डी यूकी 43 सीटों के बावजूद नीतीश को मुख्यमंत्री बनाया गया, क्योंकिभाजपा को नीतीश की जरूरत थी। 2025 में भी यही रणनीति रहेगी।

नीतीश कुमार एन डी ए के लिए 'संतुलन बिंदु' हैं। बिहार की सियासत में जातिगत समीकरण और सामाजिक गठजोड़ अहम हैं। नीतीश का कुर्मी-ईबीसी-महादलित वोट बैंक एन डी ए को वह संतुलन देता है, जोभाजपा अकेले नहीं हासिल कर सकती। 2020 में जे डी यूकी 43 सीटें थीं, लेकिन नीतीश की साख ने एन डी ए को 125 सीटें दिलाईं। अगर जे डी यूकी सीटें कम हुईं, तो भी नीतीश की साख और गठबंधन में उनकी भूमिका एन डी ए को बहुमत दिलाएगी। हम के जीतन राम मांझी ने कहा कि नीतीश के बिना एन डी ए का संतुलन बिगड़ेगा। नीतीश की कम सीटेंभाजपा को दबाव में ला सकती हैं, लेकिन उनकी जगह कोई और मुख्यमंत्री लाना एन डी ए को अस्थिर करेगा। सवाल यह भी है कि बिहारभाजपा में कोई ऐसा चेहरा नहीं, जो नीतीश की जगह ले सके। सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के पास न तो नीतीश जैसी व्यापक स्वीकार्यता है, न ही ईबीसी-महादलित वोट खींचने की क्षमता।भाजपा का वोट बैंक (23%) अपर कास्ट (भूमिहार, राजपूत) और शहरी मध्यम वर्ग तक सीमित है। नीतीश की तरह कोईभाजपा नेता पूरे बिहार में स्वीकार्य नहीं है।कुछ लोग महाराष्ट्र का उदाहरण दे रहे हैं । कहा जा रहा है कि जिस तरह एकनाथ शिंदे को डिप्टी सीएम बना कर देवेंद्र फडणवीस को सीएम बना दिया गया ऐसा ही कुछ बिहार में हो सकता है। पर नीतीश कुमार न एकनाथ शिंदे हैं और न ही भाजपा के पास बिहार में कोई देवेंद्र फडणवीस है। एक्स पर एक यूजर ने एक पोल में पूछा, नीतीश के बादभाजपा का मुख्यमंत्री कौन? 60% ने कहा, कोई नहीं। अगरभाजपा नीतीश कुमार को हटाकर अपना मुख्यमंत्री लाती है, तो ईबीसी और महिला वोटर (50%) छिटक सकते हैं। 2024 लोकसभा में एनडीए की 30/40 सीटें नीतीश की मदद से आईं। नीतीश की अनुपस्थिति में तेजस्वी यादव की 'युवा' इमेज और 'नौकरी' नारा एन डी ए को नुकसान पहुंचा सकता है। नीतीश की 'पलटीमार' हिस्ट्रीभाजपा को डराती भी है। 2013 (भाजपा से अलग), 2015 (आर जे डी के साथ), 2017 (एन डी ए में वापस), 2022 (महागठबंधन के साथ)।

2024 में नीतीश फिर एन डी ए में लौटे, और कई बार बोल चुके हैं कि अब कोई पलटी नहीं। लेकिनभाजपा जानती है कि अगर नीतीश को मुख्यमंत्री पद न मिला, तो वह महागठबंधन के साथ जा सकते हैं। और महागठबंधन इसके लिए सहर्ष तैयार भी हो जाएगा।इसके पहले भी महागठबंधन ने नीतीश कुमार के पास कम विधायक होने के बावजूद उनको मुख्यमंत्री बनाया था। एक्स पर एक यूजर लिखता है कि नीतीश की पलटी का डरभाजपा को नीतीश को मुख्यमंत्री बनाए रखने पर मजबूर करता है।

सोना लेजा रे चांदी ले जा रे दिल कैसे दे दूं..

मनोज कुमार अग्रवाल

सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चला है एक साल के भीतर साठ फीसद दाम बढोत्तरी किसी भी दूसरी जिंस में नही देखने को मिली है लेकिन इसके बावजूद सोने के दाम की दौड़ जारी है यह कहां जाकर रुकेगा अभी ताज़ा अनुमान डेढ़ लाख रुपए प्रति दस ग्राम का लगाया जा रहा है। सोना रोज बढ़ रहा है, जिन्होंने सोने में निवेश कर रखा है, वो तो बहुत ही खुश हैं. लेकिन जो नहीं खरीद पाए, वो पछता रहे हैं. दरअसल सोने की कीमतों में एकतरफा रैली देखने को मिल रही है. साल 2025 में ही सोना 60 फीसदी महंगा हो चुका है. ग्लोबल मार्केट में गोल्ड की कीमत $4000 प्रति औंस से ऊपर चली गई है. अब एक्सपट्र्स कह रहे हैं कि सोने का इतना महंगा होना भी खतरे से खाली नहीं है.सोने की कीमतों में तेजी को केवल प्रॉफिट से जोड़ना सही नहीं होगा. इसके पीछे डर और अनिश्चितता भी है. उन्होंने बताया कि आज के दौर में सबसे ज्यादा सोना केंद्रीय बैंक, सॉवरेन फंड और संस्थागत निवेशक खरीद रहे हैं, वे सोना इस उम्मीद से नहीं खरीद रहे हैं कि मुनाफा देगा, बल्कि इसके जरिए वे अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षा देना चाहते हैं. यानी सेफ्टी के लिए केंद्रीय बैंक भी सोने भी सोने की तरफ भाग रहे हैं. ऐसे में आप कह सकते हैं कि जब सरकारें रिकॉर्ड ऊंचाई पर सोना खरीदती हैं, तो वे मुनाफे के पीछे नहीं भागतीं. इसके पीछे गहरा राज छिपा है।

आपको बता दें कि भारतीय जन जीवन में सोने के आभूषणों का चलन सदियों से चला आ रहा है। भारतीयों के लिए सोना निवेश का कोई सर्वमान्य समाधान नहीं है। सोना हमारे रीति, रिवाज और परंपराओं में रचा-बसा है। चाहे दीवाली-अक्षय तृतीया का पर्व हो, बेटी की विदाई का भावपूर्ण अवसर हो या बहू को शगुन में उपहार भेंट करने का शुभ मौका। जीवन में इन तमाम महत्वपूर्ण अवसरों पर हमारे संस्कार और खुशियां सोने के बिना पूर्ण नहीं होती हैं। ऐसे में त्यौहारों के मौके पर और त्योहारों के कुछ दिन बाद शुरू होने वाले शुभ-लग्न में महंगा होना बहुत परेशान करेगा। कुछ सट्टेबाजों, निवेशकों के लिए बेशक हर दिन महंगा होता सोना कमाई का मौका हो सकता है लेकिन आम भारतीयों के लिए यह गंभीर चिंता और परेशानी व्व सचब बन गया है। त्योहारों और शादियों का मौसम है। बेटी की शादी होनी है, तो आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने की सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.25 लाख रुपये तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपये के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे पायेगा? वर्ल्ड गोल्ड कार्डोसल का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का आकलन है कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम और बढ़ सकते हैं, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11 वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। गोल्ड ईटीएफ में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में गोल्ड इंटीएफ में 1.53 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है। मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है। दरअसल सोने के दाम अमरीका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब ट्रंप ने अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था। उनके 8 माह के कार्यकाल में सोना महंगा ही होता गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ की बात शुरू की, तो देशों में अनिश्चितता फैलने लगी, नतीजतन सोना महंगा होता गया। देशों ने सोना खरीदना तेज किया, ताकि कमजोर होते डॉलर के विकल्प के रूप में सोने का भंडार हो। वैसे सोना पूर्व में भी महंगा और सस्ता होता आया है। पिछले 5 वर्षों में सोने ने करीब 200% का रिटर्न दिया है, सोने की कीमत 5 साल में करीब-करीब तिगुनी हो गई है. जिसमें प्रति वर्ष औसतन 24% का सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) रहा है. यह इक्विटी जैसे निफ्टी 50 जैसे अन्य निवेशों की तुलना में अधिक रहा है. इस दौरान इक्विटी ने अधिकतम करीब 17% का सालाना रिटर्न दिया है. साल 2020 की शुरुआत में 10 ग्राम सोने की कीमत करीब 40,000 के आसपास थी, जो 2025 में 1,25,000 प्रति 10 ग्राम से ऊपर पहुंच गई.1970-80 का दौर याद होगा , जब सोना कई गुना महंगा हो गया था और वित्तीय सलाहकारों ने सोना खरीदने की सलाह दी थी, लेकिन 1999 तक सोने के दाम अचानक ध्वस्त हुए, तो निवेश भी घटा।

जिन्न द्वारा दीपावली की सफाई

रामविलास जांगिड़

दीपावली का मौसम आते ही जैसे हवा में धूल नहीं, धूल हटाने की ललक तैरने लगती है। घर-घर में झाड़ूओं की खड़खड़ाहट सुनाई देती है। एक ऐसा संगीत, जो केवल पत्नियों के कानों को मधुर लगता है और पतियों के हृदय को भय से कांपने पर विवश कर देता है। एक खूंखार पति महोदय भी उसी महान परंपरा के शिकार बने। दीपावली के ठीक एक सप्ताह पहले, जब उन्होंने बेफिक्री से अख़बार उठाया, तो पत्नीजी ने घोषणा की- इस बार दीपावली पर पूरा घर चमकना चाहिए, ऐसा लगे कि लक्ष्मी जी घर में आने से पहले ही बोल दें- वाह, क्या सफाई है! पति देवता ने धीरे से अख़बार नीचे रखा और मन ही मन सोचा- काश! लक्ष्मी जी की जगह कोई जिन्न आ जाए... कम से कम झाड़ू तो वही उठा ले। पहले दो दिन तक पतिदेव ने कूटनीतिक सहयोग दिया। कुर्सी उठाने, बल्ब बदलने और पुराने अख़बार छाँटने तक सीमित। लेकिन जब पत्नीजी ने कहा- अब छत के पंखों से लेकर फ्रीज के नीचे तक सब साफ होगा, तो पति महोदय को लगा कि यह अब विवाह नहीं, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अभियान बन गया है। रात को उन्होंने गूगल बाबा से फरियाद की- दीपावली की सफाई से बचने का उपाय। गूगल ने जवाब दिया- 'ट्राई जिन्न।' वो तुरंत पुराने कबाड़ी मेले से खरीदी गई एक पीतल की बोतल उठा लाए। मज़ाक में रगड़ा, पर क्या पता था कि मज़ाक हकीकत बन जाएगा! धुएँ का गुबार उठा, बिजली सी चमकी और सामने लंबा, चौड़ा, गाढ़ी मूंछों वाला जिन्न प्रकट हुआ। उसने गूँजती आवाज़ में कहा- हुहाहाआ, क्या हुक्म है मेरे आका? पति महोदय ने कंपकंपाते स्वर में कहा- घर की सफाई कर दो... इससे पहले कि मेरी आत्मा झाड़ू में समा जाए। जिन्न ने अपनी ऊँगली घुमाई, और पलक झपकते ही पूरा घर ऐसे चमकने लगा मानो सूर्य ने छुट्टी लेकर अपनी रोशनी हमारे घर आउटसोर्स कर दी हो। पर तभी दरवाज़े की घंटी बजी। पत्नीजी लौट आईं। उन्होंने कहा- हम्म... अच्छा किया, लेकिन यह पर्दे का रंग तो थोड़ा सुस्त लग रहा है। इसे बदला क्यों नहीं? जिन्न ने हिचकिचाकर कहा- हुज़ूर! मैंने तो सफाई की है, सजावट नहीं। पत्नी बोलीं- सफाई बिना सजावट अधूरी है। और सुनो, यह शो-पीस बाईं तरफ रखो। जिन्न ने आज्ञा मानी। अब दाईं तरफ रखो। फिर आदेश आया- अब बीच में रखो... नहीं-नहीं, थोड़ा तिरछा! जिन्न की गर्दन ऐसे घूम रही थी जैसे पंखा रोटेशन मोड में चल रहा हो। तीन घंटे तक वह एक शो-पीस के लिए दिशाओं के दर्शन करता रहा। जिन्न की आँखों में नमी आ गई। उसने कहा- हुज़ूर! मैं सदियों तक बोतल में बंद रहा, पर इतनी मानसिक थकान पहली बार महसूस की है। फिर पत्नी ने झाड़ू थमाई। जिन्न बोला- मैं जादू से सफाई कर दूँ? पत्नी बोलीं- नहीं, जादू में आत्मा नहीं होती। अब बेचारा जिन्न झाड़ू लेकर कमरे-कमरे घूमता रहा। हर जगह उसे एक ही वाक्य सुनाई देता- थोड़ा और साफ करो।

दीपों का पर्व, आशा का आलोक : बनेगा दुर्लभ शुभ संयोग, शनि देंगे धन-राजयोग

दिन	तिथि	पर्व
शनिवार	18 अक्तूबर	धनतेरस
रविवार	19 अक्तूबर	रूप चौदस (नरक चतुर्दशी)
सोमवार	20 अक्तूबर	दीपावली (महालक्ष्मी पूजन)
मंगलवार	21 अक्तूबर	अमावस्या स्नान-दान
बुधवार	22 अक्तूबर	गोवर्धन पूजा
गुरुवार	23 अक्तूबर	भाई दूज

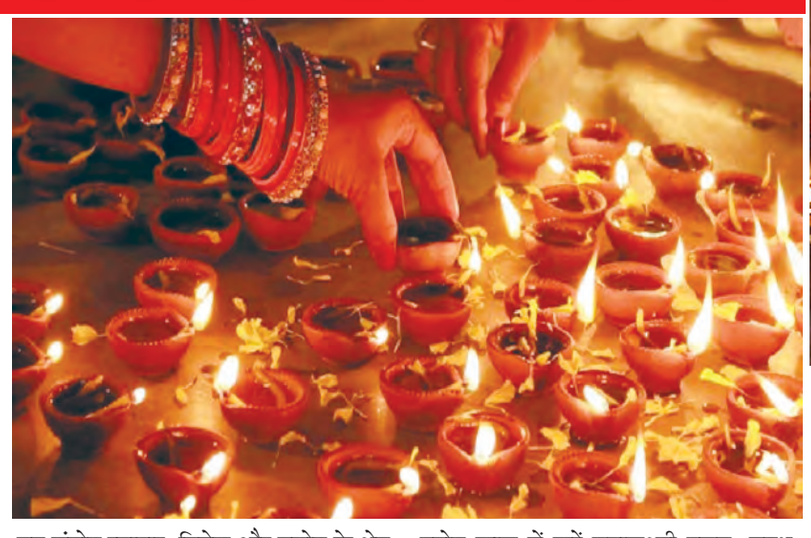

सुरेश गांधी

भारत में दीपावली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि संस्कृति की सबसे उज्ज्वल अभिव्यक्ति है. जहां मिट्टी का दीपक केवल तेल और बत्ती से नहीं, बल्कि आस्था और आशा से जलता है। यह वही क्षण है जब पूरे देश में एक साथ हृदयों की लौ जल उठती है, अयोध्या से काशी तक, मथुरा से मदुरै तक, हर घर में दीपक बोलता है, "तमसो मा ज्योतिर्गमय।" इस वर्ष यह महापर्व सोमवार, 20 अक्तूबर को मनाया जाएगा। पंचांगों के अनुसार, आश्विन मास की अमावस्या तिथि 20 अक्तूबर दोपहर 3:44 बजे से प्रारंभ होकर 21 अक्तूबर शाम 5:55 बजे तक रहेगी। चूंकि प्रदोष और निशीथ काल 20 अक्तूबर की रात को ही पड़ रहा है, इसलिए शास्त्र सम्मत पूजन उसी दिन होगा। खास यह है कि यह दीपावली केवल एक दिन नहीं, बल्कि उत्सवों की छठ है, जहाँ हर दिन का अपना अर्थ और अध्यात्म है।

दीपक केवल मिट्टी का पात्र नहीं, यह मनुष्य के भीतर बसे अंधकार पर विजय का प्रतीक है। शास्त्रों में कहा गया है कि दीप जलाने से अज्ञान रूपी तमस का नाश होता है।

दीपावली का अर्थ केवल दीयों की श्रृंखला नहीं, बल्कि संसार रूपी अंधकार से आत्मा रूपी ज्योति की यात्रा है। जब भगवान श्रीराम चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे, तब नगरवासियों ने दीप जलाकर कहा था, "हमारे भीतर का रावण मरे, तभी सच्ची दीपावली होगी।" आज भी वही संदेश जीवित है, जब लोभ की जगह संतोष, द्वेष की जगह दया, और असत्य की जगह सत्य का प्रकाश जगे, वही असली दीपावली है। मतलब साफ है दीपावली का सबसे बड़ा संदेश यही है, "अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, एक दीप पर्याप्त है।" हमारे भीतर का दीप हमारी चेतना है, जो सत्य, ज्ञान और प्रेम का प्रकाश फैलाती है। जब यह दीप प्रज्ज्वलित होता है, तब न कोई शत्रु रह जाता है, न भय, न ईर्ष्याकृकेवल आलोक। अतः इस दीपावली केवल घर नहीं, मन को भी सजाइए। अंदर की उदासी, शिकायत और अवसाद को बाहर फेंक दीजिए। जलाइए, उसके साथ अपनी आशा भी जगाइए।

यह संपूर्ण सप्ताह सुख, स्वास्थ्य और संपन्नता का प्रतीक बनेगा। धनतेरस पर जहां धनवन्तरि देव से आरोग्य की कामना की जाती है, वहीं गोवर्धन पूजा और भाई दूज तक यह पर्व संबंधों के पुनर्निर्माण का अवसर देता है। इस वर्ष दीपावली पर ग्रहों का अद्भुत संयोग बन रहा है। शनि देव मीन राशि में वक्री अवस्था में रहकर शुभ दृष्टि डालेंगे, जिससे "धन-राजयोग" का निर्माण हो रहा है। यह संयोग व्यापार, निवेश और उद्योग के क्षेत्र में वृद्धि का संकेत देता है। वृषभ राशि, निवेश में लाभ और धन-संग्रह का समय। मिथुन राशि, संघर्षों से राहत और अप्रत्याशित लाभ की संभावना। मकर राशि, रुका हुआ धन प्राप्त होगा, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इसके साथ ही सूर्य, बुध और मंगल की युति से "बुधादित्य योग" बनेगा, जो बुद्धि, नेतृत्व और सफलता का प्रतीक है। इस योग में किया गया महालक्ष्मी पूजन विशेष फलदायी माना गया है।

पूजन के शुभ मुहूर्त : प्रदोष में स्थिर लक्ष्मी ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, स्थिर लग्न में पूजन से लक्ष्मी की स्थिरता प्राप्त होती है। इस वर्ष के शुभ लग्न इस प्रकार हैं, कुंभ लग्न : दोपहर 2:09 से 3:40 बजे तक, वृषभ लग्न : शाम 6:51 से 8:48 बजे तक, सिंह लग्न : रात्रि 1:19 से 3:33 बजे तक, वृषभ और सिंह लग्न में पूजन सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इन कालों में दीप, पुष्प, शंख, कमल और धूप से महालक्ष्मी का आह्वान करना शुभ है। प्रदोष काल में करें महालक्ष्मी पूजन, वृषभ और सिंह लग्न रहेगा सर्वाधिक शुभ, धर्मशास्त्रों के अनुसार, प्रदोष व्यापिनी अमावस्या पर ही दीपावली का पर्व मनाया जाता है, क्योंकि इसी कालखंड में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। अगले दिन 21 अक्तूबर को कार्तिक अमावस्या का दान-स्नान होगा।

श्रीयंत्र और महालक्ष्मी पूजन विधि

दीपावली का पूजन केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि ऊर्जा का संचार है। प्रत्येक विधि में विज्ञान और प्रतीकवाद दोनों समाहित हैं। पूजन स्थल को गंगाजल से शुद्ध कर लाल वस्त्र बिछाएं। गणेश-लक्ष्मी, कुबेर और श्री यंत्र की स्थापना करें। कलश पर स्वास्तिक बनाकर नारियल और आमपत्र स्थापित करें। धन, मिठाई, चावल और कमलगट्टा का नैवेद्य लगाएं। पहले गणेश पूजन, फिर लक्ष्मी, कुबेर, सरस्वती, इंद्र और महाकाली की आराधना करें। बहीखाते, तिजोरी, व्यापारिक रजिस्टर आदि की पूजा करें। श्रीयंत्र का केसरयुक्त गो-दुग्ध से अभिषेक करते समय यह श्रीविद्या मंत्र उच्चारित करें, "ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमः।" कहा गया है कि इस दिन लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं, जहां स्वच्छता, सुवास और श्रद्धा होती है, वहां ठहर जाती हैं।

अर्थव्यवस्था और रोजगार का पर्व

दीपावली केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी भारत का सबसे बड़ा पर्व है। देश में 6 लाख करोड़ से अधिक का व्यापार इस अवसर पर होता है। मिट्टी के दीयों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सजावट, वस्त्र, स्वर्णाभूषण, फर्नीचर और मिठाई उद्योग तक, हर क्षेत्र में नई ऊर्जा भर जाती है। मोमबत्ती, रंगोली, खिलौने, वस्त्र, बर्तन, मिठाई, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, हर बाजार में दीपावली उत्सव अर्थव्यवस्था को गति देता है। सिर्फ शहरी नहीं, ग्रामीण भारत में भी यह लघु उद्योगों का पुनर्जागरण बनता है।

इस बार के तीन शुभ योग

1. शनि का धन राजयोग : आर्थिक स्थिरता और सफलता।

2. बुधादित्य योग : विवेक और नेतृत्व का संयोग।

3. लक्ष्मी पंचग्रह योग : समृद्धि और शुभता का प्रतीक।

दीपावली पूजन के पांच सरल चरण

1. स्थान की शुद्धि : गंगाजल से छिड़काव।

2. दीप प्रज्वलन : पूर्व या उत्तर दिशा में।

3. गणेश-लक्ष्मी पूजन : शंख, पुष्प, धूप से।

4. तिजोरी व बहीखाता पूजन।

5. परिवार सहित आरती और प्रसाद वितरण।

वास्तु टिप्स से पाएं लक्ष्मी कृपा

घर के मुख्य द्वार पर तोरण व बंधनवार लगाएं।

तुलसी के पास दीपक जलाना शुभ है।

शुक्रवार और दीपावली की रात दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर लक्ष्मी को अर्पित करें।

घर की उत्तर दिशा में हरा पौधा रखें, यह कुबेर की दिशा है।

दीप बनो, दीप जलाओ

हर वर्ष दीपावली हमें स्मरण कराती है कि, संघर्षों के बाद भी प्रकाश संभव है। राम लौटते हैं, रावण मिटता है, और अयोध्या फिर जगमगाती है।

इस वर्ष का यह दुर्लभ शनि धन-राजयोग, हर भारतीय के जीवन में उन्नति और उल्लास का दीप जलाए, इसी मंगलकामना के साथ, "दीपावली केवल पर्व नहीं, यह आत्मा की यात्रा है, जहां हम बाहर के नहीं, भीतर के अंधकार को जलाते हैं।" भगवान राम के अयोध्या लौटने की याद में मनाया जाने वाला यह पर्व आज भी हमें सिखाता है कि असत्य पर सत्य की, अज्ञान पर ज्ञान की, और लोभ पर संतोष की विजय ही वास्तविक दीपावली है।

गोड्डा के ये हैं 3 फेमस काली मंदिर

झारखंड में गोड्डा के पांडू बथान स्थित काली मंदिर जहां काली पूजा में जिले की सबसे बड़ी तांत्रिक पूजा होती है। इस उपलक्ष्य में बिहार-झारखंड से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की टोली पहुंचती है। जहां तीन दिनों का भव्य मेला भी लगता है। इसके साथ इस मंदिर की बनावट और यहां का वातावरण भी लोगों को खूब आकर्षित करता है।

गोड्डा के पोड़ैयाहाट प्रखंड के बोहरा गांव का काली मंदिर की प्रसिद्ध है। जहां काली मेला में यहां पूरे संथाल परगना का सबसे बड़ा मेला लगता है। पूजा के उपलक्ष बढ़िया है, विधायक प्रदीप यादव के द्वारा भक्ति जागरण का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें हर साल बॉलीवुड के कई अलग-अलग सितारे भी शिरकत करते है।

गोड्डा के पथरगामा प्रखंड के पथरगामा चौक स्थित काली मंदिर तकरीबन 100 साल पुराना है। जहां तांत्रिक पद्धति से पूजा अर्चना होती है। इस पूजा में विशेषकर आदिवासियों की अधिक भीड़ देखी जाती है। जहां जिले के इस मंदिर में पथरगामा के आस पास के तकरीबन 150 से भी अधिक गांव के लोगों की भीड़ लगती है, जिसको लेकर यहां 3 दिनों का मेला भी लगता है।

महालक्ष्मी भगवान विष्णु के पैरों के पास क्यों बैठी दिखाई देती हैं

20 अक्टूबर को दीपावली है, इस दिन देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। महालक्ष्मी धन, वैभव और समृद्धि की देवी हैं और भगवान विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता है। ग्रंथों, चित्रों और मंदिरों में एक तस्वीर और मूर्ति अक्सर दिखाई देती है, जिसमें महालक्ष्मी भगवान विष्णु के चरणों के पास बैठी हुई हैं। लक्ष्मी-विष्णु की इस मुद्रा में जीवन प्रबंधन के महत्वपूर्ण सूत्र छिपे हैं। इन सूत्रों को अपनाने से धन से जुड़ी समस्याएं दूर हो सकती हैं।

धर्म के मार्ग पर चलना ही है सच्चा पुरुषार्थ

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, भगवान विष्णु सृष्टि के रक्षक हैं, वे कर्म और पुरुषार्थ के प्रतीक भी हैं। श्रीहरि ने अपने अवतारों से संदेश दिया है कि धर्म के मार्ग पर चलना ही सच्चा पुरुषार्थ है।

देवी लक्ष्मी का स्थान भगवान विष्णु के चरणों के पास दिखाया जाना महज एक पारंपरिक चित्रण नहीं है, बल्कि ये मुद्रा हमें संदेश देती है कि धन उसी के पास आता है जो धर्म और कर्म के मार्ग पर चलता है, जो पुरुषार्थी है। जो व्यक्ति निस्वार्थ भाव से कर्म करता है, उसके पीछे महालक्ष्मी स्वयं चलकर आती हैं।

विष्णु जी निर्मोही माने जाते हैं, उन्हें किसी चीज से मोह नहीं है। वे अपने कार्य में निष्ठा रखते हैं और सृष्टि की भलाई के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इसी तरह, मनुष्य को भी धन का दास बनने के बजाय, धन को साधन के रूप में अपनाना चाहिए। इस चित्र का ये अर्थ भी है कि धन को हमेशा चरणों में स्थान देना चाहिए, इसे हमें अपने सिर पर जगह नहीं देनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति धन को ही सबकुछ मान लेता है, उसकी बुद्धि में धन जगह बना लेता है, तो वह घमंडी हो जाता है। अहंकारी व्यक्ति विनाश की ओर बढ़ता है। इसलिए धन को अपने दिमाग में जगह नहीं देनी चाहिए, दिमाग में सत्कर्म, विनम्रता और धर्म को जगह देनी चाहिए। जब धन को विनम्रता से स्वीकार किया जाता है, उसका उपयोग धर्म, सेवा और सत्कर्मों में किया जाता है, तब वह हमारे पास लंबे समय तक टिका रहता है।

केवल भाग्य नहीं, कर्म भी जरूरी है

ये चित्र जीवन की एक और अहम सीख देता है, कर्म करो, फल की चिंता मत करो। अगर कोई व्यक्ति केवल भाग्य के भरोसे बैठा रहेगा और कर्म नहीं करेगा, तो लक्ष्मी उसके पास नहीं आ सकती। लक्ष्मी वहां वास करती हैं, जहां श्रम, निष्ठा और धर्म के साथ कार्य किया जाता है।

भगवान विष्णु के चरणों में बैठी लक्ष्मी की यह तस्वीर केवल धार्मिक भावना का प्रतीक नहीं, बल्कि एक सीख देती है। ये हमें सिखाती है कि जब हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, निस्वार्थ सेवा करते हैं और धर्म के पथ पर चलते रहते हैं, तभी लक्ष्मी – यानी धन, वैभव और समृद्धि, हमारे जीवन में स्थायी रूप से आते हैं। इसलिए अगली बार जब आप ये तस्वीर देखें, तो केवल इसे पूजें नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे संदेश को समझें और अपने जीवन में उतारें, तभी जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

धनतेरस पर साबुत धनिया क्यों लाते हैं

धनतेरस बस कुछ ही दिनों में आने वाला है। धनतेरस दिवाली का पहला दिन होता है। इसी दिन से 5 दिन की दिवाली की शुरूआत होती है। धनतेरस पर लोग सोने, चांदी से लेकर और भी चीजें खरीदते हैं। जैसे- झाड़ू, नमक, साबुत धनिया, हल्दी, खीलें, गट्टे, और भी न जानें क्या-क्या। लेकिन क्या आप जानते हैं दिवाली पर साबुत धनिया (धनिया बीज) लाने की परंपरा का धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों दृष्टिकोण से विशेष महत्व है। तो देर किस बात की चलिए जानते हैं।

धार्मिक महत्व:

समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक: धनिया बीज को समृद्धि, स्वास्थ्य, और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। जैसे ये बीज भोजन में स्वाद और सुगंध जोड़ते हैं, वैसे ही इन्हें जीवन में खुशहाली और मिठास लाने वाला माना जाता है।

माता लक्ष्मी का स्वागत:

धनतेरस पर देवी लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा होती है। धनिया बीज को घर में लाना धन और स्वास्थ्य की देवी का स्वागत करने का एक प्रतीकात्मक तरीका है।

नववर्ष की शुरुआत का संकेत:

कुछ परंपराओं में धनिया बीज को अगले वर्ष की खेती और समृद्धि का संकेत माना जाता है। इन्हें घर में लाकर पूजा के बाद बोया भी जाता है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण:

स्वास्थ्य लाभ: धनिया बीज में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल, और पाचन सुधारक गुण होते हैं। इन्हें घर में लाने और उपयोग करने से स्वास्थ्य लाभ होता है।

प्राकृतिक संरक्षण: धनिया बीज को सुखाकर रखने से यह कीटों को दूर रखने में मदद करता है। यह एक प्रकार का प्राकृतिक कीट-निवारक भी है।

धनतेरस पर अन्य वस्तुएं जैसे झाड़ू, हल्दी, नमक भी क्यों खरीदी जाती हैं?

झाड़ू: नकारात्मकता को हटाने और साफ-सफाई का प्रतीक।

हल्दी: शुभता और स्वास्थ्य का प्रतीक।

नमक: जीवन में संतुलन और स्वाद का प्रतीक।

सभी वस्तुएं मिलकर एक शुभ और सकारात्मक वातावरण बनाने में मदद करती हैं, जिससे देवी लक्ष्मी का वास हो सके।

धनतेरस के दिन गलती से न खरीदें ये चीजें

धनतेरस का त्योहार हर साल धूमधाम से मनाया जाता है। ऐसे में इस बार का धनतेरस 18 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। वहीं इस दिन लोग नई चीजों की खरीदारी करते हैं और ऐसा कहा जाता है कि इस दिन नई चीजों की खरीदारी करने से घर में बरकत आती है और लक्ष्मी का सदैव आगमन होता रहता है। हालांकि, इस साल धनतेरस का दिन शनिवार का दिन पड़ रहा है। इसलिए कुछ ऐसी चीज हैं जिन्हें आप को धनतेरस के दिन नहीं खरीदना चाहिए। जबकि इन चीजों की खरीदारी करने से शनि ग्रह और शनि देव नाराज हो सकते हैं और आपके जीवन की परेशानी को बढ़ा सकती है।

खरीदे नहीं दान करें

वहीं जानकारी देते हुए पूर्णिया के पंडित मनोतपल झा बताते हैं कि धनतेरस के इस शनिवार को आपको गलती से भी सरसों का तेल नहीं खरीदना चाहिए। नहीं तो शनि ग्रह की स्थिति कुंडली में खराब हो सकती है। हालांकि, इस दिन आप सरसों का तेल दान कर सकते हैं।

धनतेरस के दिन लोहा की चीज खरीदने से आपको बचना चाहिए। कहा जाता है शनिवार के दिन लोहा की चीज या लोहे से बनी चीजों को खरीदने से शनिदेव नाराज होते हैं। साथ ही साथ इस दिन काले रंग की चीजों को खरीदने से भी बचना चाहिए। शनिवार के दिन कई चीजों की खरीदारी करना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए आपको धनतेरस के दिन काले वस्त्र या फिर काले रंग की चीजों को खरीदने से बचना चाहिए।

घर न लाएं खाली बर्तन

धनतेरस यानी शनिवार के दिन आप बाजार से खाली बर्तन खरीद कर ना लाएं जैसा कि देखा जाता है कि धनतेरस के दिन लोग बड़े-बड़े बर्तन की खरीदारी करते हैं और खाली बर्तन ले आते हैं। लेकिन इस धनतेरस अगर आप कोई पात्र जैसे मटका, कलश आदि की खरीदारी करते हैं तो आपको यह खाली घर नहीं लाना चाहिए। इसमें कुछ मिष्ठान डालकर आप अपने घर ला सकते हैं। इस खाली बर्तन में आप धनिया डाकर रख सकते हैं। धनतेरस पर खाली पात्र घर लाना शुभ नहीं माना जाता है।

इस दिन चमड़े का सामान या चमड़ा का जूता नहीं खरीदना चाहिए। धनतेरस का पावन पर्व शनिवार के दिन है इसलिए इस बार चमड़े का सामान आपको धनतेरस पर खरीदने से बचना चाहिए। चमड़ा भी शनि ग्रह से संबंधित है ऐसे में अगर आप चमड़े की चीजों को इस दिन खरीदते हैं तो शनि देव के क्रोध का सामना आपको करना पड़ सकता है।

इस तमिल फिल्म का रीमेक बनाने के लिए बेताब अक्षय कुमार

2025 की इस फिल्म अब लेकर आएंगे हिंदी में

दग्गुबाती वेंकटेश तेलुगू सिनेमा के उन सुपरस्टार्स में से एक हैं जिनकी फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। अपने लंबे करियर में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं और अब उनकी हालिया फिल्म 'संक्रांतिकी वस्तुनम' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। ये फिल्म 14 जनवरी को रिलीज हुई थी और रिलीज के कुछ ही दिनों में हिट साबित हो गई। अब फैंस के लिए एक और बड़ी खबर है। 'संक्रांतिकी वस्तुनम' का हिंदी रीमेक बनने जा रहा है और इसमें लीड रोल में कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार नजर आने वाले हैं।

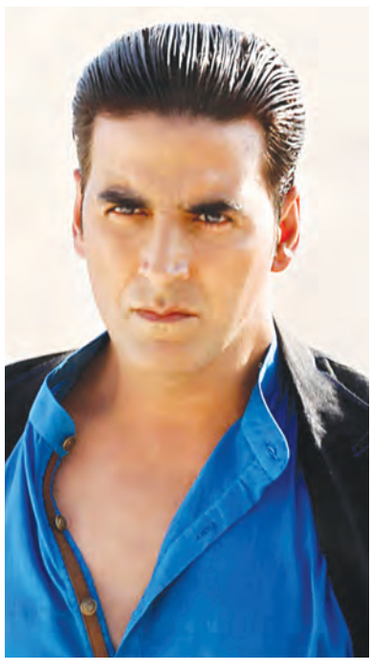

'संक्रांतिकी वस्तुनम' का बनेगा हिंदी रीमेक

तेलुगू वर्जन में दग्गुबाती वेंकटेश के साथ मीनाक्षी चौधरी, ऐश्वर्या राजेश और उपेंद्र लिमाय जैसे कलाकारों ने दमदार एक्टिंग की थी। फिल्म की कहानी और वेंकटेश की परफॉर्मेंस दोनों को ही खूब पसंद किया गया। अब जब इसका हिंदी रीमेक बन रहा है, तो फैंस अक्षय कुमार को इस रोल में देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रीमेक को डायरेक्ट करेंगे अनीज बाज्मी, जो पहले भी कई सुपरहिट कॉमेडी और फैमिली ड्रामा फिल्में बना चुके हैं। फिल्म का प्रोडक्शन दिल राजू करेंगे।

बॉक्स ऑफिस पर रही सुपरहिट

'संक्रांतिकी वस्तुनम' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार बिजनेस किया था। 50 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने इंडिया में 186.90 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन 256.54 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये वेंकटेश के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही। फिल्म अभी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर खूब देखी जा रही है और दर्शक इसे बार-बार देख रहे हैं। अब सभी की नजरें इसके हिंदी रीमेक पर हैं। क्या अक्षय कुमार भी वेंकटेश जैसी ही जादूगरी दिखा पाएंगे? ये देखना दिलचस्प रहेगा।

'मैंने 500 रुपये में काम किया'

इस एक्टर संग किस सीन के लिए नहीं मिला पैसा फराह खान ने सुनाए अनसुने किस्से

फराह खान ने अपने करियर की शुरुआत बतौर कोरियोग्राफर और अस्सिटेंट डायरेक्टर की थी। हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों के बारे में वह सिंगर शान के साथ गपशप करती दिखीं। शान ने भी कई किस्से साझा किए। फराह ने बताया कि 500 रुपये में भी काम किया है। साथ ही एक फिल्म में किस सीन से जुड़ा किस्सा भी शेयर किया। फराह खान ने शान के बच्चों से पूछा कि तुम आजकल कितना कमा लेते हैं। इस पर वह मुस्कुराते हैं। फराह सिंगर शान से कहती हैं, 'हमें से तो ज्यादा ही कमा लेते होंगे। हम तो शुरुआती दिनों में ही 500 रुपये के लिए भी काम कर लेते थे। मैंने तो क्राउड डांसर के तौर पर भी काम किया।' शान ने भी बताया कि वह भी छोटे-मोटे शो शुरुआत में करते थे। व्लॉग चैनल में आगे फराह खान को शान बताते हैं कि फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' उनकी पहली फिल्म थी। इसके लिए एक दिन का 150 रुपये मिला था। इस फिल्म में वह एक जगह पर सैक्सोफोन बजाते हुए भी दिखते हैं। तभी फराह बताती हैं कि वह इस फिल्म में जूनियर डांसर थीं। फराह कहती हैं, 'इस फिल्म में मैं अस्सिटेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर रही थी, अचानक डांसर कम पड़ गए। तब मैंने कोरियोग्राफी में भी मदद की। लेकिन जब कोई डांसर नहीं आता था तो मुझे डायरेक्टर कैमरे के सामने खड़ा देते थे। एक सीन में दीपक तिजोरी ने मेरे गाल पर किस किया। क्योंकि फिल्म की एक हीरोइन पूजा बेदी ने यह सीन करने से इंकार कर दिया था। लेकिन मुझे इस फिल्म के लिए पैसे तक नहीं मिले। हां, उस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ दिया है, इसे मैं कभी नहीं भूल सकती हूं।'

फराह खान डायरेक्टर ने बनीं कंटेंट क्रिएटर

फराह खान ने बतौर कोरियोग्राफर, डायरेक्टर बॉलीवुड में काम किया है। अब वह कंटेंट क्रिएटर के तौर पर एक्टिव हैं। उनका कुकिंग व्लॉग फैंस को काफी पसंद आता है। इस व्लॉग चैनल पर वह सेलेब्स के घर जाती हैं, उनके किचेन में टेस्टी डिशेज साथ मिलकर बनाती हैं। साथ ही सेलेब्स के अनसुने किस्से सुनती हैं, कुछ अपनी बातें साझा करती हैं।

रश्मिका मंदाना ने फिर फ्लॉन्ट की सगाई की अंगूठी

'थामा' गर्ल का एयरपोर्ट लुक हुआ वायरल

रश्मिका मंदाना और साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा ने सगाई कर ली है। लेकिन सगाई की तस्वीरें, फंक्शन बिल्कुल प्राइवेट रखे गए। विजय की टीम ने जरूर जानकारी दी कि शादी फरवरी में होगी। हाल ही में एयरपोर्ट पर रश्मिका मंदाना नजर आईं। जहां वह अपनी सगाई की अंगूठी को फ्लॉन्ट करती दिखीं। फैंस ने रश्मिका की वायरल वीडियो, लुक पर रिएक्शन भी दिए हैं। रश्मिका का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें वह एयरपोर्ट पर नजर आ रही हैं। एयरपोर्ट पर वह सिंपल सूट-सलवार में दिखाई दीं, उनके बाल भी गीले नजर आए। जब पैपराजी ने फोटो के लिए कहा तो वह देरी का इशारा करती दिखीं। इस दौरान उनके हाथ में सगाई की अंगूठी नजर आईं।

पिछले दिनों भी एक इंस्टाग्राम पेज पर रश्मिका ने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उनकी सगाई की अंगूठी नजर आ रही थीं। लेकिन अब तक अपनी सगाई को लेकर रश्मिका ने कोई बयान नहीं दिया है। यूजर्स ने भी रश्मिका मंदाना के एयरपोर्ट लुक पर रिएक्शन दिए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'नेशनल क्रश।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'क्यूटनेस ओवरलोडेड।' एक और यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'लेडी सुपरस्टार।' बताते चलें कि रश्मिका के फैंस अक्सर उन्हें नेशनल क्रश कहकर पुकारते हैं। जल्द ही रश्मिका की बॉलीवुड फिल्म 'थामा' रिलीज होगी। इसमें आयुष्मान खुराना है। इस फिल्म का ट्रेलर और रश्मिका का लुक पिछले दिनों काफी चर्चा में रहा। इसके अलावा वह एक साउथ इंडियन फिलम 'गर्लफ्रेंड' में भी नजर आने वाली हैं।

'मेरा सिर शर्म से झुक जाता है'

जावेद अख्तर को अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का भारत दौरा पसंद नहीं आया? किया ऐसा कमेंट

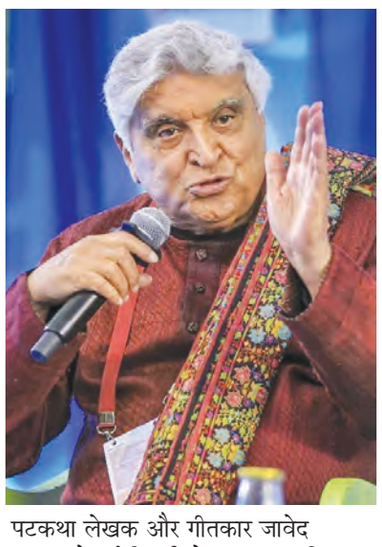

पटकथा लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने नई दिल्ली में अफगान तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के स्वागत की कड़ी आलोचना की है। मुत्तकी भारत की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। साल 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद भारत में किसी तालिबान नेता की ये पहली यात्रा है। जावेद अख्तर ने इस मुद्दे को उठाते हुए एक एक्स पोस्ट साझा किया और कहा कि ये स्वागत उनके लिए सिर शर्म से झुकने जैसा है।

जावेद अख्तर ने किया ऐसा पोस्ट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखते हुए जावेद अख्तर ने कहा, 'जब मैं देखता हूं कि दुनिया के सबसे खतरनाक आतंकवादी समूह तालिबान के प्रतिनिधि को उन लोगों द्वारा किस तरह सम्मान और स्वागत दिया जा रहा है जो आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाते हैं तो मेरा सिर शर्म से झुक जाता है।' उन्होंने इस बात पर भी कड़ी आपत्ति जताई कि उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित दारुल उलूम देवबंद, जो दक्षिण एशिया का एक प्रभावशाली इस्लामी मदरसा है ने मुत्तकी का सम्मानपूर्वक स्वागत किया। अख्तर ने कहा, 'देवबंद को शर्म आनी चाहिए क्योंकि उसने ऐसे इस्लामी नायक का सम्मान किया है जिसने लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध लगा रखा है।'

कैसे संभव हुई मुत्तकी की यात्रा

मुत्तकी की यह यात्रा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तालिबान प्रतिबंध समिति द्वारा लगाए गए यात्रा प्रतिबंध से छूट मिलने के बाद संभव हुई है। 25 जनवरी 2001 को संयुक्त राष्ट्र ने मुत्तकी को प्रतिबंधित सूची में डाल दिया था और उन पर यात्रा प्रतिबंध, संपत्ति जब्ती और हथियार प्रतिबंध लगाए गए थे। भारत ने अभी तक तालिबान को मान्यता नहीं दी है और काबुल में एक समावेशी सरकार के गठन की वकालत करता रहा है। मुत्तकी के दिल्ली प्रवास के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें महिला पत्रकारों की अनुपस्थिति को लेकर विवाद पैदा हो गया। विपक्षी नेताओं ने इसे अस्वीकार्य और महिलाओं का अपमान बताया।

सुहाना खान के रूमर्ड बॉयफ्रेंड अगस्त्य की फिल्म का रिलीज हुआ पोस्टर

अभिनेत्री ने खुश होकर किया ये काम!

हाल ही में अपकमिंग फिल्म 'इक्कीस' का पहला पोस्टर जारी हुआ है। इसमें अगस्त्य नंदा बेहतरीन लुक में नजर आ रहे हैं। फिल्म का पोस्टर देख कर फैंस उत्साहित हैं। अगस्त्य नंदा का लुक देख कर सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी खुशी से झूम उठीं। उन्होंने पोस्टर पर रिएक्ट किया है। सुहाना खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म 'इक्कीस' का पोस्टर शेयर किया है। अभिनेत्री ने कैप्शन में कुछ नहीं लिखा। इस फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। इसका निर्माण मैडॉक फिल्म्स के तहत दिनेश विजान कर रहे हैं। फिल्म 'इक्कीस' 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान अपनी जान गंवाने वाले अरुण खेत्रपाल की कहानी है।

आपको बता दें कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के बीच रिश्ते की अफवाहें उड़ती रहती हैं। हाल में सोशल मीडिया पर दोनों का एक वीडियो वायरल हुआ। अब सुहाना ने अगस्त्य की फिल्म का पोस्टर अपनी इंस्टा स्टोरी पर लगाया है। इन सब को देखते हुए दोनों के रिश्ते के अफवाहों ने जोर पकड़ा। हालांकि दोनों कलाकारों में से किसी ने भी अपने रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा है।

निर्माताओं ने दी फिल्म के बारे में जानकारी

अगस्त्य नंदा की फिल्म 'इक्कीस' का पहला पोस्टर रिलीज करते हुए निर्माताओं ने एलान किया है कि फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज होगी। फिल्म में अगस्त्य भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता, सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाएंगे। मैडॉक फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा 'अरुण खेत्रपाल की जयंती पर 'इक्कीस', पूरी हो गई है। दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स प्रस्तुत करते हैं 'इक्कीस'। इसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। यह फिल्म परमवीर चक्र विजेता की सच्ची और अनकही कहानी है। फिल्म दिसंबर 2025 में रिलीज होगी।'

'आप टी ब्रेक ले सकते हैं लेकिन हम थोड़ा आराम कर सकते हैं'

9 टू 5 जॉब से एक्टिंग की तुलना वाले बयान पर काजोल ने तोड़ी चुप्पी

काजोल ने अपने टॉक शो 'टू मच' में पिछले दिनों कहा था कि एक्टर्स 9 से 5 की नौकरी करने वालों से ज्यादा मेहनत करते हैं। यह बात सोशल मीडिया यूजर्स को रास नहीं आई, काजोल को इस बात के लिए ट्रोल किया गया। काजोल ने फिर इस बात को लेकर बयान दिया है, साथ ही अपनी पुरानी बातों को सही साबित करने के लिए कुछ बातों का जिक्र किया है। हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू में काजोल कहती हैं, 'एक्टिंग बहुत एक्टिव रहने वाला काम है। जब हम शूटिंग पर होते हैं तो पूरा ध्यान उसी काम पर होता है। मैंने 35 से 40 दिनों तक सीरीज 'द ट्रायल 2' के लिए लगातार शूटिंग की। इस दौरान एक्सरसाइज पर, डाइट पर ध्यान दिया।

हमारे लुक में जरा सा चेंज भी पूरे प्रोसेस को खराब कर सकता है। इस वजह से हम पर बहुत दबाव होता है।' काजोल आगे कहती हैं, 'जब आप 9 से 5 की नौकरी करते हैं, तो टी ब्रेक ले सकते हैं, थोड़ा आराम कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं कर सकते हैं। हम कैसे बैठते हैं? कैसे मुस्कुराते हैं? इन बातों पर भी नजर रखी जाती है। हम एक केतली की तरह हैं, जो हमेशा उबलती रहती है। हमें हमेशा अलर्ट रहना होता है, हम अक्सर टेंशन में रहते हैं और हम ऐसे ही जीते हैं।' काजोल की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह 'महारागिनी' में नजर आएंगी। इस साल वह 'मां' और 'सरजमीं' जैसी फिल्मों में दमदार किरदार निभाती दिखीं। साथ ही इन दिनों ट्विंकल खन्ना के साथ टॉक शो 'टू मच' कर रही हैं। इस शो पर बॉलीवुड सेलेब्स आते हैं और मजेदार किस्से साझा करते हैं।

पैसे मैं कमाऊं और बांटता रहूं स्टाफ में, अमरीश पुरी के पास नहीं था कोई स्टाफ, ऐसी रखते थे सोच

पिछले कुछ समय से बॉलीवुड एक्टर्स के लिए उनके साथ काम करने वालों की ऊंची फीस को लेकर बहस सुर्खियों में है। इसी बीच सौरभ शुक्ला ने भी इस मुद्दे पर अपने विचार शेयर करते हुए खुलासा किया है कि दिवंगत दिग्गज अभिनेता अमरीश पुरी के पास कोई साथ काम करने वाला नहीं था। हाल ही में एक इंटरव्यू में सौरभ शुक्ला ने खुलासा किया कि अमरीश पुरी के पास एक मेकअप पर्सन के अलावा कोई स्टाफ नहीं था। सौरभ शुक्ला ने बताया, "उस समय, मेरे लिए बस इतना ही काफी था कि मुझे एक फिल्म में कास्ट कर लिया गया। यह एक बड़ी फिल्म थी और इसमें बड़े कलाकार थे – अनिल कपूर, अमरीश पुरी। यह एक अच्छा एक्सपीरियंस था। हमें फिल्म में काम करके बहुत मज़ा आया। अमरीश पुरी साहब से मेरी पहली मुलाकात भी हुई। मैं उनसे ऐसे समय में मिला था जब मैं स्टार्स को दूर से ही देखता था और एक स्टार होने का मतलब यही होता है कि वे अपने साथ एक दल लेकर चलते हैं।"सौरभ शुक्ला ने आगे बताया कि अमरीश पुरी का काम के प्रति क्या नज़रिया था और कहा, "लेकिन फिल्म के सेट पर मुझे पता चला... वैसे, अमरीश पुरी अपनी फिल्मों में मुख्य अभिनेता से एक रुपया ज़्यादा लेते थे।

हिंदी फिल्में ठुकराने पर आया सोनम बाजवा का बयान, किसिंग सीन बनी बड़ी वजह

सोनम बाजवा पंजाबी इंडस्ट्री की बड़ी एक्ट्रेस हैं। हालांकि अब वह हिंदी फिल्मों में भी काम करती हुई नजर आने लगी हैं। सोनम ने एक बार हिंदी फिल्मों को लेकर अपनी शंकाओं के बारे में खुलकर बात की थी। हिंदी फिल्में न करने के पीछे असली वजह उन्होंने बिना जरूरत की इंटीमेसी को बताया। उन्होंने बताया कि उन्होंने कई प्रोजेक्ट इसलिए ठुकरा दिए क्योंकि उन्हें किसिंग सीन करने में हिचकिचाहट होती थी। सोनम बाजवा का मानना था कि उनका डर खास तौर पर पंजाबी दर्शकों के नेगेटिव रिएक्शन को लेकर था।

पुराने इंटरव्यू के दौरान सोनम ने बताया था कि उनकी शुरुआती आशंकाएं दूर हो गईं। यह बदलाव तब आया जब उन्होंने अपने माता-पिता के साथ स्क्रीन पर इंटीमेसी से परहेज़ करने की अपनी चिंताओं पर चर्चा की। इंटीमेट सीन्स को लेकर अपने डर के बारे में विस्तार से बताते हुए सोनम बाजवा ने कहा, "मैंने बॉलीवुड में कुछ चीजों के लिए मना कर दिया क्योंकि मुझे लगता था कि क्या पंजाब को इससे कोई दिक्कत नहीं होगी? हमारी मानसिकता ऐसी है कि परिवार देख रहे होंगे। मैं उस समय फिल्म में किसिंग सीन करने से बहुत डरती थी, क्योंकि मुझे लगता था कि 'लोग इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे? ये लोग, जिन्होंने मुझे वो बनाया है जो मैं हूं, इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे? क्या मेरा परिवार यह समझेगा कि यह एक फिल्म के लिए है?' मेरे मन में ये सारे सवाल थे।" उन्होंने आगे कहा, "यह कुछ साल पहले की बात है, और मैंने अपने मम्मी-पापा से इस बारे में बात की।

उन्होंने कहा, 'हां, अगर यह किसी फिल्म के लिए है, तो ठीक है।' और मैं बहुत हैरान थी। मैंने पहले उनसे बात क्यों नहीं की? हम अपने दिमाग में बहुत सी बातें मान लेते हैं। मुझे अपने माता-पिता से इस बारे में बात करने में बहुत शर्म आ रही थी, और उन्होंने कहा, 'कोई नहीं, जे फिल्म लिया, कोई चक्कर नहीं'।"सोनम ने स्वीकार किया कि उन्हें इस बारे में पहले बात न करने का अफसोस है। उन्हें लगा कि उनका डर वास्तविकता पर नहीं, बल्कि धारणाओं पर बेस्ड था। सोनम जल्द ही हर्षवर्धन राणे के साथ फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' में नज़र आएंगी।

बंदूक लाइसेंस के लिए संगीता ने किया अप्लाई

एक्ट्रेस संगीता बिजलानी ने पावना के अपने फार्म हाउस में हुई चोरी के बाद सुरक्षा संबंधी बढ़ती चिंताओं और पुलिस जांच की धीमी गति का हवाला देते हुए बंदूक लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। संगीता ने हाल ही में पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल से मिलकर चोरी के मामले की ताज़ा जानकारी ली। उन्होंने बताया कि घटना को लगभग साढ़े तीन महीने बीत जाने के बावजूद, कोई खास सफलता नहीं मिली है। इस घटना के बारे में बताते हुए संगीता बिजलानी ने कहा, "मैं पिछले 20 सालों से वहां रह रही हूं। पावना मेरे लिए एक घर रहा है, और मेरे फार्महाउस में चोरी की भयावह घटना को साढ़े तीन महीने हो गए हैं, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।" उन्होंने बताया कि एसपी गिल ने उन्हें आश्वासन दिया है कि पुलिस मामले की तह तक जाएगी और दोषियों को पकड़ेगी। शिकायत के अनुसार, जुलाई में अज्ञात बदमाशों ने उनके घर में घुसकर फ्रिज, टीवी और फर्नीचर जैसे घरेलू सामान तोड़ दिए। उन्होंने दीवारों पर अश्लील चित्र भी बनाए और 50,000 रुपये नकद और 7,000 रुपये मूल्य का एक टीवी लूटकर फरार हो गए। इस घटना को बेहद विचलित करने वाला बताते हुए संगीता बिजलानी ने कहा, "वहां चोरी और सेंधमारी हुई थी। यह डरावना था। शुक्र है कि मैं वहां नहीं थी।

शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर गदगद प्रियामणि

किंग खान के मैनेजर को मेसेज कर दी बधाई, बोलीं- 'उन्हें जानती नहीं'

शाहरुख खान को उनकी फिल्म जवान के लिए उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड मिला। एक्टर के इस अचीवमेंट से उनके परिवार के साथ पूरी इंडस्ट्री में जश्न का माहौल है। फिल्म जवान में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकीं प्रियामणि भी किंग खान की इस जीत से काफी खुश हैं। उन्होंने किंग खान की जीत के बारे में कहा कि उन्होंने शाहरुख की मैनेजर को मेसेजकर एक्टर को बधाई दी थी क्योंकि वो उन्हें पर्सनली नहीं जानतीं। जवान में किंग खान संग काम कर चुकीं प्रियामणि कहती हैं, वह एसआरके की बड़ी जीत से बेहद खुश थीं और उन्होंने अपने तरीके से उन्हें शुभकामनाएं भेजीं। उन्होंने बताया, 'मेरे शाहरुख सर के साथ पर्सनल रिश्ते नहीं हैं कि मैं उन्हें सीधे मैसेज कर सकूं। लेकिन मैं उनके लिए बहुत खुश हूं। मैंने पूजा ददलानी (एसआरके की मैनेजर) को मैसेज किया और उनके माध्यम से अपनी बधाई दी। मुझे उम्मीद है कि मैं उनसे जल्द ही मिलूंगी'।

प्रियामणि ने शाहरुख संग जवान में किया है काम

प्रियामणि ने पहली बार शाहरुख खान के साथ 'चेन्नई एक्सप्रेस' में स्क्रीन शेयर किया था। 'चेन्नई एक्सप्रेस' में प्रियमणि ने बस डांस नंबर किया था और साल 2023 में आई फिल्म जवान में उन्होंने दूसरी बार दिग्गज एक्टर के साथ काम किया। उन्होंने फिर से किंग ऑफ रोमांस के साथ स्क्रीन शेयर करने की इच्छा जाहिर की। वो कहती हैं कि हर एक्ट्रेस की तरह वो बेशक फिर से शाहरुख के साथ काम करना चाहेंगी। हालांकि एक्ट्रेस ने इस बार किंग खान के साथ रोमांस करने की इच्छा जताई।

वो कहती हैं, 'अगर मौका मिले तो मैं शाहरुख खान के साथ एक फिल्म में रोमांस करना चाहूंगी' ।इस साल, शाहरुख खान को जवान में उनके प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। यह सम्मान उनके करियर में एक विशेष मील का पत्थर था, क्योंकि यह भारतीय सिनेमा में तीन दशकों से अधिक काम करने के बाद उनका पहला राष्ट्रीय पुरस्कार था। एसआरके को यह सम्मान सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू से मिला, जिन्होंने उन्हें किंग ऑफ सिनेमा कहा।

नारियल तेल में मिला लो फ्री की पत्तियां

बालों पर लगाते ही ग्रोथ देख हर कोई करेगा सवाल, पड़ोसन भी होगी बेहाल

लंबे, घने बाल भला किसे पसंद नहीं होते, लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में बालों की लंबाई बढ़ाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। हम सभी चाहते हैं कि हमारे बाल तेजी से बढ़ें, पर कई बार जेनेटिक कारणों, तो कभी अनहेल्दी लाइफस्टाइल, तनाव और खराब खान-पान की वजह से बालों की ग्रोथ थम सी जाती है।

सिर्फ ग्रोथ ही नहीं, हेयर फॉल, रूखे-बेजान बाल और अन्य बालों की समस्याएं भी आजकल काफी आम हो चुकी हैं। इन सभी मुश्किलों का एक आसान और प्राकृतिक समाधान है, नारियल का तेल।

लेकिन क्यों न इस साधारण से तेल को थोड़ा और दमदार बनाया जाए? आप घर पर ही नारियल के तेल में कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां मिलाकर एक बेहतरीन नेचुरल हेयर ऑयल तैयार कर सकते हैं। यह होममेड तेल न सिर्फ आपके बालों के टेक्स्चर को सुधारेगा, बल्कि उनकी ग्रोथ को भी तेजी देगा। तो अगली बार पार्लर जाने से पहले, इस जादुई नुस्खे को जरूर आजमाकर देख लें।

बालों के लिए तेल मालिश के फायदे

बालों की ग्रोथ बेहतरीन हो, इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने स्कैल्प की सही तरीके से मालिश करें। यह कोई पुरानी बात नहीं, बल्कि एक जरूरी प्रक्रिया है। जब आप सिर की मालिश करते हैं, तो स्कैल्प की त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है। बेहतर सर्कुलेशन का सीधा मतलब है कि बालों की जड़ों को भरपूर पोषण मिल रहा है।आप नारियल के तेल को गुड़हल के फूल और पत्तियों के साथ मिलाकर घर पर ही एक बेहतरीन हर्बल हेयर ऑयल तैयार कर सकते हैं। यह खास तेल न केवल आपके बालों की ग्रोथ को तेज करता है, बल्कि बालों की अन्य कई आम समस्याओं को भी दूर करने में मदद कर सकता है। यह सचमुच आपके बालों के लिए एक जादुई नुस्खा साबित हो सकता है।

हर्बल हेयर ऑयल कैसे बनाएं?

सबसे पहले, गुड़हल के 5-6 फूल और लगभग एक कटोरी पत्तियां लें। इन्हें पानी से अच्छी तरह धोकर साफ कर लें। अब, एक बर्तन में 100 मिली नारियल का तेल गरम करने के लिए रखें। जैसे ही तेल में उबाल आना शुरू हो, उसमें धोए हुए गुड़हल के फूल और पत्ते डाल दें। इन सभी

चीजों को धीमी आंच पर 10 मिनट तक अच्छी तरह उबलने दें, ताकि गुड़हल के सारे पोषक तत्व तेल में समा जाएं। 10 मिनट बाद तेल को आंच से उतार लें और इसे पूरी तरह से ठंडा होने दें।

गुड़हल का हर्बल हेयर कैसे यूज करें?

इस तेल को किसी भी सामान्य हेयर ऑयल की तरह अपने बालों की लंबाई और स्कैल्प में अच्छी तरह लगाएं और हल्की मालिश करें।

तेल लगाने के बाद, इसे लगभग एक से दो घंटे तक बालों में लगा रहने दें, ताकि गुड़हल और नारियल के पोषक तत्व जड़ों तक समा सकें। इसके बाद, अपने बालों को शैम्पू से धो लें।

बालों के लिए गुड़हल के फायदे

गुड़हल के फूल और पत्तों में प्रोटीन, अमीनो एसिड, विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट जैसे कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों को मजबूती देने का काम करते हैं। गुड़हल के इस्तेमाल से बालों की ग्रोथ भी बेहतर होती है। डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है । यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता । ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें । एनबीटी इसकी सत्यता, सटीकता और असर की जिम्मेदारी नहीं लेता है ।

दिवाली पर शुगर कैसे रखें कंट्रोल में

मीठे के साथ खाएं फाइबर-प्रोटीन, इन 14 सावधानियों से नहीं होगा शुगर स्पाइक

दिवाली सेलिब्रेट कर रहे हैं और सेहत के ख्याल में मिठाई न खाएं तो कुछ अधूरा सा लगता है। अगर मिठाई खा लें तो ब्लड शुगर शूट-अप कर जाता है। जिन लोगों को डायबिटीज है, उनके लिए यह सबसे बड़ी मुश्किल है।अगर थोड़ी समझदारी और संयम बरतें तो आप दिवाली में मिठाइयों का पूरा मजा ले सकते हैं। इसमें ब्लड शुगर भी बेकाबू नहीं होगा। भारत में डायबिटिक पेशेंट तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 45 साल से ज्यादा उम्र के लगभग 20% लोग इससे प्रभावित हैं। इसका मतलब है कि भारत में लगभग 5 करोड़ से ज्यादा लोगों को डायबिटीज है। एक बड़ी संख्या उन लोगों की भी है, जिन्हें बॉर्डर लाइन डायबिटीज है।

दिवाली जैसे त्योहारों में घर में ढेर सारी मिठाइयां रहती हैं। रसगुल्ला, गुलाब जामुन या लड्डू में चीनी और घी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ये चीजें शरीर में तेजी से ग्लूकोज रिलीज करती हैं, जिससे ब्लड शुगर स्पाइक हो जाता है। अगर आप डायबिटिक हैं तो इंसुलिन का बैलेंस बिगड़ सकता है।

अगर डाइट पर ध्यान न दिया जाए तो त्योहार में डायबिटिक लोगों का ब्लड शुगर लेवल लगभग 20-30% तक बढ़ जाता है। मिठाइयों के अलावा तले-भुने स्नैक्स और तनाव भी शुगर लेवल को बढ़ाते हैं। लेकिन अगर आप पहले से प्लानिंग करें तो यह समस्या टाली जा सकती है।

दिवाली में सुरक्षित तरीके से मिठाई कैसे खाएं?

डॉ. बॉबी दीवान कहते हैं कि मिठाई खाएंगे तो उसका नुकसान तो शरीर को होगा। अब करना ये है कि इसे ऐसे खाएं कि स्वाद भी मिल जाए और सेहत पर बहुत अधिक प्रभाव भी न पड़े। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका ये है कि मिठाई संयम से खाएं। एक बार में ही बहुत ज्यादा मिठाई न खाएं। इसके लिए एक निश्चित समय तय कर सकते हैं। इसे खाने से पहले पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फाइबर से भरपूर चीजें खाएं। इसका मतलब ये है कि खूब सारा सलाद खाने के बाद थोड़ी मिठाई खा सकते हैं।

खाली पेट मिठाई न खाएं

खाली पेट मिठाई खाने से ग्लूकोज जल्दी ब्लड में जाता है और शुगर स्पाइक होती है। पेट में थोड़ा प्रोटीन या फाइबर होने से शुगर धीरे-धीरे रिलीज होती है।

खाने में सबसे पहले मिठाई न लें

अगर मिठाई मुख्य भोजन से पहले खाई जाए, तो ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है। पहले सब्जियां, दाल या सलाद लेने से ग्लूकोज धीरे-धीरे एब्जॉर्ब होता है। ज्यादा मिठाई खाने से इंसुलिन पर अचानक दबाव पड़ता है। शरीर इसे कंट्रोल नहीं कर पाता और शुगर तेजी से बढ़ता है।

मिठाई से पहले प्रोटीन और फाइबर लें

प्रोटीन और फाइबर शुगर की एब्जॉर्प्शन को धीमा करते हैं। इससे ब्लड शुगर स्पाइक कम होती है और इंसुलिन बेहतर काम करता है।

ऐसी मिठाई चुनें, जिसमें फैट हो

हेल्दी फैट जैसे ड्राय फ्रूट्स, शुद्ध घी वाली मिठाई शुगर को धीरे-धीरे ब्लड में रिलीज करता है। यह अचानक शुगर बढ़ने से बचाता है।

फैट फ्री और शुगर बेस्ड मिठाई न खाएं

केवल शुगर वाली मिठाई बिना फैट के तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाती है। यह इंसुलिन रेसिस्टेंस और वजन बढ़ने का कारण बन सकती है।

आर्टिफिशियल स्वीटनर मिठाई न लें

आर्टिफिशियल स्वीटनर कुछ लोगों में ग्लूकोज मेटाबॉलिज्स को प्रभावित कर सकते हैं। प्राकृतिक और कम शुगर विकल्प सुरक्षित हैं। रात में ब्लड शुगर कम होता है, और मिठाई खाने से सुबह हाइपरग्लाइसीमिया हो सकता है। नींद के दौरान इंसुलिन का स्तर सही नहीं रहता। अगर ज्यादा मिठाई खा ली है तो खाने के बाद आधा कप पानी में एक चम्मच एपल साइडर विनेगर मिलाकर पी लें। इससे ब्लड शुगर तेजी से स्पाइक नहीं होगा। यह इंसुलिन सेंसिटिविटी भी बढ़ाता है।हल्की वॉक या मूवमेंट से ग्लूकोज को मसल्स में इस्तेमाल करने में मदद करता है। इससे ब्लड शुगर तेजी से कम होता है।

त्योहारों पर मिठाइयों में मिलावट

घर पर मिलावट पहचानने के 8 तरीके, मिठाई खरीदते समय ध्यान रखें ये 7 बातें

हाल ही में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने नोएडा में 1,100 किलो से ज्यादा मिलावटी मिठाइयां जब्त कर नष्ट कराईं। यह सिर्फ एक उदाहरण है, ऐसे ही देश के तमाम शहरों में दिवाली के दौरान मिलावटखोरी का यही खेल चलता है।दरअसल हर साल दिवाली के समय मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है। इस मौके का फायदा उठाकर कुछ मिलावटखोर सस्ते और खतरनाक केमिकल्स का इस्तेमाल करके ज्यादा मुनाफा कमाने की कोशिश करते हैं।मिलावटी मिठाइयां हमारी सेहत के लिए बेहद खतरनाक हैं। यह न सिर्फ पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ाती हैं, बल्कि लिवर, किडनी और हार्ट जैसे अंगों को भी नुकसान पहुंचाती हैं। ऐसे में मिलावटी मिठाइयों को पहचान करना जरूरी है।

दिवाली के दौरान मिठाइयों में मिलावट के मामले क्यों बढ़ जाते हैं?

विाली जैसे बड़े त्योहार में मिठाइयों की डिमांड कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावटखोर दूध, खोया, घी, तेल और चीनी जैसी चीजों में सस्ते विकल्प मिलाते हैं। मिलावटखोर दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और पानी, खोए में स्टार्च और वनस्पति घी, जबकि घी में पाम ऑयल और हाइड्रोजेनेटेड ऑयल का इस्तेमाल करते हैं। वहीं मिठाइयों को चमकीला बनाने के लिए सिल्वर फॉइल की जगह एल्युमिनियम फॉइल का उपयोग करते हैं, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है।

मिलावटी मिठाइयां खाने से किस तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं?

न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि मिलावटी मिठाइयां खाने से 24 घंटे के भीतर पेट में इन्फेक्शन, अपच और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय में ये शरीर के अन्य ऑर्गन्स को भी प्रभावित करती हैं। लिवर और किडनी पर भी इसका बुरा असर पड़ता है क्योंकि ये केमिकल्स को पूरी तरह फिल्टर नहीं कर पाते हैं। बच्चों और बुजुर्गों में ये प्रभाव और गंभीर हो सकते हैं। नीचे दिए ग्राफिक से मिलावटी मिठाइयां खाने से होने वाली हेल्थ प्रॉब्लम्स के बारे में जानिए-

मिठाइयों में मिलावट की पहचान कैसे की जा सकती है?

मिठाई या उससे जुड़ी सामग्री खरीदने से पहले उसकी क्वालिटी और असली-नकली की पहचान करना बेहद जरूरी है। इसके कुछ आसान तरीके हैं। जैसेकि- दूध से बनी मिठाइयों के सैंपल में आयोडीन की 1-2 बूंदें डालें। अगर रंग नीला हो जाए तो स्टार्च की मिलावट है। खोए की जांच के लिए इसे गर्म पानी में घोलें। अगर झाग बने या गंध अजीब हो तो मिलावटी हो सकता है। घी की शुद्धता जांचने के लिए इसे गर्म करें। अगर इसमें तेज गंध या ज्यादा धुआं हो तो ये मिलावट का संकेत है।सिल्वर फॉइल को रगड़ने पर काला निशान पड़े तो यह एल्युमिनियम है, जो नकली है।शहद में पानी मिलाने पर अगर घुल जाए, तो इसमें चीनी की मिलावट है।जिन मिठाइयों में ज्यादा चमक होती है, उसमें कोडिंग हो सकती है।जो मिठाई लंबे समय से खुले में रखी होती हैं, उनमें धूल, मिट्टी और बैक्टीरिया आ जाते हैं।अगर मिठाई के ऊपर सफेद परत जम गई हो या उसमें नमी हो तो ये बासी या गलत तरीके से स्टोर की गई है।इसके अलावा और भी कुछ तरीके हैं, जिनसे मिठाई में मिलावट की पहचान की जा सकती है।

दिवाली पर मिठाई खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें?

हमेशा भरोसेमंद दुकानों से ही खरीदारी करें। रंग-बिरंगी मिठाइयां खरीदने से बचें क्योंकि इनमें आर्टिफिशियल रंग और केमिकल्स हो सकते हैं।हमेशा फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया सर्टिफिकेशन वाली पैकेज्ड मिठाइयां चुनें, जो क्वालिटी की गारंटी देती हैं। सस्ते ऑफर से सावधान रहें क्योंकि इनमें मिलावट की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखें। अगर मिठाई में मिलावट का संदेह हो तो एफएसएसएआई के टोल फ्री नंबर 1800112100 पर शिकायत दर्ज करें या फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप का इस्तेमाल करें। भारत में खाद्य पदार्थों में मिलावट पर 10 लाख रुपए तक जुर्माना और आजीवन कारावास तक का प्रावधान है।

दिवाली पर घरेलू पेट्स की सेफ्टी

पटाखों की आवाज से डर, प्रदूषण से सांस की समस्या

दिवाली रोशनी और खुशियों का त्योहार है। इस दिन लोग अपने घरों को सजाते हैं, मिठाइयां बांटते हैं और उत्साह में पटाखे जलाते हैं। लेकिन यही जश्न कई बार हमारे पालतू जानवरों (पेट्स) के लिए खतरा बन जाता है। देश में हर साल दिवाली के दौरान हजारों पेट्स पटाखों के शोर, प्रदूषण और मिठाइयों के ज्यादा सेवन से बीमार पड़ जाते हैं या तनाव में आ जाते हैं। सड़क पर घूमने वाले जानवर तो शहर के शोर में ढल जाते हैं। लेकिन घरेलू पेट्स जैसे कुत्ते, बिल्लियां और पक्षी पटाखों की तेज आवाज से डर जाते हैं और भागने लगते हैं। अमेरिकन वेटरिनरी मेडिकल एसोसिएशन की रिपोर्ट्स बताती हैं कि पटाखों से पेट्स में एंग्जाइटी, पैनिक अटैक और यहां तक कि हार्ट अटैक जैसी समस्याएं हो सकती हैं। भारत में पीईटीए (पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स) और कई अन्य एनिमल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन हर साल पशु-पक्षियों की सुरक्षा के लिए अभियान चलाते हैं। इसके बावजूद हर साल दिवाली पर 12-15 हजार पशु-पक्षी घायल हो जाते हैं। ऐसे में दिवाली के दौरान पेट्स का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है, ताकि त्योहार की खुशी उनके लिए मुसीबत न बनने पाए। दिवाली का त्योहार पेट्स के लिए कई तरह के खतरे लाता है। सबसे बड़ा खतरा पटाखों का शोर है, जो पेट्स में एंग्जाइटी, पैनिक और यहां तक कि भागने की वजह बनता है। इसके अलावा प्रदूषण से सांस की समस्या, ज्यादा मिठाइयां और चॉकलेट से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल प्रॉब्लम्स और जलते दीए या पटाखों से जलने व चोट लगने का खतरा रहता है। यह त्योहार कुत्तों, बिल्लियों और पक्षियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है क्योंकि उनकी इंद्रियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं। नीचे दिए ग्राफिक से दिवाली पर पेट्स को होने वाले मुख्य खतरों को समझिए- पेट्स की सुनने की क्षमता इंसानों से 4-5 गुना ज्यादा होती है, इसलिए पटाखों की 100-140 डेसिबल आवाज उनके लिए असहनीय होती है। इससे वे घबरा जाते हैं, कांपने लगते हैं, छिपने की कोशिश करते हैं या भागने लगते हैं।दुनिया के सबसे बड़े एनिमल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन 'रॉयल सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, पटाखों से जानवरों के डरने और उन्हें चोट लगने का खतरा होता है। दिवाली पर स्ट्रीट पेट्स भी प्रभावित होते हैं, लेकिन घरेलू पेट्स ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

यूनीक और ट्रेंडी दिवाली गिफ्ट आइडियाज

इस त्योहार अपनों को दें कुछ खास, हेल्थ और वेलनेस से जुड़े 7 यूनीक उपहार

दिवाली का त्योहार सिर्फ रोशनी और सजावट का ही नहीं, बल्कि अपनों के बीच प्यार और खुशियां बांटने का भी है। इस दिन लोग अपने घरों को सजाने के साथ ही परिवार व दोस्तों को स्पेशल महसूस कराने के लिए गिफ्ट्स भी देते हैं। यह रिश्तों में मिठास घोलने और अपनी भावनाएं व्यक्त करने का एक बेहतरीन तरीका है। हर कोई चाहता है कि उसका दिया हुआ तोहफा सामने वाले के दिल को छू ले और लंबे समय तक याद रहे। हालांकि कई बार गिफ्ट चुनते समय यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि आखिर ऐसा क्या दिया जाए, जो उपयोगी भी हो और खास भी लगे। ऐसे में जरूरी है कि गिफ्ट चुनते समय हम बजट, रिसीवर की पसंद और मौजूदा ट्रेंड का ध्यान रखें। इस दिवाली अगर आप भी अपनों के लिए अच्छा और ट्रेंडी तोहफा चुनना चाहते हैं तो यह स्टोरी आपकी मदद कर सकती है। अपने करीबियों और दोस्तों को उपहार देने की परंपरा सदियों से रही है। पहले के समय में जब लोग खेती और पशुपालन पर आधारित जीवन जीते थे, तो अपनी फसल या घर पर बनी मिठाइयों का आदान-प्रदान करते थे। इसका मकसद अपनी समृद्धि और खुशी को साझा करना था। सातवीं शताब्दी में सम्राट हर्षवर्धन के नाटक 'नागानंद' में दिवाली पर उपहार देने का उल्लेख मिलता है। यानी यह परंपरा सदियों से भारतीय समाज का हिस्सा रही है। समय के साथ गिफ्ट देने का अर्थ और गहरा होता गया। आज यह अपने प्रियजनों और सहकर्मियों के प्रति सम्मान व कृतज्ञता जताने का जरिया बन गया है।दिवाली के मौके पर गिफ्टिंग का तरीका हर साल बदलता रहता है। पहले जहां लोग मिठाई या सूखे मेवे ही चुनते थे। वहीं अब अपनों को खास और यादगार गिफ्ट देना ट्रेंड बन गया है। इस साल भी कई नए ट्रेंड्स देखने को मिल रहे हैं। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं।ज्यादातर लोग चाहते हैं कि उनके दिए गए गिफ्ट में भावनाओं और यादों की अहमियत भी शामिल हो। इसके लिए वे पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स देना पसंद करते हैं। इसमें नाम, फोटो या खास मैसेज डालकर वे गिफ्ट को और भी स्पेशल बना सकते हैं। इससे रिश्तों में नजदीकी बढ़ती है और गिफ्ट लेने वाले को यह लगता है कि यह सिर्फ एक सामान नहीं, बल्कि आपके प्यार और केयर का प्रतीक है। यही वजह है कि आजकल लोग आम आइटम्स की जगह पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स को तरजीह देते हैं।

हेल्थ और वेलनेस से जुड़े गिफ्ट्स आइडियाज में कौन-सी चीजें शामिल हैं?

आप इस दिवाली अपने पसंदीदा लोगों

को हेल्थ और वेलनेस से जुड़े कई सारे गिफ्ट्स दे सकते हैं। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं।

इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल गिफ्ट्स की लोकप्रियता क्यों बढ़ रही है?

दिवाली के मौके पर बहुत से लोग ऐसा तोहफा देना पसंद करते हैं, जिससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। वे प्लास्टिक और केमिकल से बने सामान की जगह रीयूजेबल, ऑर्गेनिक और बायोडिग्रेडेबल प्रोडक्ट्स को पसंद करते हैं।

लोग गिफ्ट्स में पौधे, मिट्टी के दीये, रीयूजेबल बैग्स और ऑर्गेनिक हैंडमेड आइटम्स देकर अपनों को खुश करते हैं। ऐसे में दिवाली के मौके पर इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल गिफ्ट्स की डिमांड भी बढ़ जाती है।

इस दिवाली टेक्नोलॉजी और डिजिटल गिफ्ट्स क्यों ट्रेंड में हैं?

टेक और डिजिटल गिफ्ट्स अब सिर्फ युवाओं तक सीमित नहीं हैं। स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ ईयरबड्स और स्मार्ट होम गैजेट्स जैसे गिफ्ट्स हर उम्र के लोगों में लोकप्रिय हो रहे हैं।

इसके अलावा ई-गिफ्ट कार्ड्स, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन और डिजिटल वाउचर्स भी काफी पसंद किए जा रहे हैं। इसका कारण सुविधा और मार्डर्न लाइफस्टाइल का मेल है। लोग चाहते हैं कि उनके गिफ्ट का इस्तेमाल तुरंत हो सके और यह उनकी जरूरत के हिसाब से प्रैक्टिकल भी हो।

कॉकरोच का 2 रुपये में होगा सफाया

भूरे पाउडर में मिला देना किचन में रखी 1 सफेद चीज, नानी मां का नुस्खा है आसान

कॉकरोच घर की सबसे बड़ी समस्या होते हैं। जो न सिर्फ गंदगी फैलाते हैं, बल्कि बीमारियों का कारण भी बनते हैं। त्योहार के मौके पर लोग सफाई करने के बाद चाहते हैं कि कॉकरोच और चूहे जैसे जीव बिल्कुल भी ना दिखे। लेकिन कई दफा क्लीनिंग के बाद भी कॉकरोच की फौज से बाहर जाती नहीं है। जबकि बाजार के केमिकल वाले स्प्रे या जेल अक्सर महंगे होते हैं और सेहत के लिए हानिकारक भी। तो नानी मां का एक ऐसा अचूक और बेहद सस्ता नुस्खा जान लीजिए। जिससे सिर्फ 2 के खर्च में इन कीड़ों को बिना मारे, हमेशा के लिए घर छोड़ने पर मजबूर कर सकते हैं। यूट्यूबर चैनल पर मिली ये ट्रिक आपके बहुत काम आएगी।

जरूरी सामग्री

आपको सबसे पहले 2 वाला कॉफी पाउडर का एक छोटा पैकेट लेना है। कॉफी में कैफीन होता है, जिसकी तेज गंध कॉकरोच को बहुत असहज करती है। इसके अलावा किचन में रखी सफेद चीज यानी कि चीनी मिलानी है। दरअसल चीनी, कॉकरोच को अट्रैक्ट करने यानी जाल में फंसाने का काम करेगी। मिश्रण तैयार करने के लिए छोटा सा कटोरा ले लें।

तैयार करें मिश्रण

कॉफी और चीनी का मिश्रण एक जादुई चारा बन जाता है। चीनी कॉकरोच को अपनी ओर खींचती है, जबकि कॉफी उन्हें घर से बाहर का रास्ता दिखाती है। आपको बाउल में कॉफी पैकेट का सारा पाउडर निकाल लेना है। इसमें आधा चम्मच चीनी मिला दें, चीनी की मात्रा कॉफी से कम ही रखनी है। दोनों चीजों को चम्मच से अच्छी तरह से मिला लें।

इस्तेमाल करने का सही तरीका

नुस्खा केवल तभी काम करेगा जब इसे उन जगहों पर रखेंगे जहां कॉकरोच सबसे ज्याद सक्रिय रहते हैं। आप सिंक के नीचे की कैबिनेट, गैस सिलेंडर के

पीछे की दीवार, फ्रिज के नीचे या पीछे का हिस्सा, स्टोर रूम या अंधेरी अलमारी के कोने..इन जगहों पर रख सकते हैं। ध्यान रहे कि कटोरे को ऐसी जगह रखें जहां बच्चे या पालतू जानवर आसानी से न पहुंच सकें, हालाँकि यह नुस्खा जहरीला नहीं है।

यूट्यूब चैनल नानी मां की किचन क्रिएशन से मिला है, जो प्राकृतिक चीजों पर आधारित है। दरअसल जब कॉकरोच चीनी के लालच में मिश्रण के पास आते हैं, तो कैफीन की तेज गंध नर्व्स सिस्टम को परेशान करती है।

यह बेचैनी उन्हें उस जगह को तुरंत छोड़ने पर मजबूर कर देती है। कॉकरोच उस गंध से दूर भागते हैं और जल्द ही घर को छोड़ देते हैं।

अडानी गूगल के पार्टनर बने

आंध्र प्रदेश में मिलकर बनाएंगे सबसे बड़ा एआई हब

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अडानी इंटरप्राइजेज गूगल का नया पार्टनर बन गया है। अडानी अपने ज्वाइंट वेंचर अडानीकॉनेक्स के माध्यम से गूगल के साथ मिलकर आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर कैंपस और न्यू ग्रीन एनर्जी इंफ्रा बनाएंगे। विशाखापट्टनम में गूगल का एआई हब पांच सालों (2026-2030) में लगभग 15 अरब डॉलर के निवेश से तैयार होगा। इस प्रोजेक्ट में गीगावाट-लेवल का डेटा सेंटर ऑपरेशन, समुद्र के नीचे केबल नेटवर्क और भारत में सबसे एडवांस एआई वर्कलोड को सपोर्ट करने वाला क्लीन एनर्जी इंफ्रा शामिल होगा। जानकारी में कहा गया है कि अडानीकॉनेक्स और एयरटेल इस प्रोजेक्ट को साकार करने के लिए गूगल के साथ मिलकर काम करेंगे।

एआई इंफ्रा का निर्माण

गूगल एआई हब भारत में महत्वपूर्ण कंप्यूटिंग कैपेसिटी को एड करेगा, जो देश की एआई कैपेसिटीज में एक बड़ा कदम होगा। दोनों कंपनियां स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं और आंध्र प्रदेश में नई ट्रांसमिशन लाइंस, क्लीन एनर्जी प्रोडक्शन और न्यू एनर्जी स्टोरेज सिस्टम में संयुक्त निवेश की योजना बना रही हैं। ये पहल न केवल डेटा सेंटर को पॉवर प्रोवाइड कराएगी, बल्कि भारत के बिजली ग्रिड को भी मजबूत करेंगी।

अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहा कि अडानी ग्रुप को इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट पर गूगल के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो भारत के भविष्य को परिभाषित करेगी। उन्होंने आगे कहा कि यह केवल इंफ्रा में निवेश से कहीं अधिक है। यह एक उभरते राष्ट्र की आत्मा में निवेश है... विशाखापट्टम अब टेक के लिए एक ग्लोबल डेस्टीनेशन बनने के लिए तैयार है, और हम इस ऐतिहासिक यात्रा के वास्तुकार बनकर रोमांचित हैं।

देश की इकोनॉमी को मिलेगा बढ़ावा

गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन ने कहा कि एआई युग में भारत की विशाल क्षमता को उजागर करने के लिए, हम गूगल एआई हब में निवेश कर रहे हैं, जो ग्रोथ को गति देने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेगा और बिजनेसेस, रिसर्चर्स और रचनाकारों को एआई के साथ निर्माण और विस्तार करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अडानी के साथ काम करते हुए, हम अपने अत्याधुनिक संसाधनों को समुदायों और ग्राहकों के करीब लाएंगे। एआई हब और इससे जुड़े कनेक्टिविटी गेटवे से विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश और पूरे भारत में इकोनॉमिक ग्रोथ को गति मिलने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट डिजिटल समावेशिता को बढ़ावा देगी और टेक्नोलॉजी, निर्माण और क्लीन एनर्जी सेक्टर में हज़ारों रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

विजय माल्या का भारतीय बैंकों पर बड़ा आरोप, कहा 'उन्हें शर्म आनी चाहिए'

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाल ही में विजय माल्या ने भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर आरोप लगाया है कि वे उनकी संपत्ति से की गई वसूली का सही और पूरा हिसाब नहीं दे रहे हैं। माल्या ने कहा है कि जब केंद्रीय वित्त मंत्री ने बैंकों को 14,100 करोड़ रुपये वापस किए जाने की आधिकारिक पुष्टि की है, तब भी बैंकों ने वसूली का सही ब्यौरा जनता के सामने नहीं रखा।

माल्या ने एक्स पर पोस्ट करके बैंकों को लताड़ लगाई और कहा कि उन्हें अपनी इस लापरवाही पर शर्मिंदा होना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि जब तक बैंकों द्वारा वसूली की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं होती, वे ब्रिटेन में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगे। माल्या का दावा है कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया में उचित जवाब केवल भारत में ही दिया जा सकता है।

क्यों खड़ा हुआ विवाद?

यह मामला उस बकाया ऋण की वसूली से जुड़ा है, जो विजय माल्या की किंगफिशर एयरलाइंस कंपनी पर बैंकों ने लगाई है। भारतीय बैंकों ने उनकी संपत्ति जब्त कर के उस से बकाया राशि वसूलने का दावा किया है। अधिकारियों के अनुसार, जब्त की गई संपत्ति से मिली राशि का इस्तेमाल लोन के कुछ हिस्से को चुकाने में किया गया है। इसी बीच, माल्या ने ब्रिटेन में अपने खिलाफ जारी दिवालियापन आदेश को रद्द कराने की अर्जी वापस ले ली है। इसका मतलब है कि दिवालियापन ट्रस्टी अब बिना रोक-टोक के भारत के स्टेट बैंक और अन्य बैंकों की मदद से किंगफिशर से जुड़े करीब 1.05 अरब पाउंड के ऋण की वसूली कर सकेगा।

ब्रिटेन में कानूनी लड़ाई का हाल?

माल्या के दिवालियापन रद्द करने की याचिका पर ब्रिटिश उच्च न्यायालय ने सुनवाई की तैयारी की थी, लेकिन माल्या की तरफ से याचिका वापस लेने के बाद सुनवाई रद्द हो गई। इससे दिवालियापन ट्रस्टी को राहत मिली कि वे अपनी जिम्मेदारी पूरी कर सकेंगे।ब्रिटिश न्यायालय ने अप्रैल में दिवालियापन आदेश को बरकरार रखा था, जो 4 साल से ज्यादा पुराना है। माल्या की याचिका में तर्क दिया गया था कि भारत में बैंकों ने ऋण की वसूली पूरी कर ली है, लेकिन भारत में चल रही संबंधित याचिका में सीमित प्रगति होने की वजह से मामला अब ब्रिटेन में जारी है।

आज टिकट लो या कल...किराया 'फिक्स', एयरफेयर का सीन चेंज करेगी यह स्कीम, कैसे आपको फायदा?

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार ने एक खास स्कीम शुरू की है। यह इंडस्ट्री में एयरफेयर का सीन बदलने की ताकत रखती है। सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू किंजरापु ने सोमवार को इसे लॉन्च किया। अलायंस एयर की इस स्कीम का नाम ' फेयर से फुर्सत ' फिक्स्ड एयरफेयर स्कीम है। इस स्कीम के तहत अलायंस एयर एक ही फिक्स्ड किराया ऑफर करेगी। इससे बुकिंग की तारीख या यात्रा के दिन की टेंशन खत्म होगी। यह पहल प्रधानमंत्री के विमानन को आम आदमी के लिए सुलभ और किफायती बनाने के विजन को आगे बढ़ाती है। स्कीम 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2025 तक चुनिंदा रूट्स पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू की जाएगी। राममोहन नायडू ने आज 'फेयर से फुर्सत' स्कीम का उद्घाटन किया। यह सरकार के स्वामित्व वाली क्षेत्रीय एयरलाइन अलायंस एयर की ऐतिहासिक पहल है। 'फेयर से फुर्सत' का मकसद यात्रियों को हवाई किराए में होने वाले उतार-चढ़ाव के तनाव से मुक्ति दिलाना है। साथ ही देश में हवाई यात्रा को आसान बनाना है। इस लॉन्चिंग प्रोग्राम में नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा, अलायंस एयर के चेयरमैन अमित कुमार और अलायंस एयर के सीईओ राजर्षि सेन भी मौजूद थे। स्कीम के तहत अलायंस एयर एक ऐसा सिंगल, फिक्स्ड किराया पेश करेगी जो बुकिंग की तारीख पर निर्भर नहीं करेगा। यानी, आप चाहे कितने भी दिन पहले टिकट बुक करें या फिर यात्रा के दिन ही क्यों न बुक करें, किराया वही रहेगा। इस पहल को 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2025 तक कुछ चुनिंदा रूट्स पर आजमाया जाएगा। इसका मकसद यह देखना है कि यह स्कीम कितनी कारगर है और यात्रियों को यह कितनी पसंद आती है। लॉन्च के मौके पर मंत्री ने कहा, 'नई स्कीम 'उड़ान' स्कीम के मूल सिद्धांतों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। आज अलायंस एयर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विमानन को आम आदमी के लिए सुलभ और किफायती बनाने के विजन को आगे बढ़ा रही है। खासकर मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग और नव-मध्यम वर्ग को इससे फायदा हुआ है।' उन्होंने आगे बताया कि इस फिक्स्ड किराए की व्यवस्था से हवाई किराए में होने वाली अनिश्चितता और तनाव खत्म हो जाएगा।

भारत वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बनकर उभर रहा : आईएमएफ की प्रमुख

'नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत दुनिया के विकास का एक प्रमुख इंजन बनकर उभर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने यह बात कही है। 2025 आईएमएफ-विश्व बैंक वार्षिक बैठक से पहले आईएमएफ प्रमुख ने कहा, मध्यम अवधि में वैश्विक विकास दर लगभग 3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह महामारी से पहले 3.7 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक विकास के पैटर्न में बदलाव आ रहा है, विशेष रूप से चीन की विकास दर में लगातार गिरावट आ रही है। वाशिंगटन डीसी में आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में बोलते हुए जार्जीवा ने भारत को दुनिया के विकास का एक प्रमुख इंजन बताया। भारत के आर्थिक लचीलेपन का जॉर्जीवा ने चार कारण बताए। उन्होंने कहा कि बेहतर नीतिगत और बुनियादी बातों, निजी क्षेत्र के बढ़िया प्रदर्शन, शुरुआती समय में टैरिफ का आशंका से कम प्रभाव और सहायक वित्तीय स्थितियों से देश आर्थिक मोर्चे पर सशक्त बना है। हालांकि, जॉर्जीवा ने कहा कि टैरिफ का पूरा असर अभी सामने आना बाकी है। अमेरिका के बारे में बोलते हुए जॉर्जीवा ने कहा कि मार्जिन में कमी के कारण वहां कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। मौद्रिक नीति व विकास पर इसका असर पड़ने की आशंका है। जॉर्जीवा ने यह भी कहा कि वैश्विक लचीलेपन का अभी तक पूरी तरह से परीक्षण नहीं हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि सोने की बढ़ती मांग और आसान वित्तीय स्थितियां कमजोरियों को छिपा सकती हैं। जॉर्जीवा ने देशों को आगाह किया कि वे संस्थानों को मजबूत बनाने, संपत्ति के अधिकारों की रक्षा करने और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने वाले सुधारों के जरिए निजी क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान दें। उन्होंने एशियाई अर्थव्यवस्थाओं से लंबे समय में सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए आंतरिक व्यापार बढ़ाने की भी अपील की।

टूटने वाला है टैरिफ का चक्रव्यूह?

मिशन के लिए रेडी भारत की 'सीक्रेट' टीम, क्या जल्द देंगे खुशखबरी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने अपने टैरिफ के 'चक्रव्यूह' में पूरी दुनिया को फंसा दिया है। इसे भेदने का एक ही तरीका है- अमेरिका के साथ व्यापार समझौता। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की कोशिशें तेज हुई हैं। इस दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए भारत का एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल इस हफ्ते अमेरिका की यात्रा पर जाएगा। यह यात्रा दोनों देशों के बीच चल रही व्यापार वार्ता का एक और दौर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की थी। बताया था कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है।

यह समझौता फरवरी से ही चर्चा में है। तब दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने अपने अधिकारियों को एक डील पर काम करने और 2025 की शरद ऋतु तक इसके पहले चरण को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया था। अब तक बातचीत के पांच दौर पूरे हो चुके हैं। एक अधिकारी ने बताया, 'भारतीय टीम इस हफ्ते दौरा करेगी।' उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि चर्चाएं सही रास्ते पर हैं। ये अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं। अब देखना ये है कि डील पर खुशखबरी कब तक आती है। इसी बीच अमेरिका और चीन के बीच टेंशन बढ़ गई है। अमेरिका ने भारत से मदद की अपेक्षा की है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चीन की नई निर्यात पाबंदियों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश चीन को रेयर अर्थ यानी दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के निर्यात पर मनमानी करने नहीं देंगे। बेसेंट ने इसे ग्लोबल सप्लाई चेन पर सीधा हमला बताया है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति 'चीन बनाम बाकी दुनिया' जैसी है। अमेरिका अपने साथी देशों के साथ मिलकर काम करेगा।

इनमें भारत और यूरोपीय सहयोगी शामिल हैं। पिछले महीने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल न्यूयॉर्क गए थे। वहां उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के साथ व्यापार परामर्श के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। उस बैठक के बाद दोनों पक्षों ने आपसी रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के शीघ्र निष्कर्ष के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी। अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान गोयल ने यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर और भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। उन्होंने प्रस्तावित व्यापार ढांचे के कई पहलुओं पर चर्चा की। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका ने भारतीय सामानों पर 25% का जवाबी टैरिफ और अतिरिक्त 25% का जुर्माना लगाया है। यह कदम भारत की ओर से रूस से कच्चे तेल की लगातार खरीद के जवाब में उठाया गया है। इससे भारतीय निर्यात पर कुल 50% का टैरिफ हो गया है। यह स्थिति द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के महत्व को और बढ़ा देती है। व्यापारिक बाधाओं को यह कम करने में मदद करेगा।इस समझौते का लक्ष्य 2030 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुने से ज्यादा बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। वर्तमान में यह व्यापार 191 अरब डॉलर है। 2024-25 में लगातार चौथे साल अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना हुआ है। कुल व्यापार 131.84 अरब डॉलर का है। इसमें भारत से 86.5 अरब डॉलर का निर्यात शामिल है।फिलहाल, अमेरिका भारत के कुल माल निर्यात का लगभग 18% हिस्सा है। आयात में इसका हिस्सा 6.22% है और देश के कुल व्यापार में 10.73% है। इसलिए, यह प्रस्तावित समझौता नई दिल्ली की बाहरी व्यापार रणनीति के लिए बहुत अहम है। यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को आसान बनाने में मदद करेगा। इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

हम अंत तक लड़ेंगे... ट्रेड वॉर को लेकर चीन ने अमेरिका को दिया कड़ा जवाब, क्या ट्रंप ने चुन लिया बर्बादी का रास्ता?

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर फिर से शुरू हो गया। मंगलवार को चीन ने अमेरिका को कड़ा जवाब देते हुए कहा कि वह इस लड़ाई को 'आखिरी दम तक' लड़ने के लिए तैयार है। यह बयान तब आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी सामानों पर 100% अतिरिक्त टैरिफ (शुल्क) लगाने की घोषणा की। इससे चीन पर कुल टैरिफ बढ़कर 130% हो गया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि टैरिफ वॉर और ट्रेड वॉर के मामले में चीन का रुख हमेशा एक जैसा रहा है। प्रवक्ता ने अमेरिका से कहा कि अगर आप लड़ना चाहते हैं, तो हम आखिरी दम तक लड़ेंगे। वहीं अगर आप बातचीत करना चाहते हैं, तो हमारा दरवाजा हमेशा खुला है। शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि यह नया टैरिफ, चीन के दुर्लभ पृथ्वी पर एक्सपोर्ट कंट्रोल के फैसले का सीधा जवाब है। चीन इन दुर्लभ पृथ्वी में दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है।

दोनों नेताओं की मुलाकात पर सवाल

इस फैसले से दक्षिण कोरिया में ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की नियोजित मुलाकात पर भी सवालिया निशान लग गया। टैरिफ के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी चेतावनी दी कि वाशिंगटन 1 नवंबर से किसी भी और सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर एक्सपोर्ट कंट्रोल भी लागू करेगा।

चीन ने दिया नियमों का हवाला

चीन ने अपने कदमों का बचाव करते हुए कहा कि दुर्लभ पृथ्वी से जुड़े ये उपाय कानूनी और जरूरी हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री के प्रवक्ता ने कहा कि चीन यह दोहराना चाहता है कि दुर्लभ पृथ्वी और संबंधित वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण उपाय चीनी सरकार द्वारा कानूनों और नियमों के अनुसार अपनी निर्यात नियंत्रण प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए की गई वैध कार्रवाई हैं।

रेयर अर्थ में चीन का दबदबा

रेयर अर्थ यानी दुर्लभ पृथ्वी ऐसे तत्व होते हैं जो आधुनिक तकनीक जैसे कि स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक कार और सैन्य उपकरणों में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। चीन इन तत्वों का सबसे बड़ा उत्पादक होने के कारण दुनिया भर में इसका दबदबा रखता है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ और चीन द्वारा निर्यात नियंत्रण, दोनों ही देशों के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाते हैं। यह देखना बाकी है कि यह व्यापार युद्ध आगे किस दिशा में जाएगा और इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा।

ट्रंप लगातार टैरिफ बढ़ाकर अमेरिका को गर्त में धकेल रहे हैं। अमेरिका के कई आर्थिक विशेषज्ञ ट्रंप के इस फैसले पर सवाल उठा चुके हैं।

चीन, अमेरिका या कोई और... टनों के हिसाब से सोना खरीदकर कौन खराब कर रहा है आपकी दिवाली?

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हमारे देश में धनतेरस पर सोना खरीदने की पुरानी परंपरा रही है। एक अनुमान के मुताबिक हमारे देश में लोगों के पास करीब 25,000 टन सोना है। इस साल सोने की कीमत रॉकेट की स्पीड से बढ़ी है। इससे नवरात्रि के दौरान सोने की बिक्री में पिछले साल के मुकाबले करीब 25 फीसदी गिरावट आई। इसी तरह सोने के आभूषणों की एडवांस डिपॉजिट स्कीम में जमा होने वाली राशि में भी बड़ी गिरावट आई है। साफ है कि ऊंची कीमतों के कारण सोने के आभूषणों की खरीद कम हो गई है। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना आज 2,300 रुपये से ज्यादा तेजी के साथ 1,26,930 रुपये पर पहुंच गया। धनतेरस पर सोने की कीमत 1,30,000 रुपये पहुंचने का अनुमान है। यानी इस बार कई लोगों को दिवाली और धनतेरस पर सोना खरीदने की योजना को ठंडे बस्ते में डालना पड़ेगा। सोने की कीमत में इस साल 50% से ज्यादा तेजी आई है। पिछले साल मार्च से सोने की कीमत में केवल चार बार मासिक गिरावट आई है।

पिछले 12 महीने में इसका मार्केट कैप 10 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। सोमवार को इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 4,130 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। इसी तरह एक ही दिन में इसका मार्केट कैप करीब 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़कर 27.649 ट्रिलियन पहुंच गया है। सवाल है कि सोने की कीमत क्यों बढ़ रही है? इसके पीछे कई तर्क दिए जा रहे हैं। एक वजह यह भी मानी जा रही है कि दुनिया भर के सेंट्रल बैंक सोने की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। 2024 में सेंट्रल बैंक्स ने लगातार तीसरे वर्ष 1,000 टन से ज्यादा सोना खरीदा। इससे उन्हें अपने विदेशी मुद्रा भंडार को डाइवर्सिफाई करने में मदद मिलती है। सेंट्रल बैंक पिछले 15 साल से गोल्ड के नेट बायर रहे हैं लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद इसमें काफी तेजी आई है।पिछले साल सबसे ज्यादा गोल्ड खरीदने के मामले में पोलैंड पहले नंबर पर रहा। इस देश के केंद्रीय बैंक ने इस दौरान सबसे ज्यादा 89.5 टन सोना खरीदा। पोलैंड में हाल के वर्षों में अमीरी तेजी से बढ़ी है और उसका गोल्ड रिजर्व 515 टन पहुंच चुका है। पोलैंड के बाद दूसरे नंबर भारत रहा। हमारे रिजर्व बैंक ने पिछले साल 72.6 टन सोना खरीदा। भारत का कुल गोल्ड रिजर्व अब 880 टन है। पिछले साल चीन ने 44.2 टन, चेक रिपब्लिक ने 20.5 टन और किर्गीजस्तान ने 16.6 टन सोने की खरीद की।2015 से 2024 तक के आंकड़े देखें तो इस दौरान चीन ने सबसे ज्यादा 1208.4 टन सोना खरीदा है।

शेयर बाजार में बिकवाली हावी; सेंसेक्स 297 अंक गिरा, निफ्टी 25200 से नीचे फिसला

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट के साथ क्लोजिंग हुई। इस दौरान सेंसेक्स 297.07 अंक या 0.36% गिरकर 82,029.98 पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 81.85 अंक या 0.32% गिरकर 25,145.50 पर बंद हुआ।30 शेयरों वाले सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, टीसीएस और एनटीपीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। ये 1.4% से 1.8% के बीच गिरे। व्यापक बाजार भी दबाव में रहे। स्मॉल-कैप और मिड-कैप सूचकांक क्रमशः लगभग 0.9% और 0.8% गिरकर बंद हुए। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, जो बेंचमार्क सूचकांकों का हिस्सा नहीं है ने शानदार शुरुआत की।

यह अपने इश्यू मूल्य से 50% प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ और 48.2% की बढ़त के साथ बंद हुआ। यह 2021 में इटरनल के बाद किसी बिलियन डॉलर के आईपीओ का सबसे मजबूत प्रदर्शन था। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे गिरकर 88.81 (अनंतिम) के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - कन्या	मे	कन्या--	04-17 बजे
चंद्र - कर्क	मे	तुला----	06-22 बजे
मंगल-तुला	मे	वृश्चिक...	08-32 बजे
बुध - तुला	मे	धनु.....	10-46 बजे
गुरु - मिथुन	मे	मकर...	12-53 बजे
शुक्र - कन्या	मे	कुंभ....	14-43 बजे
शनि मीन	मे	मीन....	16-21 बजे
राहु कुंभ	मे	मेष.....	17-56 बजे
केतु सिंह	मे	वृष.....	19-42 बजे
		मिथुन..	21-42 बजे
		कर्क...	23-56 बजे
		सिंह---	02-06 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-11
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-53
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण बुधवार 15 October
तिथि - नवमी 10-34 तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - पुष्य 11-59 तक उपरान्त आश्लेषा
योग - साध्य 02-56 तक उप शुभ
करण - गर 10-34 तक उप वणिज
व्रत
त्योहार

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-02 से 13-30 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
लाभ	06-11 - 07-38 शुभ	उत्पात	17-53 - 19-25 अशुभ
अमृत	07-38 - 09-06 शुभ	शुभ	19-25 - 20-57 शुभ
काल	09-06 - 10-34 अशुभ	अमृत	20-57 - 22-30 शुभ
शुभ.	10-34 - 12-02 शुभ	चंचल	22-30 - 00-02 शुभ
रोग	12-02 - 13-30 अशुभ	रोग	00-02 - 01-34 अशुभ
उत्पात	13-30 - 14-57 अशुभ	काल	01-34 - 03-06 अशुभ
चंचल	14-57 - 16-25 शुभ	लाभ	03-06 - 04-38 शुभ
लाभ	16-25 - 17-53 शुभ	उत्पात	04-38 - 06-11 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आप भावनात्मक निजता की ओर ज़्यादा आकर्षित हो सकते हैं, और अपने रिश्ते को शांति और सार्थक तरीके से पोषित करना पसंद कर सकते हैं। संतुलन की चाहत संवेदनशील पलों को सहज बनाने में मदद करती है और आपके साथी के साथ विचारशील आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
रचनात्मक चिंगारी आपके कार्यों के प्रति दृष्टिकोण को निखारती है, जिससे नियमित कार्य भी प्रेरणादायी लगते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, जिससे आपको उन सूक्ष्म समाधानों को पहचानने में मदद मिलती है जो दूसरों से छूट सकते हैं। महत्वाकांक्षा प्रभावशाली सफलताओं का कारण बन सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
जिस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आपने नींव बिछाने का कार्य किया था उसका फल आज से आपको मिलने लगेगा । हालांकि कुछ महत्वपूर्ण संकेतो को आप शायद न देख पाओ और निराशा और आलसीपन आप में विकसित हो सकता है। अगर आप अपने प्रयासों में कमी लाएंगे तो आपकी सारी की गई मेहनत पर पानी फिर सकता है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन अपने विरोधियों को आमंत्रित करने एवं अपने बुनियादी ढांचे और अपनी ताक़त को दिखाने का एक सही दिन है। इसकी वजह से आपके धुर विरोधी बोली से पहले ही हार जाएंगे या किसी परियोजना पर आप अपने हस्ताक्षर कर पायेंगे जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जाएगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
जब आप सावधानीपूर्वक, विचारशील दृष्टिकोण अपनाते हैं तो आपका करियर और पढ़ाई बेहतर होती है। स्थिर प्रगति फोकस और योजना के साथ आती है। आपका प्राकृतिक आकर्षण आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि एक जमीनी मानसिकता आपको ट्रैक पर रखती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप आत्मविश्वासी और सक्षम महसूस करेंगे, खास तौर पर शैक्षणिक या कार्य सेटिंग में। अपनी ऊर्जा को व्यावहारिक कार्यों में लगाएं और अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें। मानसिक स्पष्टता आपको जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से संभालने में मदद करती है। इस उत्पादक और प्रेरित ऊर्जा का अधिकतम लाभ उठाने के लिए शारीरिक गतिविधि को ध्यान के साथ संतुलित करें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने कार्य संबंधों को बेहतर बनाने पर ध्यान दें। अपने अंतर्ज्ञान को अपना मार्गदर्शक बनने दें। आपका तार्किक दृष्टिकोण और दिमाग का उपयोग आपको अपने अहंकार को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने में मदद करेगा। एक सफल वक्ता या लेखक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए इसका उपयोग करें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योंकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपकी प्रेरणा और अनुशासन आपको काम पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद करते हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, लेकिन भावनात्मक कार्यस्थल स्थितियों में सतर्क रहें। एक व्यावहारिक मानसिकता अच्छे निर्णयों का समर्थन करती है। संघर्षों से बचें और सार्थक अनुभवों को अपने मार्ग को आकार देने दें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका दिन आपके पेशेवर जीवन में सौभाग्य के अवसर लेकर आ रहा है। अंतर्ज्ञान, विशेष रूप से प्रभावशाली महिलाओं के साथ, सहज और समझदारी भरे संवादों में सहायक होता है। रचनात्मकता और आत्मविश्वास आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद करते हैं, जिससे आपको पहचान मिलना आसान हो जाता है।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका करिश्मा पेशेवर परिस्थितियों में प्रशंसा अर्जित करता है, जिससे आप आसानी से केंद्र में आ जाते हैं। आप कार्यों को मौलिकता से करते हैं और नए, अपरंपरागत विचारों के लिए खुले हैं। निष्पक्षता की इच्छा आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करती है, जिससे सहयोग सहज होता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सौम्या चौरसिया ने आय से 50 करोड़ ज्यादा कमाए

यह 1872% एक्स्ट्रा, 8000 पन्नों की चार्जशीट पेश ईओडब्ल्यू इतिहास में सबसे बड़ी कमाई वाला केस

रायपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव रही सौम्या चौरसिया के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 8000 पन्नों की चार्जशीट पेश किया है। कोयला घोटाला और आय से अधिक संपत्ति मामले में रायपुर की स्पेशल कोर्ट में चालान पेश किया गया। चार्जशीट के मुताबिक, सौम्या ने अपने 17 साल की सर्विस में करीब 50 करोड़ की अवैध कमाई की।

यह कमाई सौम्या की कुल वैध आय 2.5 करोड़ से 1872.86% ज्यादा है। इसके अलावा 45 बेनामी अचल संपत्ति में चौरसिया ने निवेश किया है। सबसे ज्यादा निवेश साल 2019 से 2022 के बीच किया गया है। अधिकारियों ने इसे ईओडब्ल्यू के इतिहास में आय से अधिक कमाई का सबसे बड़ा केस बताया है।

परिवार के कई सदस्यों के नाम पर खरीदी संपत्ति

विशेष अदालत में पेश की गई 8000 पन्नों की चार्जशीट में ईओडब्ल्यू ने बताया कि, सौम्या

चौरसिया ने पद पर रहते हुए 49 करोड़ 69 लाख 48 हजार रुपए से अधिक की अवैध कमाई की है। इस आय को उसने अलग-अलग प्रॉपर्टी में इंवेस्ट किया है।

ईओडब्ल्यू ने बताया कि सौम्या चौरसिया ने अपने 17 साल की सर्विस में सही तरीके से सिर्फ 2 करोड़ 51 लाख रुपए ही कमाए हैं। यानी 1872.86 प्रतिशत कमाई हिस्सा अवैध है।

सौम्या चौरसिया की पहली पोस्टिंग डिप्टी कलेक्टर के तौर पर बिलासपुर हुई थी। इससे पहले साल 2005 में वो लेखाधिकारी के तौर पर काम कर रही थीं। इसके बाद साल 2019 सीएम कार्यालय में उप सचिव का पद मिला।

सौम्या चौरसिया को कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने 2 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। हालांकि, वे अभी जमानत पर बाहर हैं। जांच के अनुसार सौम्या ने कथित कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग की राशि से चल-अचल संपत्तियां अर्जित की थी। जिससे कई बेनामी संपत्ति भी बनाई।

विशेष न्यायालय ने चार्जशीट स्वीकार करने के बाद मामले की सुनवाई शुरू होगी। अब ईओडब्ल्यू के साक्ष्य और दस्तावेजों के आधार पर अदालत में ट्रायल चलेगा। जिसमें सौम्या चौरसिया की बेनामी संपत्तियों की जब्ती, बैंक खातों की जांच और संलग्न व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाला किया गया है। इस मामले में 36 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ईडी का आरोप है कि कोयले के परिचालन, ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन करने समेत कई तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध वसूली की गई है।

छत्तीसगढ़ में अवैध कोल लेवी वसूली का मामला ईडी की रेड में सामने आया था। दावा है कि, कोल परिवहन में कोल व्यापारियों से वसूली करने के लिए ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफलाइन कर दिया गया था। खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक आईएएस समीर विश्नोई ने 15 जुलाई 2020 को इसके लिए आदेश जारी किया था।

ईडी की रिपोर्ट पर एसीबी/ईओडब्ल्यू ने 2 पूर्व मंत्रियों, विधायकों सहित 36 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। जिस पर अब एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम जांच कर रही है। आईएएस रानू साहू के अलावा आईएएस समीर विश्नोई, सौम्या चौरसिया, जेडी माइनिंग एसएस नाग और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी को गिरफ्तार किया गया था।

ईडी की चार्जशीट के अनुसार तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल की उप सचिव सौम्या चौरसिया और कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी आईपीएस पारूल माथुर, आईपीएस प्रशांत अग्रवाल और आईपीएस भोजराम पटेल के संपर्क में थे। इन अफसरों पर आरोप है कि इन्होंने विभाग की ऑफिशियल जानकारी सूर्यकांत तिवारी को दी।

वहीं आईपीएस पारूल माथुर पर आरोप है कि वे कारोबारी तिवारी के कहने पर कोयला लेकर जा रहे वाहनों पर एक्शन लेती थी। वहीं कॉन्स्टेबल अमित कुमार दुबे पर ईडी अफसरों की जासूसी करने का आरोप है।

बीमा की राशि के लिए पत्नी की हत्या

आरोपी पति ने मर्डर को हादसे का रूप देने का किया प्रयास, चार माह पहले ही हुई थी शादी

हजारीबाग, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हजारीबाग के बरही में 2 अक्टूबर को नवविवाहित समवंती कुमारी की हुई मौत मामले का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया। समवंती की मौत सड़क हादसे में नहीं बल्की उसकी हत्या की गई थी।

समवंती की हत्या उसके पति ने ही की थी ताकि उसे पत्नी के नाम पर किए गए बीमा की राशि 15 लाख रुपए मिल सके। समवंती की शादी मुकेश कुमार मेहता से चार माह पूर्व ही हुई थी।

समवंती कुमारी बरही के दोनई कला गांव की निवासी थीं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बताया कि 2 अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि पदमा से भद्रकाली जाने वाले रास्ते में एक दंपती सड़क पर बेहोश पड़े हैं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को अस्पताल भेजा, जहां महिला को मृत घोषित कर दिया गया। घायल मुकेश मेहता बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल चले गए।

इधर, घटना के तीन दिन बाद

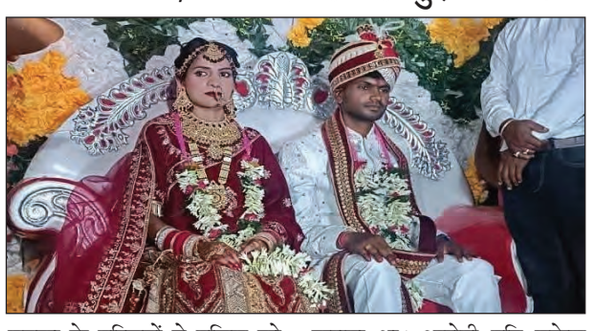

मृतका के परिजनों ने पुलिस को आवेदन दिया। उन्होंने आशंका जताई कि यह सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या है।

परिजनों ने बताया कि मृतका के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे और न ही घायल मुकेश मेहता के शरीर या बाइक पर कोई खरोंच थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की।

कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी मुकेश कुमार मेहता ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसने तीन महीने पहले ही अपनी पत्नी के नाम पर 15 लाख रुपए का एलआईसी कराया था। आरोपी पति मुकेश कुमार मेहता ने इस वारदात को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया।

एसडीपीओ के अनुसार, पुलिस को दिए बयान में मुकेश ने बताया कि उसने घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। उसने सुनसान रास्ते पर अपनी पत्नी को हेलमेट से मारा। जब वह बेहोश हो गई तो उसका गला और मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या का एकमात्र उद्देश्य पत्नी के नाम पर कराए गए 15 लाख रुपए के बीमा का लाभ लेना था।

सारंडा को सेंचुरी बनाने का विरोध

आदिवासियों ने निकाली विशाल जन आक्रोश रैली, सड़क जाम कर किया विरोध प्रदर्शन

चाईबासा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में मंगलवार को सामाजिक संगठनों के बैनर तले आदिवासियों ने सारंडा को वाइल्ड लाइफ सेंचुरी घोषित करने के विरोध में विशाल जन आक्रोश रैली निकाली।

यह रैली चाईबासा के गांधी मैदान से शुरू होकर उपायुक्त कार्यालय तक पहुंची। यहां संगठन प्रतिनिधियों ने राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इसके बाद रैली में शामिल लोगों ने गीतिलिपी स्थित टाटा कॉलेज मोड़ पर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। रैली का नेतृत्व आदिवासी मुंडा समाज विकास समिति के केंद्रीय अध्यक्ष बुधराम लागुरी ने किया। उन्होंने कहा कि सारंडा को किसी भी कीमत पर वन्यजीव अभ्यारण्य घोषित नहीं होने दिया जाएगा। लागुरी ने बताया कि सारंडा केवल वन्यजीवों का आश्रयस्थल नहीं,

बल्कि आदिवासी-मूलवासी और आदिम जनजातियों की जीवन रेखा है। सारंडा वन क्षेत्र में 50 राजस्व ग्राम और 10 वन ग्राम हैं, जहां लगभग 75 हजार लोग निवास करते हैं।

यहां रहने वाले समुदायों का जंगल से गहरा सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक संबंध है। सारंडा के जंगलों में स्थित सरना, देशाउली, ससनदिरी और मसना जैसे पवित्र स्थल उनकी पहचान और संस्कृति का प्रतीक हैं। जंगल से मिलने वाले लघु वनोपज, जड़ी-बूटियां और लौह अयस्क की खदानों में मिलने वाला रोजगार स्थानीय लोगों की आजीविका का प्रमुख साधन है। यदि सारंडा को वाइल्ड लाइफ सेंचुरी घोषित किया गया, तो लोगों की आजीविका, सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक अस्तित्व खतरे में पड़ जाएंगे।

संगठनों ने इस निर्णय को संविधान की पांचवी अनुसूची के प्रावधानों के विरुद्ध बताया, जिसमें आदिवासी क्षेत्रों के संरक्षण और उनके अधिकारों की रक्षा का प्रावधान है।

पुलिसकर्मी की पत्नी को रेपकर हथियार से काट डाला

सूरजपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। 14 अक्टूबर, ये वही तारीख है, जब सूरजपुर में हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी और बेटी को कातिलों ने काट डाला। पहले मां से रेप किया, फिर चाकू से मारा। बच्ची के कपड़े उतारे, फिर धारदार हथियार से वारकर मार डाला। लाश को नग्न कर घर से 5किमी दूर फेंक दिए थे।

वारदात को आज एक साल पूरे हो गए हैं। मर्डर केस में 5 आरोपी जेल में बंद हैं। हत्याकांड का मास्टरमाइंड कुलदीप साहू है। साथ ही एनएसयूआइ नेता सीके चौधरी समेत 3 लोगों ने मिलकर मर्डर किया। 2 और साथियों ने भागने में मदद की। आरक्षक पर खौलता तेल फेंका था। पुलिस पर फायरिंग की थी।

वारदात के बाद भड़के लोगों ने मुख्य आरोपी कुलदीप साहू के घर में आग लगा दी थी। सूरजपुर में चक्काजाम कर प्रदर्शन किया था।

भारतमाला घोटाला: किसानों को डराकर जमीन अपने नाम कराई

दलाल–राजस्व अफसरों की सांठगांठ, फर्जी साइन, बैक डेट में तैयार डॉक्यूमेंट्स से 32 करोड़ मुआवजा लिया

रायपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भारतमाला परियोजना घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। चार्जशीट में एजेंसी का दावा है कि घोटाला करने के लिए राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने जमीन दलालों के साथ मिलकर सिंडिकेट बनाया था।

जमीन दलाल हरमीत सिंह खनूजा समेत कई निजी व्यक्तियों को प्रोजेक्ट से प्रभावित किसानों के पास भेजा गया। दलालों ने किसानों से संपर्क किया और उन्हें बताया कि उनके राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटियां हैं, नामांतरण अधूरा है, सीमांकन नहीं हुआ है। इस वजह से उन्हें मुआवजा नहीं मिलेगा।

उन्होंने दावा किया कि उनका पटवारी, तहसीलदार और एसडीएम से अच्छा संबंध है, जिससे वे रिकॉर्ड दुरुस्त करा सकते हैं और किसानों को अधिक मुआवजा दिला सकते हैं। इस झांसे में आकर किसानों से

दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए।

ईओडब्ल्यू ने रायपुर की स्पेशल कोर्ट में सोमवार (13 अक्टूबर) को 12 बंडलों में 8000 पन्नों का चालान पेश किया। जिसमें ये खुलासा हुआ है। वहीं, आरोपियों ने 32 करोड़ का घोटाला कर पैसे आपस में बांटे इसका भी जिक्र है।

उमा तिवारी को फर्जी जमीन मालिक दिखाकर केदार तिवारी, हरमीत खनूजा और विजय जैन ने उगेतरा की जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाए और 2.13 करोड़ रुपए मुआवजा लिया, जिसे आपस में बांट लिया।

नवा रायपुर के नायकबांधा, उरला और टोकरो की जमीनों के बैक डेट में दस्तावेज तैयार कर बंटवारा दिखाया गया और 26.79 करोड़ रुपए का मुआवजा लिया गया। नायकबांधा डैम के लिए अधिग्रहित जमीन को दोबारा भारतमाला प्रोजेक्ट में अधिग्रहित दिखाकर 2.34 करोड़ रुपए का मुआवजा दोबारा लिया गया।

हरमीत खनूजा की पत्नी तहसीलदार है। हरमीत ने विजय जैन, खेमराज कोसले और केदार तिवारी के साथ मिलकर बैक डेट में फर्जी बंटवारा, नामांतरण और ब्लैंक चेक और आरटीजीएस फार्म पर हस्ताक्षर कराए।

आईसीआईसीआई बैंक, महासमुंद में खाता खुलवाकर मुआवजे का पैसा कई निजी संस्थाओं में जमा कराया गया और बाद में उसे निकालकर आपस में बांट लिया गया। ईओडब्ल्यू तत्कालीन एसडीएम निर्भय साहू, आरआई रोशन लाल वर्मा, तहसीलदार शशिकांत कुर्रे, नायब तहसीलदार लखेश्वर प्रसाद किरण, पटवारी जितेंद्र साहू, बसंती घृतलहरे, दिनेश पटेल और लेखराम देवांगन की भूमिका की जांच कर रही है।

नक्सलियों ने गला घोंटकर भाजपा कार्यकर्ता को मार डाला

पर्चे में लिखा–मुखबिर था, ढाई साल में 10 भाजपा नेता, 10 शिक्षादूतों को कुल्हाड़ी से काटा

बीजापुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने भाजपा कार्यकर्ता की रस्सी से गला घोंट दिया। भाजपा कार्यकर्ता को उसके ही घर में तड़पा-तड़पाकर मार डाला। बताया जा रहा है कि मंगलवार तड़के सुबह 4-5 बजे हत्या की है। मामला इलमिडी थाना क्षेत्र के मुजाल कांकेर का है।

जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम सत्यम पुनेम है, जो मुजाल कांकेर का रहने वाला था। नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक में हत्या की है। लाश के पास पर्चा छोड़कर मर्डर की जिम्मेदारी ली है। पर्चे में लिखा है कि पुनेम पुलिस तक जानकारी पहुंचाता था, इसलिए हत्या की गई है।

बस्तर में नक्सलियों ने ढाई साल में 10 बीजेपी नेताओं को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला है। सत्यम पुनेम की 11वीं हत्या है। वहीं नक्सलियों ने 10 शिक्षादूतों का भी गला काटा है। इसके अलावा 25 साल में बस्तर के अलग-अलग जिलों में 1820 से ज्यादा लोगों की हत्याएं की है।

दरअसल, 14 अक्टूबर की सुबह करीब 4-5 बजे हथियारबंद नक्सली मुंजाल कांकेर पहुंचे। यहां भाजपा कार्यकर्ता सत्यम पुनेम के घर में घुसे। सत्यम पुनेम घर में ही था। इस दौरान नक्सलियों ने अपने साथ लाए रस्सी से सत्यम पुनेम का गला घोंट दिया।

नक्सलियों ने मर्डर के बाद सत्यम पुनेम की लाश के पास

एक पर्चा भी छोड़ दिया। पर्चे में लिखा कि सत्यम पुनेम को कई बार चेतावनी दी गई थी, इसके बाद भी वह पुलिस की मुखबिरी करता रहा।

इसके बाद मद्देड एरिया कमेटी ने मौत की सजा दी है।

इसके अलावा पिछले 6 दिनों में ये तीसरी हत्या है। इससे पहले माओवादियों ने 2 ग्रामीणों की भी हत्या की थी। इसमें एक की गोली मारकर हत्या की गई है, जबकि दूसरे को धारदार हथियार से वारकर मार डाला है।

रायगढ़ कृषि महाविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में निकला कोबरा

रायगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले के बोइरदादर स्थित कृषि महाविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में रसोई में कोबरा सांप घुस गया। सांप को देखकर छात्राओं में अफरा-तफरी मच गई। दोपहर करीब 3 बजे जब छात्राओं ने रसोई में फन फैलाए नाग को देखा, तो वे घबरा गईं और उसे भगाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुईं। इसके बाद हॉस्टल प्रबंधन ने तत्काल सर्पपरक्षक समिति रायगढ़ को सूचना दी। सूचना मिलते ही समिति के उपाध्यक्ष रवि मिरी मौके पर पहुंचे। उन्होंने छात्राओं को सांप के व्यवहार के बारे में जानकारी देते हुए सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और करीब 4.5 फीट लंबे नाग को सुरक्षित एक बॉक्स में पकड़ा।

पाम ऑयल से भरा टैंकर पलटा

सड़क पर तेल फैलने से ग्रामीणों में जमा करने की होड़, पुलिस ने संभाले हालात

हजारीबाग, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हजारीबाग में सोमवार देर रात एनएच-2 पर गोरहर थाना क्षेत्र के पास एक पाम ऑयल टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। टैंकर से कच्चा पाम ऑयल सड़क पर फैल गया, जिसे इकट्ठा करने के लिए आसपास के ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।

यह घटना सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे हुई। कोलकाता के हल्दिया से हाजीपुर, पटना जा रहा टैंकर संख्या गोरहर थाना क्षेत्र में डिवाइडर से टकराकर पलट गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, टैंकर का टाई रॉड कट जाने से स्टीयरिंग जाम हो गया था, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा।

दुर्घटना के बाद सड़क पर भारी मात्रा में कच्चा पाम ऑयल फैल गया। सुबह होते ही आसपास के गांवों से ग्रामीण मौके पर पहुंचने लगे। वे इस तेल को खाने योग्य रिफाइंड समझकर बाल्टी, बोतल

और ड्रम जैसे बर्तनों में भरकर अपने घर ले जाने लगे। इस दौरान घटनास्थल पर अफरातफरी और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ग्रामीण यह नहीं समझ पाए कि यह कच्चा (रॉ) पाम ऑयल है, जो सीधे मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त होता है।

अन्य वाहन चालकों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया कि यह तेल खाने योग्य नहीं है, लेकिन कई ग्रामीणों ने इन चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए तेल जमा करना जारी रखा। टैंकर पलटने के कारण एनएच-2 पर दोनों ओर लंबा जाम लग गया, जिससे कई घंटों तक वाहन फंसे रहे। सूचना मिलते ही गोरहर थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित किया और स्थिति को सामान्य करने का प्रयास किया।

थाना प्रभारी ने बताया कि भारी वाहन को सड़क से हटाने का काम शुरू कर दिया गया था और अब मार्ग को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे कच्चे पाम ऑयल का उपयोग न करें, क्योंकि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

जमीन विवाद में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष की हत्या

गांव के ही दंपती पर लगा आरोप कुल्हाड़ी से गर्दन और सिर पर किया वार

पलामू, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के पांकी प्रखंड में मंगलवार को झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष मुन्ना सिन्हा (40) की हत्या कर दी गई। यह घटना जमीन विवाद को लेकर हुई, जिसमें उनके गांव के ही अरुण ठाकुर और उसकी पत्नी पर हत्या का आरोप लगा है। मुन्ना सिन्हा की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुई।

जानकारी के अनुसार, मुन्ना सिन्हा अपने घर के पास एक खेत की जुताई कराने के लिए ड्राइवर के साथ ट्रैक्टर लेकर गए थे। खेत में उन्हें देखकर अरुण ठाकुर वहां पहुंचा और उनसे बातचीत करने लगा।

आरोप है कि बातचीत के दौरान अरुण की पत्नी ने उसे (कुल्हाड़ी) पकड़ाई, जिसके बाद अरुण ने मुन्ना सिन्हा पर गर्दन और सिर पर हमला कर दिया।

हमले में गंभीर रूप से घायल मुन्ना सिन्हा खेत में ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। ट्रैक्टर ड्राइवर ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया।

उन्हें तुरंत पांकी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच रेफर कर दिया।

हालांकि, एमएमसीएच पहुंचने से पहले ही मुन्ना सिन्हा ने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक की मां चिंतामणि देवी ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि अरुण ठाकुर के साथ जमीन का विवाद था, लेकिन उनका मानना था कि यह सुलझ गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद अरुण ने खेत में जाने पर उनके बेटे की हत्या कर दी।

मुन्ना सिन्हा अपने घर के इकलौते बेटे थे और उनकी दो छोटी बेटियां हैं। घटना की सूचना मिलते ही झामुमो जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा और जिले के अन्य पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

शव का पोस्टमॉर्टम एमएमसीएच में कराया गया। पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि हत्या के आरोपियों की तलाश की जा रही है।

झारखंड से 118 दिन बाद मानसून हुआ विदा

सुबह–शाम लग रही हल्की ठंड, इस साल सामान्य से 23% अधिक बारिश

रांची, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में 118 दिनों तक चले दक्षिण-पश्चिम मानसून का सोमवार को आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने इसकी पुष्टि की।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि इस वर्ष मानसून 17 जून को राज्य में प्रवेश किया था। राज्य में मानसून के दौरान सामान्य से 23 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई।

अब राज्य शुष्क मौसम की ओर बढ़ने लगा है। यही वजह है कि अहले सुबह और देर शाम ठंड लग रही है। मानसून के 118 दिनों में झारखंड में कुल 1243.9 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य वर्षा 1009.0 मिमी से 23 प्रतिशत अधिक है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद के अनुसार, यह पिछले एक दशक में हुई सबसे ज्यादा वर्षा है। इससे पहले 2016 में 1101.88 मिमी बारिश हुई थी।

इस वर्ष झारखंड के 24 जिलों में से 8 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई, जबकि 15 जिलों में सामान्य बारिश दर्ज की गई और एक जिले में कम बारिश हुई। पूर्वी सिंहभूम में 1666.1 मिमी वर्षा हुई, जो 52 प्रतिशत अधिक रही, जबकि गोड्डा जिले में 18 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई।

लोहा व्यवसायी के घर जीएसटी रेड

टैक्स चोरी की आशंका पर कार्रवाई, दस्तावेजों की चल रही गहन जांच, हो रही पूछताछ

बोकारो, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बोकारो जिले के चास स्थित मानसरोवर ब्लॉक डी में लोहा व्यवसायी प्रदीप तलबलिया के आवास पर जीएसटी टीम ने छापेमारी की। यह कार्रवाई टैक्स चोरी की आशंका के तहत की जा रही है।

सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर सीआरपीएफ के जवान तैनात किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह कार्रवाई गहन तरीके से की जा रही है। दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।

जीएसटी विभाग के आधा दर्जन से अधिक वरिष्ठ अधिकारी सात गाड़ियों में मौके पर पहुंचे। छापेमारी में चास थाना की पुलिस भी सहयोग कर रही है। टीम ने परिसर में आने-जाने वाले लोगों की सघन तलाशी शुरू कर दी है।

जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोग और पड़ोसी भी छापेमारी की गतिविधियों को देखकर हैरान हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत सभी संभावित रास्तों पर निगरानी रखी जा रही है।

छापेमारी के दौरान व्यवसायी के आवास पर दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण कागजात जब्त किए हैं। प्रदीप तलबलिया से पूछताछ जारी है।

उनकी व्यवसायिक गतिविधियों और लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। सूत्रों की माने तो इस छापेमारी में व्यापार से जुड़े किसी भी प्रकार के अनियमित लेन-देन का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

चीन ने बनाया स्टील्थ विमानों को पकड़ने वाला रडार

राफेल को भूल जाएं, अब अमेरिकी एफ-22 की भी खैर नहीं

बीजिंग, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन ने ऐलान किया है कि उसने दुनिया के पहले अल्ट्रा लो नॉइज, चार चैनलों वाले सिंगल-फोटॉन डिटेक्टर का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर दिया है। फोटान कैचर नाम का यह उपकरण एक सिंगल फोटान- यानी ऊर्जा की सबसे छोटी इकाई- का पता लगा सकता है। इस खूबी के कारण यह उपकरण स्टील्थ विमानों का पता लगाने और उन पर नजर रखने के लिए क्वांटम कम्युनिकेशन और क्वांटम रडार जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का एक प्रमुख कंपोनेंट बन गया है। फोटान कैचर को अनहुई प्रांत स्थित क्वांटम इंफॉर्मेशन इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर ने विकसित किया है।

चीनी सरकार ने दी क्वांटम रडार की सूचना

पिछले शुक्रवार को चीन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रकाशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेली ने फोटान कैचर के विकास की सूचना दी। अखबार के अनुसार, चीन ने अपने बड़े पैमाने पर उत्पादन के माध्यम से क्वांटम सूचना प्रौद्योगिकी के मुख्य घटकों में आत्मनिर्भरता और अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व हासिल कर लिया है। जैसा कि नाम से पता चलता है, सिंगल-फ़ोटॉन डिटेक्टर एक अति-संवेदनशील उपकरण है जो एकल फोटॉनों का पता लगाने में सक्षम है।

जब इंसान किसी तस्वीर को देखता है तो एक साथ अनगिनत फोटान उसकी आंखों में प्रवेश करते हैं। उनमें से केवल एक फोटॉन को अलग करना, आंधी के बीच गिरते रेत के एक कण की आवाज को पहचानने के समान बताया गया है। एकल फोटॉनों का पता लगाने की क्षमता का अर्थ है कि अत्यंत धीमी ऊर्जा संकेतों को भी पकड़ा जा सकता है, जिसे क्वांटम कम्युनिकेशन और क्वांटम रडार तकनीकों को साकार करने के लिए मूलभूत माना जाता है।

अमेरिकी F-22 को आसानी से डिटेक्ट करेगा चीन

वर्तमान में, अमेरिकी F-22 जैसे पारंपरिक स्टील्थ विमान रेडियो तरंगों को अवशोषित या विक्षेपित करने के लिए विशेष कोटिंग्स और एयरफ्रेम डिजाइन पर निर्भर करते हैं, जिससे वे पारंपरिक रडार के लिए अदृश्य हो जाते हैं। क्वांटम रडार अलग तरह से काम करता है। जब एक स्टील्थ विमान क्वांटम रडार द्वारा उत्सर्जित फोटॉनों को रोकता है, तो उन फोटॉनों के मूल क्वांटम गुण बदल जाते हैं।

क्वांटम यांत्रिकी के नो-क्लोनिंग थ्योरम के तहत विमान द्वारा उत्सर्जित झूठे संकेत भी मूल फोटॉन की भौतिक विशेषताओं की नकल नहीं कर सकते। लक्ष्य से परावर्तित एकल फोटॉनों की स्थिति का विश्लेषण करके, क्वांटम रडार ऐसे धोखे को प्रभावी ढंग से पहचान सकता है। इसके अलावा, क्वांटम रडार कम दृश्यता वाले लक्ष्यों का पता लगाने में सुधार करता है, फिर भी यह अपेक्षाकृत कम बिजली की खपत करता है और इसे विभिन्न प्लेटफार्मों पर तैनात किया जा सकता है। न्यूनतम ऊर्जा उत्सर्जित करने के कारण, क्वांटम रडार का पता लगाना कठिन होता है और यह जटिल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वातावरण में अधिक विश्वसनीयता और गोपनीयता प्रदान करता है।

अंतरिक्ष में नया स्टार वॉर, ट्रंप का 'गोल्डन डोम' बनाम चीन का ग्लोबल मिसाइल शील्ड

स्पेस जंग में कौन जीतेगा?

वॉशिंगटन/बीजिंग, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। फर्ज कीजिए दुश्मन देश परमाणु बम गिराने के लिए इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल दागता हो और एक एयर डिफेंस सिस्टम उसे स्पेस में मारकर गिरा दे, यानि एक ऐसा सिस्टम, जो शहरों और दुनिया को परमाणु हमले से बचा सके। अमेरिका और चीन के बीच एक ऐसा ही सिस्टम बनाने की रेस चल रही है।

1983 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीदन ने 'स्ट्रैटजिक डिफेंस इनिशिएटिव यानी एसडीआई', जिसे स्टारवार्स कहा गया था, नाटकीय अंदाज में उसकी घोषणा की थी। इसका मकसद अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) को अंतरिक्ष में ही नष्ट करना ताकि अमेरिका पर परमाणु हमला रोका जा सके। उस समय उन्होंने ये घोषणा तत्कालीन सोवियत संघ को चुनौती देने के लिए की थी। लेकिन 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद अमेरिका ने इस कार्यक्रम को बंद कर दिया। उस घटना के अब चार दशक बीतने के बाद अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ऐसे ही एक प्रोग्राम की घोषणा की है, लेकिन इस बार दुश्मन सोवियत संघ नहीं, बल्कि चीन है।

मई 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोल्डन डोम नाम से एक नया मिसाइल शील्ड कार्यक्रम शुरू की थी, जिसकी लागत लगभग 175 अरब डॉलर है। इंडिया टुडे के एक लेख में सीनियर डिफेंस एनालिस्ट संदीप उन्नीनाथन ने लिखा है कि इस बार अंतरिम में आईसीबीएम को रोकने के लिए अमेरिका और चीन के बीच रेस चल रही है। संदीप ने लिखा है कि गोल्डन डोम का स्ट्रक्चर, रोनाल्ड रीगन की एसडीआई जैसी ही है, इसमें स्पेस-बेस्ड इंटरसेप्टर लगाए जाने की योजना है जो दुश्मन की मिसाइल को उसके प्रक्षेपण के कुछ सेकंड बाद ही निशाना बना सकें। यह सिस्टम 2029 तक पूरी तरह संचालित होने की उम्मीद है।

अमेरिका की डिफेंस कंपनियां, लॉकहीड मार्टिन, बोइंग, RTX और नॉर्थरोप ग्रुमनइसके शुरुआती डिजाइन पर काम कर रही हैं। दूसरी तरफ चीन ने दावा किया है कि वह इस क्षेत्र में अमेरिका से आगे निकल चुका है। 3 सितंबर 2025 को द्वितीय विश्व युद्ध की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित सैन्य परेड में चीन ने 6 प्रकार की इंटरसेप्टर मिसाइलें प्रदर्शित कीं और यह दावा किया कि उसने एक ग्लोबल डिफेंस सिस्टम का प्रोटोटाइप तैनात कर दिया है। चीनी वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने डिस्ट्रीब्यूटेड अर्ली वॉर्निंग डिटेक्शन बिग डेटा प्लेटफॉर्म डेवलप किया है। उनका कहना है कि उनका सिस्टम एक ही साथ हजारों मिसाइलों पर नजर रख सकता है।

चीन और अमेरिका के बीच स्पेस शील्ड बनाने की रेस

संदीप उन्नीनाथन के मुताबिक अमेरिका और चीन के बीच स्पेस में डिफेंस शील्ड बनाने की रेस शीतयुद्ध की क्षलक देना है। चीन ने परेड में अपनी न्यूक्लियर ट्रायड यानि जमीन, समुद्र और वायु से लॉन्च होने वाले परमाणु हथियारों का भी प्रदर्शन किया था।

यूक्रेन के पूर्वोत्तर शहर पर रूस का ग्लाइड बम और ड्रोन से हमला

अस्पताल बना निशाना, सात घायल

कीव, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर सोमवार रात शक्तिशाली ग्लाइड बम और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में एक अस्पताल को निशाना बनाया गया। इसमें सात लोग घायल हो गया। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने के लिए वॉशिंगटन रवाना होने वाले हैं। जेलेंस्की अमेरिका से और अधिक सैन्य मदद मांग सकते हैं। खारकीव में शहर के मुख्य अस्पताल को निशाना बनाया गया। क्षेत्रीय प्रमुख ओलेह सिनेहुबोव ने बताया कि इस हमले के बाद 50 मरीजों को तुरंत अस्पताल से बाहर निकाला गया। जेलेंस्की ने कहा कि हमले का मुख्य लक्ष्य ऊर्जा से जुड़ी सुविधाएं थीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वास्तव में कौन-कौन से ठिकाने निशाना बने हैं।

जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, 'रूस हर दिन, हर रात हमारे उर्जा संयंत्रों, बिजली की लाइनों और प्राकृतिक गैस संसाधनों पर हमला कर रहा है। रूस की यह लंबी दूरी की हमले की रणनीति फरवरी 2022 से चली आ रही है, जब उसने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया था। इसका मकसद यूक्रेन की बिजली आपूर्ति को ठप करना है, ताकि सर्दियों में आम नागरिकों को गर्मी और पीने के पानी से वंचित किया जा सके।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने दुनिया के देशों से अपील की कि वे यूक्रेन को और अधिक वायु रक्षा प्रणाली उपलब्ध कराएं, ताकि वह रूस के इन हमलों को रोक सके। उन्होंने कहा कि यूक्रेन लगभग टेक्सस (अमेरिका का दक्षिणी राज्य) जितना बड़ा देश है और उसे पूरी तरह से हवाई हमलों से बचाना आसान नहीं है। जेलेंस्की ने कहा, 'हम अमेरिका, यूरोप, जी7 और उन सभी देशों की ओर देख रहे हैं, जिनके पास ये प्रणालियां हैं और वे इन्हें देकर हमारे नागरिकों की रक्षा कर सकते हैं। दुनिया को मॉस्को को वास्तव में बातचीत की मेज पर लाने के लिए मजबूर करना होगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति शुक्रवार को वॉशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच होने वाली बातचीत का मुख्य विषय अमेरिका की ओर से यूक्रेन को नई और उन्नत लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति हो सकता है, ताकि यूक्रेन रूस पर जवाबी हमला कर सके।

रोहिंग्या उग्रवादियों को भेजा तो तबाही मचा देंगे

म्यांमार की अराकान आर्मी ने बांग्लादेश को दी चेतावनी, मोहम्मद यूनुस को धमकाया

ढाका, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। म्यांमार की अराकान आर्मी ने बांग्लादेश को रोहिंग्या उग्रवादियों का समर्थन करने के लिए धमकी दी है। अराकान आर्मी के राजनीतिक संगठन यूनाइटेड लीग ऑफ अराकान (यूएलए) ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को कड़ी चेतावनी भेजी है। इसमें कहा गया है कि वह अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) और रोहिंग्या सॉलिडैरिटी ऑर्गनाइजेशन (आरएसओ) जैसी उग्रवादी संगठनों की सैन्य गतिविधियों पर तत्काल लगाम लगाए। इसने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर बांग्लादेश ने चेतावनी को नजरअंदाज किया तो पूरे क्षेत्र की स्थिरता को खत्म कर दिया जाएगा।

अराकान आर्मी ने कहा है कि बांग्लादेश ने अगर उग्रवादियों पर लगाम नहीं लगाया तो ना सिर्फ बांग्लादेश, बल्कि सीमा क्षेत्रों और पूरे आसियान क्षेत्र की स्थिरता पर पड़ सकता है। यह चेतावनी 11 अक्टूबर को जारी एक प्रेस बयान में दी गई हैं, जिसमें यूएलए ने म्यांमार के राखाइन प्रांत में हुई एक ताज़ा हिंसक घटना के बारे में जानकारी दी गई है। बयान के मुताबिक, 11 अक्टूबर को दोपहर करीब तीन बजे एआरएसए और आरएसओ के सशस्त्र लड़ाकों ने मोंगडॉ क्षेत्र के लेक के पास तीन मोटरसाइकिल सवारों पर हमला किया था, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हुए। आपको बता दें कि अराकान आर्मी ने सेना को हराते हुए म्यांमार के रखाइन राज्य पर कंट्रोल कर लिया है। वहीं बांग्लादेश के रोहिंग्या शरणार्थियों ने पिछले कुछ महीनों से रखाइन राज्य पर हमले शुरू कर दिए हैं। यूएलए ने आरोप लगाया कि इस हमले के पीछे न सिर्फ एआरएसए और आरएसओ के उग्रवादी शामिल हैं बल्कि उन्हें बाहरी समर्थन भी मिल रहा है। इसने दावा किया है कि उग्रवादियों से जो गोला-बारूद और हथियार मिले हैं, उससे पता चलता है कि उन्हें कहीं से मदद दी जा ही है। हालांकि इसने ये भी कहा है कि म्यामार की सेना के भ्रष्ट अधिकारी भी इन्हें हथियार मुहैया करवाते हैं। अराकान आर्मी की धमकी को बांग्लाश आसानी से नहीं ले सकता है। यूएलए ने अपने बयान में यह भी कहा कि बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के कुछ अधिकारी भी एआरएसए और आरएसओ को समर्थन दे रहे हैं।

संगठन का आरोप है कि घायल या मारे गए एआरएसए लड़ाकों को संघर्ष क्षेत्र से बाहर निकालने, उन्हें चिकित्सीय सहायता, भोजन, हथियार, और सुरक्षा देने में कुछ बीजीबी अधिकारी सहयोग कर रहे हैं।

दुनिया में फैली इन्फ्लूएंजा

जापान ने तो महामारी घोषित कर दी स्कूल-कॉलेज बंद, भारत भी परेशान

टोक्यो, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया में इन दिनों इन्फ्लूएंजा ने दहशत मचाई हुई है। इस कारण बढ़ते मरीजों की संख्या से परेशान जापान ने महामारी की घोषणा कर दी है। सिर्फ जापान में ही नहीं, बल्कि कई देशों में इन्फ्लूएंजा फ्लू ने कहर बरपाया हुआ है। भारत में भी इसके मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इन्फ्लूएंजा फ्लू से सबसे ज्यादा प्रभावित मरीज कम उम्र के हैं। यह फ्लू मरीज में बुखार, खांसी और गले की खसखसाहट से शुरू हो रहा है और देखते ही देखते पूरे शरीर को कमजोर बना दे रहा है। इस कारण कई देशों में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में भी जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली है। जापान के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया है कि इन्फ्लूएंजा के मामलों में अनुमान से पांच हफ्ते पहले रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई।

पाकिस्तानी रक्षामंत्री बोले- अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल

संघर्ष फिर शुरू हो सकता है, दोनों देशों की सेनाएं अलर्ट पर

इस्लामाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है।

उन्होंने कहा कि फिलहाल दोनों देशों में कोई झड़प नहीं हो रही है, लेकिन दोनों देशों के बीच संबंध ठंड पड़ गए हैं। आसिफ ने आगे कहा, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हमें तुरंत प्रतिक्रिया देने का अधिकार है।

इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 11 अक्टूबर को देर रात पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियों पर हमला कर दिया था। सोमवार को बॉर्डर पर दोनों देशों की सेनाएं अलर्ट पर रहीं। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और यात्रियों का आना-जाना बंद रहा।

अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसकी सेना ने शनिवार रात (11 अक्टूबर) को पाकिस्तान सीमा पर हुई झड़प में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियां कब्जे में ले लीं। इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके सिर्फ 25 सैनिक मारे गए, जबकि उसने 200 तालिबानी लड़ाकों को ढेर कर दिया।

टीटीपी: पाकिस्तान का विद्रोही संगठन

2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो कई लड़ाके पाकिस्तान के कबाइली इलाकों में छिप गए।

2007 में बेतुल्लाह मेहसूद ने 13 विद्रोही गुटों को मिलाकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बनाया।

इसमें बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सेना के विरोधी गुट के लोग शामिल थे। इनकी लड़ाई पाकिस्तान की सेना और सरकार के खिलाफ है।

इस संगठन से जुड़े कई समर्थक पाकिस्तानी सेना में मौजूद हैं। अमेरिका ने पाकिस्तान को चेताया है कि टीटीपी एटमी हथियारों तक पहुंच सकता है।

2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे टीटीपी नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था।टीटीपी का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है।

टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

टीटीपी पश्तून समुदाय की गरीबी, बेरोजगारी और सरकार की अनदेखी जैसी शिकायतों का फायदा उठाता है।

बराकर नदी में मिला लापता युवक का शव

धनबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद के मैथन ओपी क्षेत्र में दो दिनों से लापता युवक मिथुन प्रसाद का शव बराकर नदी में मिला है। प्रोफेसर कॉलोनी निवासी मिथुन रविवार शाम से लापता था, जिसका शव मंगलवार को नदी में उपलाता पाया गया। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

सूचना मिलते ही मैथन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शव की पहचान होने के बाद मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक के भाई विजय प्रसाद ने बताया कि रविवार शाम मिथुन अपने दो दोस्तों के साथ आसनसोल कपड़ा खरीदने गया था। देर शाम उसने फोन कर कहा था कि वह दस मिनट में लौट रहा है, लेकिन इसके बाद वह घर नहीं लौटा।

केमिकल गोदाम-कपड़ा फैक्टरी में भीषण आग, नौ लोगों की मौत

बढ़ सकता है मृतकों का आंकड़ा

ढाका, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मीरपुर इलाके के शियालबाड़ी में मंगलवार को एक रसायनिक (केमिकल) गोदाम और कपड़ा फैक्टरी में भीषण आग लगने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है। वहीं कई अन्य लोग घायल हो गए।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हादसा अचानक हुआ और आग ने तेजी से पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

घटनास्थल से कई झुलसे हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

मामले में फायर सर्विस एंड सिविल डिफेंस के ऑपरेशन्स डायरेक्टर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने जानकारी दी कि मृतकों के शव गारमेंट फैक्ट्री की दूसरी और तीसरी मंजिल से बरामद किए गए हैं। अधिकारी के अनुसार, आग से निकले जहरीले धुएं के कारण दम घुटने से मौत हुई हो सकती है, हालांकि पूरी सच्चाई जांच के बाद सामने आएगी।

घटना की सूचना मिलने पर 12 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम जारी है। आग सुबह करीब 11:40 बजे लगी थी और तेजी से पूरी इमारत में फैल गई, जिसमें दोनों फैक्ट्रियां स्थित थीं।

इसी बीच, तीन झुलसे हुए लोगों को ढाका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में भर्ती कराया गया है। घायलों में 30 वर्षीय मो. सूरज को मामूली जलन हुई है, जबकि मो. ममून (35) और सोहेल (32) को धुएं की वजह से सांस लेने में तकलीफ है। तीनों का इलाज चल रहा है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है।

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने इटली पीएम मेलोनी से कहा- स्मोकिंग छोड़ दो

मैक्रों बोले- यह नामुमकिन

अंकारा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। तुर्किये के राष्ट्रपति राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से स्मोकिंग छोड़ने के लिए कहा है। दोनों नेताओं ने सोमवार को मिस्र में गाजा पीस समिट में मुलाकात की।

इस दौरान एर्दोगन ने कहा, मैंने आपको हवाई जहाज से उतरते देखा। आप शानदार लग रही हैं, लेकिन मुझे आपको स्मोकिंग छुड़वानी होगी।

इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हंसते हुए कहा कि यह असंभव है। मेलोनी ने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया,

मुझे पता है, लेकिन मैं किसी को मारना नहीं चाहती।

उन्होंने बताया कि स्मोकिंग छोड़ने से उनकी सामाजिकता कम हो सकती है। मेलोनी ने एक किताब में स्वीकार किया कि 13 साल तक धूम्रपान छोड़ने के बाद उन्होंने फिर से धूम्रपान शुरू कर दिया था।

मेलोनी मानती हैं कि स्मोकिंग उन्हें ग्लोबल लीडर्स के साथ रिश्ते मजबूत करने में मदद करती है। वहीं, एर्दोगन ने तुर्किये को स्मोकिंग फ्री बनाने का संकल्प लिया है।

एच1बी वीजा बैन, भारतीयों का प्रत्यर्पण

अमेरिका की पहचान स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के संदेश को ही भूले ट्रंप

वाशिंगटन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन नीतियां एक सदी से भी ज्यादा समय से स्वतंत्रता, स्वाधीनता तथा पीड़ितों और शोषितों के लिए आशा और अवसर के वैश्विक प्रतीक के रूप में न्यूयॉर्क हार्बर पर खड़ी स्टैच्यू ऑफ़ लिबर्टी के सबको शरण देने के संदेश और संविधान के उन मूल सिद्धातों के विपरीत है जिसपर अमेरिका का निर्माण हुआ था। इतिहास बताता है कि 28 अक्टूबर 1886 को करीब 140 वर्ष पूर्व 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी' को न्यूयार्क में हडसन नदी के लिबर्टी द्वीप पर इसलिए स्थापित किया गया था ताकि वह दुनिया भर से समुद्र के रास्ते अमेरिका आने वाले अप्रवासियों को यह संदेश दे सके कि अमेरिका के द्वार सबके लिए खुले हैं।

फ्रांस की ओर से अमेरिका को उपहार में दी गई इस प्रतिमा के चबूतरे पर अमेरिकी कवियत्री एम्मा लाज़ारस की कविता 'द न्यू कोलोसस' की वह अमर पंक्तियां अंकित हैं जिसमें लिखा है 'दुनियाभर के थके-मांदे, गरीब, शोषित और आज़ादी की सांस लेने को तरसते लोगों को मेरी शरण में भेज दो। मेरी धरती अवसरों की धरती है, जहां हर इंसान स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीवन जी सकेगा।' इन पंक्तियों को स्टैच्यू ऑफ़ लिबर्टी की उस मूल भावना की सुंदर अभिव्यिक्ति के रूप में देखा जाता है जो दुनिया भर के पीड़ित लोगों को अमेरिका की शरण में आने के लिए आमंत्रित करती हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई आव्रजन नीतियां पूरी तरह से इस परिभाषित संदेश के विपरीत जा रही हैं।

कई कार्यकारी आदेशों और प्रशासनिक उपायों के माध्यम से सरकार वैध और अवैध, दोनों तरह के अप्रवासियों पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रही है। इसके लिए वीजा नियमों की सख्ती,अवैध अप्रवासियों की धरपकड़ कर उन्हें निर्वासित करने की कार्रवाई जारी है। डिपार्टमेंट आफ होमलैंड सेक्यूरटी (डीएचएस) ने 23 सितंबर को जारी बयान में स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका में खुली सीमाओं का युग अब समाप्त हो गया है।

डीएचएस के अनुसार 20 जनवरी से लेकर जुलाई के बीच 20 लाख अवैध अप्रवासी अमेरिका छोड़ चुके हैं। जिनमें से लगभग 16 लाख स्वेच्छा से निर्वासित हो गए जबकि 4 लाख से ज़्यादा लोगों को जबरन निर्वासित किया गया है। ऐसी नीतियों का प्रशासन और ट्रंप समर्थकों की ओर से यह कहते हुए बचाव किया जा रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी लोगों के लिए रोजगार सुरक्षा के नजरिए से आव्रजन नियंत्रण ज़रूरी है। उनका तर्क है कि स्टैच्यू ऑफ़ लिबर्टी द्वारा दर्शाए गए आदर्श तभी प्रासंगिक बने रह सकते हैं जब राष्ट्रीय हितों की रक्षा के व्यावहारिक उपायों के साथ इनका सामंजस्य बिठाया जा सके।

गौरव वल्लभ बोले- कांग्रेस में अब केवल वंशवादी व पीए कल्चर वाले ही टिकते हैं, राहुल गांधी पर आरोप

उदयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य और पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने कांग्रेस नेतृत्व और उसकी कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस में केवल दो तरह के लोग सफल हो सकते हैं- एक वंशवाद से जुड़े नेता और दूसरे वरिष्ठ नेताओं के पीए रह चुके लोग। वल्लभ ने आरोप लगाया कि राजस्थान में वंशवाद और परिवारवाद की राजनीति का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर रहे हैं, जबकि पार्टी अब ऐसे लोगों का समूह बन चुकी है जहां जमीनी कार्यकर्ताओं की कोई जगह नहीं बची है।

'मुझे भाजपा का स्लीपर सेल कहना, राहुल गांधी...'

वल्लभ ने कांग्रेस की ऑब्जर्वर और महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री यशोमती ठाकुर के हालिया बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्हें भाजपा का स्लीपर सेल कहा गया था। उन्होंने कहा कि यह बयान केवल उन्हें बदनाम करने के लिए नहीं, बल्कि राहुल गांधी की आलोचना करने वालों को चुप कराने के लिए स्क्रिप्ट के रूप में तैयार किया गया है। उनके अनुसार, इस पूरी रणनीति के पीछे अशोक गहलोत की भूमिका है, जिन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ बयान बुलवाने के लिए योजना बनाई।

'नई दिल्ली में रहकर इस्लामाबाद की भाषा क्यों बोलते हैं?'

गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी की राजनीतिक सोच और बयानबाजी पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नई दिल्ली में रहकर इस्लामाबाद की भाषा क्यों बोलते हैं? क्या उनकी स्क्रिप्ट पाकिस्तान से आती है? वल्लभ ने कहा कि भारतीय करदाता राहुल गांधी के घर और सुरक्षा पर खर्च करते हैं, लेकिन संसद में वे ऐसे सवाल उठाते हैं जो पाकिस्तान के पक्ष में जाते हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि पाकिस्तान में राजनीतिक वैक्यूम है, कांग्रेस चाहे तो राहुल गांधी को वहां से चुनाव लड़वा सकती है।

'गांधी परिवार की आलोचना करने वाले को कांग्रेस में इनाम मिलता है'

पूर्व कांग्रेस नेता ने कहा कि जब वे पार्टी में थे, तब उन्होंने पूरी निष्ठा से कांग्रेस की सेवा की, लेकिन अब पार्टी की परंपरा ऐसी हो गई है कि जो गांधी परिवार की अवहेलना करता है या विधायकों को गायब करवाने में भूमिका निभाता है, उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। वल्लभ के अनुसार, पार्टी में जो खुले तौर पर राहुल गांधी का समर्थन नहीं करते, उन्हें टिकट और मंत्री पद तक मिल जाते हैं, जबकि जमीनी कार्यकर्ता हाशिए पर चले गए हैं।

पाकिस्तान मुद्दे पर कांग्रेस की सोच पर सवाल

वल्लभ ने कहा कि जब भारतीय सेना पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद देश का गौरव बढ़ा रही थी, उस समय राहुल गांधी संसद में पूछते हैं कि हमारे कितने विमान गिरे? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को यह पूछना चाहिए था कि पाकिस्तान के कितने विमान गिरे। वल्लभ ने कहा कि सेना प्रमुख ने खुद स्पष्ट किया था कि भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ, फिर भी राहुल गांधी उस पर भरोसा नहीं करते।

'कांग्रेस अब जमीनी पार्टी नहीं रही'

गौरव वल्लभ ने उदाहरण देते हुए कहा कि उदयपुर विधानसभा चुनाव के दौरान एक कांग्रेसी नेता के पीए ने उनके खिलाफ बयान दिया, फिर भी पार्टी ने कोई कार्रवाई नहीं की। उनका कहना था कि आज कांग्रेस पार्टी जमीनी राजनीति से कट चुकी है और केवल वंशवाद व पीए कल्चर का संगठन बनकर रह गई है।

बंगाल में बीजेपी सांसद को पीट रहे टीएमसी के गुंडे

महिलाएं असुरक्षित', मंत्री गजेंद्र सिंह का बयान

'बीकानेर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह ने बयान दिया है। सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ हुए गैंगरेप मामले को लेकर देशभर में आक्रोश है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि रात में लड़कियों को कॉलेज के बाहर नहीं जाना चाहिए। इस बयान ने व्यापक विवाद खड़ा कर दिया है और विपक्षी दलों ने इसे महिलाओं के प्रति असंवेदनशील करार दिया है। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह ने ममता सरकार पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल में सुरक्षा की स्थिति बेहद खराब है।

उन्होंने कहा कि राज्य में न रात में कोई सुरक्षित है और न ही दिन में, और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध इस बात का प्रमाण हैं। गजेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि एक महिला मुख्यमंत्री होते हुए ममता बनर्जी का यह बयान न केवल असंवेदनशील है, बल्कि इससे यह संदेश जाता है कि पीड़ितों को अपने आप को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी लेनी होगी, जबकि अपराधियों पर कठोर कार्रवाई नहीं हो रही।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी के गुंडों द्वारा भाजपा सांसद पर हाल ही में हमला किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, और इस तरह की अराजक परिस्थितियों में महिलाओं का असुरक्षित होना और उनके साथ दुराचार होना आम बात बन गई है। गजेंद्र सिंह ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री ने अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की होती, तो यह स्पष्ट संदेश जाता कि भविष्य में कोई भी अपराध करने से पहले सोचेगा।

गजेंद्र सिंह ने चेतावनी दी कि लोकतंत्र में ममता बनर्जी के इस बयान का जवाब अगले चुनाव में वहां की माताएं, बहनें और बेटियां निश्चित रूप से देंगी। वे कांग्रेस के नेता और पूर्व सांसद रामेश्वर डूडी को श्रद्धांजलि देने बीकानेर पहुंचे थे।

7 लाख करोड़ के एमओएयू सार्वजनिक करने की मांग

गहलोत बोले- जनता खुद फीडबैक दे देगी

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में राइजिंग राजस्थान निवेश समिट में किए गए 35 लाख करोड़ रुपए के एमओएयू में से 7 लाख करोड़ का धरातल पर उरतने के दावों पर सवाल खड़े होने लगे हैं। कांग्रेस ने विधानसभा में निवेश प्रस्तावों को लेकर जो सवाल लगाए उनका सरकार की तरफ से जवाब नहीं दिया गया। यह कहना है पूर्व सीएम अशोक गहलोत का, जिन्होंने सरकार से मांग की है कि इनवेस्टमेंट समिट में हुए MoU को सरकार को सार्वजनिक किया जाए।

जयपुर के जेईसीसी सीतापुरा में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन करने पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने मंच से अशोक गहलोत का नाम लेकर कहा था

- मैंने अशोक गहलोत का कमेंट पढ़ा था कि 35 लाख करोड़ के एमओयू तो किए, जमीन पर कितने उतरेंगे? उस वक्त तो हमने किसी को जवाब नहीं दिया था। मैं आज गहलोत को कहना चाहता हूं कि ये भाजपा की सरकार है। कांग्रेस की सरकार नहीं है। हम जो कहते हैं, वो करते हैं। मुझे खुशी है कि इतने कम समय में भजनलाल सरकार ने 35 लाख करोड़ में से 7 लाख करोड़ के एमओयू को जमीन पर उतारने का काम किया है। ये बहुत बड़ी उपलब्धि है।

गहलोत बोले सरकार और अफसरों ने शाह को गलत ब्रीफ कर भाषण दिलवाया

इसके जवाब में गहलोत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि किसी अधिकारी या राजस्थान की भाजपा सरकार ने उनको गलत ब्रीफ कर भाषण में कहलवा दिया क्योंकि प्रदेश की जनता और व्यापारी वर्ग तलाश रहे हैं कि 7 लाख करोड़ के एमओएयू कहां जमीन पर उतरे हैं। राज्य सरकार को कम से कम गृहमंत्री के दावे को पुख्ता करने के लिए इनकी सूची सार्वजनिक कर देनी चाहिए।

बोले, सरकार एमओएयू सार्वजनिक करे

कांग्रेस पार्टी तो चाहती है कि 35 लाख करोड़ रुपये का पूरा निवेश ही प्रदेश में आए जिससे युवाओं को रोजगार मिले और प्रदेश को राजस्व मिले।

परन्तु विडंबना ये है कि विधानसभा में लगाए गए सवाल, आरटीआई से मांगी गई जानकारी आदि में भी राज्य सरकार ने किए गए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओएयू की जानकारी नहीं दी है।

यदि यह इवेंट इतना सफल रहा है तो जानकारी क्यों छिपाई जा रही है? यदि राज्य सरकार एमओयू सार्वजनिक कर देती है तो इनका एक पब्लिक ऑडिट जनता स्वयं ही कर सरकार को फीडबैक देती रहेगी कि कितने एमओएयू जमीन पर उतरे हैं

सरकारी टीचर की ऐसी सनक: पूर्व मंत्री की कार में मारा मुक्का

ड्राइवर को पीटा; ओवरटेक करते समय बिगड़ गया मामला

जालौर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जालोर में पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल की गाड़ी पर एक सरकारी टीचर ने हमला कर दिया। पूर्व मंत्री की गाड़ी ओवरटेक करते समय टीचर की गाड़ी से टच हो गई। इससे आक्रोशित टीचर ने पूर्व मंत्री की गाड़ी के आगे अपनी कार लगा दी। ड्राइवर को पीटने लगा, बीच-बचाव करने आए पूर्व मंत्री मेघवाल की तरफ भी मारपीट करने के लिए दौड़ा। कार का गेट बंद होने के चलते विंडो के कांच पर मुक्के मारे। करीब डेढ़ मिनट बाद आरोपी टीचर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया। घटना रविवार रात कोतवाली थाना क्षेत्र में बागोड़ा रोड पर तानू होटल के पास की है।

पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल जालोर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की रायशुमारी के लिए आए

थे। उनको 12 से 15 अक्टूबर तक जिला और ब्लॉक स्तरीय बैठकों में शिरकत करनी है। पूर्व मंत्री ने पहले दिन जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव गांधी भवन में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से चर्चा की। आहोर रोड पर स्थित विजय पैराडाइज में उन्होंने शाम को प्रेस वार्ता की।

इस दौरान पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे और आरसीए के पूर्व अध्यक्ष वैभव गहलोत भी मौजूद थे। इसके बाद रात करीब 8 बजे बागोड़ा रोड स्थित होटल पार्क व्यू के लिए निकले। बागोड़ा रोड पर स्थित तानू होटल के पास पूर्व मंत्री के ड्राइवर ने एक कार को ओवरटेक किया और गाड़ी को आगे निकाला। तभी पूर्व मंत्री की गाड़ी बगल में चल रही सरकारी टीचर राजेंद्र सिंह निवासी मुड़ी गांव की कार से टच हो गई। इससे टीचर आक्रोशित हो गया और काफिले को ओवरटेक करके पूर्व मंत्री की गाड़ी के सामने अपनी कार लगा दी।

पूर्व मंत्री की जानकारी लगते ही भाग गया आरोपी। इसके बाद मंत्री के ड्राइवर साइड वाले गेट पर मुक्के मारते हुए गेट को खोला और ड्राइवर से कहासुनी की। पूर्व मंत्री ने आरोपी युवक के द्वारा ड्राइवर पर हमला करते देखा तो पहले एसपी शैलेंद्र सिंह को फोन करने लगे। बाद में जब युवक को पूर्व मंत्री की गाड़ी होने की जानकारी मिली तो वह मौके से अपनी कार लेकर भाग गया। पूर्व मंत्री ने बताया कि आरोपी युवक शराब के नशे में था।

इसके बाद पूर्व मंत्री के ड्राइवर ने युवक की कार का वीडियो व नंबर प्लेट का फोटो लेकर पुलिस को भेज दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रात को राजेंद्र सिंह को हिरासत में लिया। आरोपी राजेंद्र सिंह जालोर की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिशनगढ़ में टीचर है। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर अभी तक थाने में कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है। इधर कोतवाली थाना अधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि कोई हमला नहीं हुआ, केवल साइड को लेकर कहासुनी हुई है। रात करीब 8 बजे बागोड़ा रोड पर ओवरटेक के दौरान किसी युवक की कार से पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल की गाड़ी साइड से टच हुई थी। अरविंद कुमार कोतवाली थाना अधिकारी ने बताया कि डेढ़ मिनट में युवक को पूर्व मंत्री होने की जानकारी होने के बाद वह मौके से निकल गया।

अंता उपचुनाव 2025: नरेश मीणा ने निर्दलीय भरा नामांकन

जनता को दंडवत प्रणाम; बीजेपी ने अभी तक नहीं खोले पत्ते

बारां, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों ने अपनी तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी हैं। मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025 को निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने अंता विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल कर दिया।

वहीं, आज नरेश मीणा की नामांकन रैली भी है, जिसमें अभी तक समर्थकों की भारी भीड़ जुट गई है। नामांकन रैली में भीड़ को लेकर पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो। नरेश मीणा ने नामांकन दाखिल करने के बाद अंता की जनता को दंडवत प्रणाम करते हुए उनका समर्थन मांगा। उनके साथ परिवारजन भी मौजूद थे, जिन्होंने जनता से नरेश मीणा के पक्ष में वोट करने की अपील की।

दरअसल, नरेश मीणा ने पहले कांग्रेस से टिकट की मांग की थी, लेकिन पार्टी ने उनकी मांग को ठुकराते हुए वरिष्ठ नेता प्रमोद जैन भाया को उम्मीदवार घोषित किया। इसके बावजूद नरेश मीणा ने हार नहीं मानी और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरने का फैसला किया। उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी भी हाल में अंता विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

घूसखोर डॉक्टर के लॉकर में सोने के बिस्किट, बाजार में कीमत 1 करोड़ रुपए

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर स्थित राजस्थान के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएमएस के न्यूरोसर्जरी हेड डॉ. मनीष अग्रवाल ने घूस से अकूत पैसा इकट्ठा किया है। अग्रवाल की ACB जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। ट्रैप कार्रवाई के बाद एसीबी ने उनके बैंक लॉकर की तलाशी ली, जिसमें सोने के बिस्किट मिले हैं। इनका वजन करीब 800 ग्राम बताया गया है। जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है।इससे पहले एसीबी को उनके आवास से करोड़ों की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज मिले थे। अब जांच एजेंसी डॉ. अग्रवाल के नजदीकी डॉक्टरों पर भी नजर बनाए हुए है। उनके मोबाइल फोन और टेंडर दस्तावेजों से मिले इनपुट के आधार पर अन्य चिकित्सकों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है। एसीबी ने अग्रवाल की अलमारी से दस्तावेज जब्त किए थे, जिनकी जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि एसीबी ने ब्रेन कॉइल सप्लाई से संबंधित एक फर्म के 12.50 लाख रुपए के बिलों के भुगतान के बदले एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए डॉ. मनीष अग्रवाल को रंगे हाथ पकड़ा था। एसीबी को आशंका है कि डॉ. अग्रवाल के और भी बैंक लॉकर हो सकते हैं। घर की तलाशी के दौरान एक लॉकर की जानकारी मिली थी, अब एसीबी विभिन्न बैंकों से यह जानकारी मांगेगी कि डॉ. मनीष अग्रवाल या उनके परिजन के नाम से अन्य लॉकर हैं या नहीं। डॉ. अग्रवाल लंबे समय से जांच एजेंसियों की राडार पर थे। इन्हें लेकर कई बार शिकायतें भी की गई थीं।

मंत्री हीरालाल नागर के काफिले का एक्सीडेंट

पुलिस की कार पलटने से चपेट में आया था मासूम, उपचार के दौरान तोड़ा दम

टोंक, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर को एस्कॉर्ट कर रही पुलिस की कार पलटने से घायल बच्चे की मौत हो गई। बच्चे का जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार चल रहा था। जहां देर रात बच्चे ने दम तोड़ दिया। बच्चे की मौत खबर से गांव में मातम पसर हुआ है।

बता दें कि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर को एस्कॉर्ट कर रही पुलिस की कार 12 अक्टूबर को जयपुर हाइवे पर गोपीपुरा के पास पलट गई थी। 5 साल के बच्चे को बचाने के चक्कर में हादसा हुआ था। जिसमें बच्चा सहित तीन पुलिसकर्मी और ड्राइवर घायल हुए थे।

दुर्घटना बाद पुलिस ने लोगों की

मदद से घायलों को बाहर निकाला और उपजिला अस्पताल भिजवाया। जहां से गंभीर घायल 5 वर्षीय हिमांशु धाकड़ पुत्र शिशुपाल धाकड़ निवासी गोपीपुरा को प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर कर दिया था। 13 अक्टूबर को बच्चे की तबीयत बिगड़ने के बाद कोटा से जयपुर रेफर किया था। बच्चे का जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार चल रहा था। लेकिन, सोमवार रात बच्चे की उपचार के दौरान मौत हो गई।

सूचना पर देवली थाना पुलिस जयपुर पहुंची। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के साथ परिजन शव लेकर देवली के लिए रवाना हो चुके है। बच्चे की मौत के बाद गोपीपुरा गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर 12 अक्टूबर की शाम जयपुर की तरफ जा रहे थे। तभी उनके साथ चल रहे एस्कॉर्ट वाहन के सामने गोपीपुरा के समीप डिवाइडर से अचानक पांच वर्षीय बच्चा आ गया था। बच्चे को बचाने के प्रयास में पुलिस जीप अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई थी।

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह की अचानक बिगड़ी तबीयत

गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल रेफर

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर ग्रामीण के सांसद राव राजेंद्र सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना उस समय हुई जब सांसद कोटपूतली के भोनावास गांव में शहीद अग्निवीर जवान भीम सिंह शेखावत की अंतिम यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। अंतिम संस्कार के दौरान पुष्प चक्र अर्पित करते समय अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे अचेत हो गए।

मौके पर मौजूद लोगों, पुलिस प्रशासन और सांसद की टीम ने तत्काल उन्हें नजदीकी पावटा अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि शहीद भीम सिंह की पार्थिव देह मंगलवार सुबह उत्तराखंड से उनके पैतृक गांव भोनावास पहुंची थी। सांसद राव राजेंद्र सिंह शहीद को श्रद्धांजलि देने और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए वहां मौजूद थे। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय लोग भी उपस्थित थे। सांसद की तबीयत बिगड़ने से मौके पर हड़कंप मच गया। एसएमएस अस्पताल में डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति की गहन जांच कर रही है। अभी तक उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है, लेकिन सूत्रों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पत्नी के थे 26 साल के प्रेमी से अवैध संबंध, इसलिए बेरहमी से पीट-पीटकर कर दी युवक की हत्या

हाइवे किनारे मिला था शव

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायसर थाना क्षेत्र के बहलोड़ गांव में मनोहरपुर दौसा हाईवे किनारे युवक की हत्या करने की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी पीताबर उर्फ प्रितम उर्फ पिल्या को वारदात के महज 24 घण्टे में गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी हरदयाल मीणा ने शनिवार सुबह बहलोड़ के समीप हाईवे किनारे किसी व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद मौके पर एफएसएल व एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए गए। मृतक के भाई ने रायसर थाने में हत्या की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर 5 हजार का इनाम घोषित किया

था। रायसर थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित टीम ने मुख्य आरोपी पीताबर उर्फ प्रितम उर्फ पिल्या (47) निवासी झांकडी पुलिस थाना थानागाजी को डिटेन कर कड़ी पूछताछ की। जिस पर उसने रामनिवास का अपनी पत्नी के साथ अवैध संबंध होने से अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी। पुलिस वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पहले की मारपीट, फिर हत्या कर फेंका

पुलिस पूछताछ में वारदात के मुख्य आरोपी पीताबर ने बताया कि रामनिवास का उसकी पत्नी के साथ पिछले कई दिनों से अवैध संबंध था। जिसकी जानकारी मिलने के बाद आरोपी ने अपने साथियों के साथ चिलपली मोड़ के समीप रामनिवास के साथ जमकर मारपीट की। इसके बाद उसकी हत्या कर शव को बहलोड़ के पास डाल कर भाग गए।

मां को डूबता देख नौ साल के बेटे ने बचाव में लगाई छलांग, दोनों की मौत

भीलवाड़ा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मांडल क्षेत्र की मानसी नदी के किनारे गहर गड्ढे में महिला गिर गई। बचाने के लिए बेटा भी कूद गया। दोनों की डूबने से मौत हो गई। इसके लिए मोटर लगाकर गड्ढे का पानी तोड़ा जा रहा था।

उधर, तलाश के लिए अजमेर से एसडीआरएफ की टीम भी मांडल पहुंच गई तथा रेसक्यू कर देर रात दोनों के शवों को बाहर निकाला। थानाप्रभारी रविन्द्रसिंह ने बताया कि सौदानपुरा निवासी लक्ष्मी उर्फ माया (30) पत्नी राजू भील, पुत्र दिलखुश (9) व दो छोटी पुत्रियां आरती व सोमी के साथ खेत पर गई। दोनों पुत्रियां खेलने चली गईं।

इस बीच गहरे गड्ढे के पास गई लक्ष्मी का पैर फिसल गया। इससे वह गड्ढे में गिर गई। मां को गिरता देखकर दिलखुश ने बचाव में छलांग लगा दी। बेटियों ने आसपास के ग्रामीणों को जानकारी दी। सूचना पर मांडल पुलिस भी वहां पहुंची। मां-बेटे के डूबने की आशंका पर कुएं का पानी तोड़ा जा रहा था। देर रात तक दोनों के शव बाहर निकाले गए।

बीआरएस ने तेलंगाना में बड़े पैमाने पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया

केटीआर ने उच्च न्यायालय में कार्रवाई की धमकी दी

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने आज जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर बड़े पैमाने पर चुनावी धोखाधड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि 23,000 नए वोट जोड़े गए, जबकि 12,000 मौजूदा वोट मतदाता सूची से हटा दिए गए, और नाबालिगों को भी मतदाता पहचान पत्र के अवैध वितरण का आरोप लगाया। बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं ने पिछले दो दिनों में क्षेत्रीय विश्लेषण किया और कथित धोखाधड़ी के कई मामलों का खुलासा किया। केटीआर ने फर्जी पंजीकरणों के विशिष्ट उदाहरण दिए: संस्कृति एवेन्यू अपार्टमेंट्स, जहां 43 वोट आधिकारिक रूप से पंजीकृत थे, का दौरा करने पर पता चला कि मालिक ने सूचीबद्ध व्यक्तियों से किसी भी तरह का संबंध होने से स्पष्ट रूप से इनकार किया; बूथ संख्या 125 में एक छोटे से 80 वर्ग गज के घर में 23 सूचीबद्ध वोट पाए गए और एक स्थानीय कांग्रेस नेता के घर में 32 'फर्जी वोट' होने का आरोप लगाया गया। इसके अलावा, ऐसे साक्ष्य प्रस्तुत किए गए जिनसे पता चलता है कि व्यक्तियों के पास कई ईपीआईसी (निर्वाचक फोटो पहचान पत्र) नंबर हैं और उनके वोट एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकृत हैं। केटीआर ने फर्जी पंजीकरण, डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर और कई निर्वाचन क्षेत्रों में वोटों के मामलों का हवाला दिया, जिसमें कांग्रेस उम्मीदवार नवीन कुमार यादव के भाई के पास तीन वोट होने का मामला भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को सूचित किया गया है, लेकिन 24 घंटे के भीतर कोई जवाब नहीं मिला है, जिससे उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठता है। पूरी जांच, फर्जी वोटों को हटाने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए, केटीआर ने चेतावनी दी कि बीआरएस उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तेलंगाना में कथित "वोट चोरी" के मुद्दे पर बोलने की चुनौती दी। केटीआर ने मांग की, जब उनकी अपनी पार्टी के उम्मीदवार के परिवार के तीन फर्जी वोट हों, तो राहुल गांधी को चुप नहीं रहना चाहिए। कांग्रेस पार्टी को इन चुनावी धोखाधड़ी का तुरंत जवाब देना चाहिए।

दिवाली से पहले दक्षिण मध्य रेलवे का अलर्ट

ट्रेनों में पटाखे और ज्वलनशील सामान ले जाना प्रतिबंधित

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवाली के त्यौहार से पहले दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने यात्रियों को चेतावनी दी है कि वे ट्रेनों या रेलवे स्टेशन परिसर में पटाखे, विस्फोटक या कोई भी ज्वलनशील सामग्री न ले जाएं। रेलवे ने कहा है कि इस तरह की वस्तुएं यात्रियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं।

रेलवे द्वारा जारी परामर्श में बताया गया है कि यदि कोई यात्री ज्वलनशील या विस्फोटक पदार्थ के साथ पकड़ा जाता है, तो उसके खिलाफ रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 164 और 165 के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसमें तीन साल तक की कैद, 1,000 रुपये का जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है।

केसीआर की तस्वीर के बिना कविता करेंगी राज्यव्यापी यात्रा

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कल्वाकुंतला कविता ने तेलंगाना में राज्यव्यापी यात्रा शुरू करने का साहसिक निर्णय लिया है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में शुरू होने वाली यह यात्रा राज्य के सभी जिलों से होकर गुजरेगी। गौरतलब है कि यह यात्रा पूर्व मुख्यमंत्री और उनके पिता के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की तस्वीर के बिना आयोजित की जाएगी। इसके बजाय, जागृति कार्यकर्ताओं को कविता द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, यात्रा के पोस्टरों पर प्रोफेसर जयशंकर की तस्वीर होगी। यात्रा का आधिकारिक पोस्टर बुधवार को यहां जारी किया जाएगा। जनसमूह को संबोधित करते हुए, कविता ने जोर देकर कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य तेलंगाना के लोगों का कल्याण होगा, जिसमें पिछड़े वर्गों (बीसी) के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने पिछड़े वर्गों के अधिकारों के संबंध में कांग्रेस पार्टी की कथित विफलताओं को उजागर करने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर, कविता ने राज्य, जिला और युवा संघ के नेताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और पृथक तेलंगाना आंदोलन में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। उन्होंने युवा नेताओं से ऐसी जिम्मेदारियां लेने का आग्रह किया जो उन्हें तेलंगाना की प्रगति में योगदान देते हुए एक अच्छी प्रतिष्ठा बनाने में मदद करें।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.eT-East-WAT-37-2025, दिनांक : 06.10.2025

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन मेन (Main) लाइन में पशु, पैदल यात्री एवं छोटे वाहनों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए नेल्लिमार्ला-विजयनगरम के बीच कि.मी.811/3-5 में एवं गरिविडि-नेल्लिमार्ला के बीच कि.मी.792/26 में अतिक्रमण वाले स्थानों के लिए पैदल यात्री उपमार्ग का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 6,31,42,997.95, EMD(रुपये में) : 4,65,700/-।

(2) सूचना सं.eT-East-WAT-38-2025, दिनांक : 06.10.2025

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/श्रीकाकुलम रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन मेन (Main) लाइन में पशु, पैदल यात्री एवं छोटे वाहनों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए कोटबोम्माली-हरिश्चन्द्रपुरम के बीच कि.मी.718/17-19, दिंबु गोपालपुरम हॉल्ट-कोटबोम्माली के बीच कि.मी.708/17-19 एवं पलासा-पुंडि के बीच कि.मी.683/3-5 में अतिक्रमण वाले स्थानों के लिए पैदल यात्री उपमार्ग का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 8,01,94,245.42, EMD(रुपये में) : 5,51,000/-।

(3) सूचना सं.eT-East-WAT-39-2025, दिनांक : 06.10.2025

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/ विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन डोंकिनवलसा-कोमटिपल्लि के बीच RV 317 स्थित मानव युक्त समपार के बदले में सीमित ऊँचाई वाले उपमार्ग (LHS) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 3,96,54,843.44, EMD(रुपये में) : 3,48,000/-।

कार्य पूरा होने की अवधि : 07 महीने (क्रम सं.01 हेतु), 09 महीने (क्रम सं.02 हेतु) एवं 06 महीने (क्रम सं.03 हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 29.10.2025 को 1500 बजे (सभी निविदा हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/ कूरियर/ फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-678/Q/25-26

दक्षिण मध्य रेलवे

PUB/1280/25

खुली ई-निविदा सूचना सं.- डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/30/2025 दि.10-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, टेंडर नं. ई-30-सेंट्रल-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-।- विजयवाडा-विशाखापट्नम सेक्शनः एसएसइ/पीवे/एनजेडडी क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार एवम् उन्नयन कार्य। एसडब्ल्यू-।I- विजयवाडा-विशाखापट्नम सेक्शनः एसएसइ/पीवे/इइ क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार एवम् उन्नयन कार्य। पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.5,22,49,550.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधराःरु.4,11,300.00, बंद करने की तिथिः 04-11-2025

क्रम संख्याः 2, टेंडर नं. ई-31-सेंट्रल-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-।- विजयवाडा-विशाखापट्नम सेक्शनः एसएसइ/पीवे/बीपीपी क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार एवम् उन्नयन कार्य। एसडब्ल्यू-।I- विजयवाडा-विशाखापट्नम सेक्शनः एसएसइ/पीवे/एनडीओ क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार एवम् उन्नयन कार्य। एसडब्ल्यू-।I।- विजयवाडा-विशाखापट्नम सेक्शनः एसएसइ/पीवे/टीइएल क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार एवम् उन्नयन कार्य। पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.8,36,30,695.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधराःरु.5,68,200.00, बंद करने की तिथिः 04-11-2025

क्रम संख्याः 3, टेंडर नं. ई-39-इस्ट-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-।- कोंडापल्ली-विजयवाडा सेक्शनः एसएसइ/पीवे/एन/बीजेडए क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार एवम् उन्नयन कार्य। एसडब्ल्यू-।I- एसएसइ/पीवे/एस/बीजेडए क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार एवम् उन्नयन कार्य। एसडब्ल्यू-।I।- विजयवाडा-गुडीवाडा सेक्शनः एसएसइ/पीवे/जीडीवी क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार एवम् उन्नयन कार्य। पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.5,31,61,630.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधराःरु.4,15,800.00, बंद करने की तिथिः 04-11-2025

निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in **पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है।**

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, विजयवाडा तथा विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन उप-विभागीय कार्यालयों पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त या कैंसल करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

PUB/1281/25

ई-निविदा संख्याः इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-10-2025-26 दि.10-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.31-10-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम संख्याः1, टेंडर नं. बी/ई.221/टीआरएस/आरसी/550, ई-निविदा संख्याः इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-10-2025-26,दि.10-10-2025, कार्य विवरणः कार्य का नामः दो(02) वर्षो के लिए इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा पर 3 फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज में सीसीबी ब्रेक सिस्टम की ओवरहालिंग/विस्तृत मरम्मत/नवीनीकरण कार्य। पूरा करने की अवधिः 24 महिने (दो वर्ष), निविदा मूल्य रु.1,26,87,933.89, पूर्व धरोहर राशि-पूधराःरु.2,13,400.00, निविदा दस्तावेज मूल्यः रु.शून्य, बंद करने की तिथि व समयः 3110-2025 के 15.00 बजे

निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (टीआरएस)/इएलएस/विजयवाडा

PUB/1282/25

ई-निविदा संख्याः इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-11-2025-26,दि.10-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.31-10-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम संख्याः1, बी/ई.221/टीआरएस/आरसी/550, ई-निविदा संख्याः इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-11-2025-26,दि.10-10-2025, कार्य विवरणः कार्य का नामः इएलएस/बीजेडए -कन्वेन्शनल लोकोज के एन-32 टैप चेन्जर्स का मरम्मत कार्य। मात्रा 6 लोको सेट्स, पूरा करने की अवधिः 24 महिने (दो वर्ष), निविदा मूल्य रु.49,74,678.53, पूर्व धरोहर राशि-पूधराःरु.99,500.00, निविदा दस्तावेज मूल्यः रु.शून्य, बंद करने की तिथि व समयः 31-10-2025 के 15.00 बजे

निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (टीआरएस)/इएलएस/विजयवाडा

बी. मोहन सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष बने

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कच्छवाहा (कुशवाहा) क्षत्रिय महासभा (रजि.) के चुनाव परिणाम की घोषणा की गई। महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी का चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत तक संपन्न हुई था। इसमें तेलंगाना राज्य के उपाध्यक्ष बहादुर मोहन सिंह को सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किया गया है। बहादुर मोहन सिंह, हैदराबाद निवासी एवं समाजसेवा, शिक्षा एवं तकनीकी क्षेत्र में कई दशकों से सक्रिय हैं। उनके चयन से संपूर्ण दक्षिण भारत के कुशवाहा समाज में भी उत्साह का वातावरण है। मुख्य चुनाव अधिकारी इंजीनियर दयानंद कुशवाहा (गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश) द्वारा प्रमाणित चुनाव परिणाम के अनुसार, महासभा की नई कार्यकारिणी में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों का चयन किया गया। बी. मोहन सिंह का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर कच्छवाहा (कुशवाहा) क्षत्रिय महासभा के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों ने आशा व्यक्त करते हैं कि उनके नेतृत्व में समाज के संगठन और विकास को नई दिशा मिलेगी।

16 अक्टूबर को कैबिनेट बैठक

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक 16 अक्टूबर (गुरुवार) को दोपहर 3 बजे राज्य सचिवालय में होगी। इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव ने मंत्रियों को बैठक में शामिल होने की जानकारी दी।

PUB/1283/25

ई-निविदा सूचना सं. ई29सीटीआरडीएससी_08 _2025 _ 26, दि.10-10-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु टू पैकेट सिस्टम आफ टेंडरिंग में ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम संख्याः 1, एनआयटी नं. ई29सीटीआरडीएससी_08 _2025 _ 26, दि.09-10-2025, कार्य विवरणः टेंडर नं. ई29सीटीआरडीएससी_08 _2025 _ 26, दि.09-10-2025, दक्षिण मध्य रेलवे के काझीपेट-विजयवाडा सेक्शन के बीच 3 री लाइन के भाग से जुडे बिजली के सामान्य कार्यों सहित प्रस्तावित ''काझीपेट यार्ड रिमाडेलिंग'' के दृष्टिगत मौजूदा ओएचइ के परिवर्तन कार्य के साथ 25केवी, 50एचजेड सिंगल फेज ए.सी. ट्रैक्शन ओवरहेड इक्वीपमेंट की आपूर्ति, डिजाइन, इरेक्शन,परीक्षण व कमीशनींग कार्यों सहित 65 स्क्वे.एमएम केटेनरी एवं 107/150 स्क्वे. एमएम एचडीजी कापर कान्टैक्ट वायर, एलटी सप्लाई ट्रांसफार्मर स्टेशनों का तत्संबंधित कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.21,20,36,470/-, पूर्व धरोहर राशि/बोली सुरक्षा रु.12,10,200.00 दस्तावेज मूल्यः आनलाइन में निःशुल्क रूप में निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग, पूरा करने की अवधिः 09 महिने, बंद करने की तिथिः 06-11-2025 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

बोलीदाता द्वारा बोली सुरक्षा राशि (बिड सेक्युरिटी) को, ireps.gov.in के माध्यम से जमा कर सकते हैं अथवा इसे, किसी भी भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारण्टी बाण्ड के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। यह बैंक गारण्टी बाण्ड एप्पेन्डिक्स-V।। नुसार होना चाहिए तथा यह बाण्ड, बोली वैधता अवधि से परे 90 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रीसीप्ट्स, एफडीआर आदि के रूप में मैन्युएल पेमेन्ट्स अमान्य हैं।

निविदाकार अपने आफर्स को, आनलाइन में निविदा प्रस्तुति की अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदाकार, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य बिजली अभियंता / निर्माण/सिकंदराबाद

A1614

निविदा शर्तों/ विस्तृत विवरण जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

वाईएसआर कांग्रेस के सांसद मिथुन रेड्डी के परिसरों पर एसआईटी ने की छापेमारी

3,200 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले में जांच, कई गिरफ्तारियां

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को लोकसभा में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेता और राजमपेट सांसद पेद्दीरेड्डी मिथुन रेड्डी के परिसरों पर छापेमारी की। एसआईटी ने हैदराबाद, तिरुपति और बेंगलुरु में उनके घरों की तलाशी ली। हैदराबाद में अधिकारियों ने शासन नगर और गायत्री हिल्स, यूसुफगुडा स्थित घरों के अलावा कोंडापुर इलाके में उनके कार्यालय की भी जांच की।

मिथुन रेड्डी 3,200 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के आरोपियों में से एक हैं, जो कथित तौर पर वाईएसआरसीपी शासन के दौरान हुआ था। उन्हें 19 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था और 30 सितंबर को जमानत पर रिहा किया गया था। रिहाई के बाद उन्होंने जेल में अपने साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किए जाने और गठबंधन सरकार द्वारा विरोधियों को डराने के लिए मनगढ़ंत मामले दर्ज करने का आरोप लगाया। एसआईटी ने जांच में 2019-24 के दौरान लागू शराब नीति में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और धन की हेराफेरी पाई। जांचकर्ताओं ने कथित तौर पर पांच वर्षों में लगभग 3,500 करोड़ रुपये की हेराफेरी से जुड़े रिश्वतखोरी नेटवर्क का पर्दाफाश किया। आरोप है कि वाईएसआरसीपी नेताओं ने नई शराब नीति को बढ़ावा देकर नए ब्रांड पेश किए और डिस्टिलरी कंपनियों से रिश्वत ली, जिससे सरकार को भारी नुकसान हुआ।

इस मामले में एसआईटी ने अब तक 48 लोगों को नामजद किया है, जिनमें से 12 को गिरफ्तार किया जा चुका है। विजयवाडा स्थित एसीबी कोर्ट में तीन आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। पूरक आरोपपत्रों में तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की कथित भूमिका का भी उल्लेख किया गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने एक दिन में कमाएं एक करोड़ रुपये से अधिक

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवाली और छठ पर्व के मद्देनजर अपने-अपने गंतव्यों की यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने सोमवार को एक दिवसीय सघन टिकट जांच अभियान चलाया। यह अभियान दक्षिण मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक सुश्री इति पांडे द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार पूरे जोन में सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के सभी छह मंडलों में चलाया गया। इस संदर्भ में, इस विशेष दिन टिकट जांच गतिविधि में जोन ने अब तक का सर्वाधिक 1.08 करोड़ रुपये का एक दिन का राजस्व अर्जित किया। बिना टिकट यात्रा या अनियमित यात्रा से संबंधित कुल 16,105 मामले डिफॉल्टरों के खिलाफ दर्ज किए गए और उनसे राशि वसूल की गई।

जोन का एक दिन में औसत टिकट जांच राजस्व लगभग 47 लाख रुपये है। जिसमें लगभग 9,500 मामले दर्ज किए गए। लेकिन, दक्षिण मध्य रेलवे के इतिहास में यह पहली बार है कि टिकट जांच राजस्व एक दिन में एक करोड़ रुपये को पार कर गया है और यह एक दिन में सबसे अधिक टिकट जांच राजस्व है। पिछला सर्वश्रेष्ठ 6 अक्टूबर 2025 को 92.40 लाख रुपये का था। यह भारतीय रेलवे के सभी जोनों में 13 अक्टूबर 25 को सबसे अच्छा टिकट जांच राजस्व भी है। विजयवाड़ा डिवीजन ने सबसे अधिक 36.91 लाख रुपये का टिकट जांच राजस्व अर्जित किया है, इसके बाद गुंटकल डिवीजन ने 28 लाख रुपये, सिकंदराबाद डिवीजन ने 27.9 लाख रुपये, गुंटूर डिवीजन ने 6.46 लाख रुपये, हैदराबाद डिवीजन ने 4.6 लाख रुपये और नांदेड़ डिवीजन ने 4.08 लाख रुपये का योगदान दिया है। इस टिकट जांच अभियान का मुख्य उद्देश्य वास्तविक यात्रियों को होने वाली किसी भी असुविधा को कम करना और बिना टिकट और यात्री और एक्सप्रेस ट्रेनों के आरक्षित और अनारक्षित डिब्बों में अनियमित यात्रा को रोकने के साथ-साथ, वैध टिकट या यात्रा प्राधिकरण के साथ यात्रा के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करना भी इसका उद्देश्य है। टिकट जांच गतिविधि बिना टिकट और अनियमित यात्रियों पर लगाम लगाने की योजना के अनुसार आयोजित की गई थी।

इससे वास्तविक यात्रियों को आरामदायक यात्रा करने में मदद मिलेगी। दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस असाधारण उपलब्धि के लिए सभी मंडलों के वाणिज्यिक कर्मचारियों और अधिकारियों की सराहना की है।

केसीआर ने बीआरएस उम्मीदवार मगंटी सुनीता को बी-फॉर्म सौंपा

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को मगंटी सुनीता गोपीनाथ को 'बी-फॉर्म' सौंपा, जो 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। केसीआर ने उन्हें पार्टी की ओर से चुनाव खर्च के लिए 40 लाख रुपये का चेक भी दिया। इस कार्यक्रम में दिवंगत मगंटी गोपीनाथ के बेटे और बेटियां, पूर्व मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी और पद्मा राव गौड़, विधायक कालेरु वेंकटेश, मुथा गोपाल, पूर्व विधायक नालामोटू भास्कर राव और कई अन्य बीआरएस नेता शामिल हुए।

एग्रीकल्चर मार्केट कमेटी बोइनपल्ली के सभागार में बढ़ते साइबर क्राइम एवं नशीले पदार्थों के खिलाफ जागरूकता लाने के उद्देश्य से नार्थ जोन एसीपी रमेश तिरुमलगिरी लालबाजार एसएचओ विजय राज ने व्यापारी वर्ग हमालों, किसानों आदि को जागरूक किया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों का सम्मान करते हुए चेयरमैन आनंद बाबू, वाइस चेयरमैन डीबी दिवाकर, सेक्शन सेक्रेटर वेंकना, एएमसी के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार ए.गौतम जैन, सोमा देवेंद्र रेड्डी, महावीर, श्रीनिवास राव, मधुबाबू आदि।

जुबली हिल्स उपचुनाव में भावनात्मक राजनीति का आरोप

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की उम्मीदवार मगंटी सुनीता भावनात्मक अपील के जरिए वोट बटोरने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मंचों पर लगातार रोने का नाटक करके बीआरएस मतदाताओं से सहानुभूति हासिल करने का प्रयास कर रही है।

प्रभाकर ने यूसुफगुडा में पार्टी कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हुए कहा कि उन्हें सुनीता के प्रति सहानुभूति है, क्योंकि उन्होंने अपने पति और पूर्व विधायक मगंटी गोपीनाथ को खो दिया है।

नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी उपक्रमों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

55 वर्षीय महिला मीरपेट झील में मृत मिली

तीन दिन पहले लापता हुई यादम्मा उर्फ कमला का शव बरामद

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तीन दिन पहले लापता हुई 55 वर्षीय महिला यादम्मा उर्फ कमला मंगलवार को मीरपेट के मंत्राला चेरुवु में मृत पाई गई। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आशंका है कि उसने खराब स्वास्थ्य के कारण आत्महत्या की होगी। बडंगपेट के ममता नगर कॉलोनी की रहने वाली कमला रविवार को घर से पास की एक दुकान के लिए निकली थी, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटने पर परिवार के सदस्य चिंतित हो गए। उन्होंने महिला को आसपास के सभी संभावित स्थानों पर खोजा और बाद में स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। खोज और पूछताछ जारी रहने के दौरान, स्थानीय निवासियों ने कमला को झील में मृत पाया। सूचना मिलने पर मीरपेट पुलिस मौके पर पहुंची और विशेषज्ञ तैराकों की मदद से शव को बाहर निकाला। मामले की आगे जांच की जा रही है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.CAT-ADVTD-005-1

Seq. No.AA/1 : लॉट नं./वर्ग : ADVT-WAT-VSKP-OH-229-25-1(ADVERTISING-OUT OF HOME) विवरण : 2020 की ई-नीलामी नीति CC-14 एवं 2022 के CC-14 के अनुबंध की विशेष शर्तों के अनुसार विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए एक यूनिपोल (1600 वर्ग फुट) एवं वीडियो वॉल (600 वर्ग फुट कुल) के संस्थापन एवं रख-रखाव से जुड़े कार्य।

Seq. No.AB/1 : लॉट नं./वर्ग : ADVT-LOCO-WAT-VSKP-225-25-1(ADVERTISING-LOCO EXTERIOR) विवरण : तीन वर्षों की समयावधि के लिए वाल्टियर मण्डल के विद्युत लोको शेड-विशाखापट्नम के 10 संख्यक WAP-7 इंजिनों में विज्ञापन प्रदर्शन।

Seq. No.AC/1 : लॉट नं./वर्ग : ADVT-INT-250702-1-25-1(ADVERTISING-LOCO EXTERIOR), विवरण : अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार विशाखापट्नम कोचिंग डिपो में प्राथमिक रख-रखाव कार्य चालु 32 ट्रेन के साथ 20803-गांधीधाम एक्सप्रेस की मिरर के जरिए विज्ञापन स्थानांतरण हेतु कॉन्टैक्ट कवर। इस समझौते में कोई अन्य ट्रेन शामिल नहीं की जायेगी। विस्तृत विवरण के लिए कृपया संलग्न दस्तावेज देखें।

दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (सभी Seq सं. के लिए), ट्रिप/दिवस : 1826(Seq. सं. AA/1 के लिए) एवं 1096(Seq. सं. AB/1 एवं AC/1 के लिए), लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक 23.10.2025 को 1000 बजे (सभी Seq. सं. के लिए), लॉट समाप्ति की तिथि व समय : दिनांक 23.10.2025 को 1030 बजे (Seq. सं.AA/1 हेतु), 1040 बजे (Seq. सं.AB/1 हेतु) एवं 1050 बजे (Seq. सं.AC/1 हेतु), न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2 (सभी Seq. सं. के लिए), लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (सभी Seq सं. के लिए)।

द्रष्टव्य : संपूर्ण सूचनावली www.ireps.gov.in पर उपलब्ध।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-682/Q/25-26

अखिल भारतीय यादव संघ सदर सम्मेलन के लिए मंत्री से मिला

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले में अखिल भारतीय यादव एसोसिएशन के नेताओं ने सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को सदर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया है, जो 25 अक्टूबर को नलगोंडा के एनजी कॉलेज मैदान में होने वाला है। मंगलवार को इन नेताओं ने निमंत्रण देने के लिए सचिवालय में मंत्री से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को भव्य सांस्कृतिक सभा के लिए की जा रही तैयारियों के बारे में जानकारी दी, जो यादव बिरादरी की भावना, परंपराओं और सामुदायिक ताकत का जश्न मनाती है।

मंत्री ने आयोजकों को अपनी शुभकामनाएं दीं और ऐसे आयोजनों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने के समुदाय के प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सदर सम्मेलन के आधिकारिक पोस्टर का अनावरण किया, जो आयोजन के प्रचार अभियान की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक है। मंत्री से मिलने वालों में जिला अध्यक्ष एडु कोंडालु, पूर्व पार्षद अल्ली सुभाष यादव, मद्दी श्रीनिवास यादव, गंगुला चंद्रू वामसी यादव, बेली नागराजू यादव, चित्रा बोयिना वेंकन्ना यादव, गुंडाबोयिना वेंकन्ना यादव, शिवा, वामसी, लिंगय्या, लक्ष्मण और एसोसिएशन के कई अन्य सदस्य शामिल थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

PUB/1283/25

ई-नीलामी सूचना संख्याः एस/13 /आक.प्रोग./ 25-26, दि.10-10-2025

विषयः दि.23 अक्तूबर-2025 को विशेष ई-नीलामी कार्यक्रम तथा नवंबर व दिसंबर-2025 के लिए ई-नीलामी कार्यक्रम।

विशेष ई-नीलामी	
तिथि	डिवीजन/डिपो
23.10.2025	विजयवाडा, गुंटकल, गुंटूर, हैदराबाद, नांदेड, सिकंदराबाद, लालागुडा, रायनपाडू, तिरुपति

नवंबर ई-नीलामी -2025	
तिथि	डिवीजन/डिपो
03.11.2025	सिकंदराबाद
04.11.2025	तिरुपति
06.11.2025	नांदेड
07.11.2025	विजयवाडा
10.11.2025	लालागुडा
11.11.2025	गुंटूर
12.11.2025	गुंटकल
13.11.2025	हैदराबाद, विजयवाडा, गुंटकल, गुंटूर, नांदेड, सिकंदराबाद, लालागुडा, रायनपाडू, तिरुपति
14.11.2025	रायनपाडू
17.11.2025	सिकंदराबाद
18.11.2025	तिरुपति
19.11.2025	नांदेड
20.11.2025	विजयवाडा
21.11.2025	लालागुडा
24.11.2025	गुंटूर
25.11.2025	गुंटकल
26.11.2025	हैदराबाद
27.11.2025	रायनपाडू
28.11.2025	हैदराबाद, विजयवाडा, गुंटकल, गुंटूर, नांदेड, सिकंदराबाद, लालागुडा, रायनपाडू, तिरुपति

दिसंबर ई-नीलामी -2025	
तिथि	डिवीजन/डिपो
01.12.2025	तिरुपति
02.12.2025	नांदेड
03.12.2025	विजयवाडा
04.12.2025	लालागुडा
05.12.2025	गुंटूर
08.12.2025	गुंटकल
09.12.2025	हैदराबाद
10.12.2025	रायनपाडू
11.12.2025	सिकंदराबाद
12.12.2025	तिरुपति, हैदराबाद, विजयवाडा, गुंटकल, गुंटूर, नांदेड, सिकंदराबाद, लालागुडा, रायनपाडू
15.12.2025	नांदेड
16.12.2025	विजयवाडा
17.12.2025	लालागुडा
18.12.2025	गुंटूर
19.12.2025	गुंटकल
22.12.2025	रायनपाडू
23.12.2025	हैदराबाद
24.12.2025	सिकंदराबाद
26.12.2025	तिरुपति
29.12.2025	नांदेड
30.12.2025	विजयवाडा, हैदराबाद, गुंटकल, गुंटूर, नांदेड, सिकंदराबाद, लालागुडा, रायनपाडू, तिरुपति
31.12.2025	लालागुडा

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

A1623

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

टीम इंडिया का 2-0 से क्लीन स्वीप : *दिल्ली टेस्ट में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया* कप्तान गिल ने पहली टेस्ट सीरीज जीती

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। टीम ने मंगलवार को दूसरे टेस्ट में इंडीज को 7 विकेट से हराया। भारत ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

दिल्ली टेस्ट में भारत को 121 रन का टारगेट मिला था, जिसे भारत ने तीन विकेट पर हासिल कर लिया। केएल राहुल ने चौका लगाकर जीत दिलाई। वे 58 रन बनाकर नाबाद लौटे। शुभमन गिल ने बतौर कप्तान पहली टेस्ट सीरीज जीती है।

एक दिन पहले फॉलो ऑन खेल रही वेस्टइंडीज दूसरी पारी में 390 रन पर ऑलआउट हो गई। पहली पारी में भारत ने 518 और वेस्टइंडीज ने 248 रन बनाए।

भारत को पहली पारी में 270 रन की बढ़त मिली थी। भारत की पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 129 और यशस्वी जायसवाल ने 175 रन बनाए।

भारत डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में नंबर-3 पर

वेस्टइंडीज से जीतने के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2025-27 सीजन की पॉइंट्स टेबल में नंबर-3 पर कायम है। टीम की स्थिति में बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले भारत ने इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। इस सीरीज का एक मैच ड्रॉ रहा था।

इस सीरीज के बाद भारतीय टीम के पास 55.56% पॉइंट हैं। टीम ने 7 में से 4 मैच जीते हैं और 2 मुकाबले हारे हैं। एक मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत को 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने घर में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बात- भारतीय टीम की कप्तानी करना बहुत बड़ा सम्मान है। मैं अभी इस भूमिका की आदत डाल रहा हूं। मैं हमेशा वही फैसला लेने की कोशिश करता हूं, जिसके सफल होने की संभावना सबसे ज्यादा हो।

गिल ने फॉलो ऑन के फैसले पर कहा- हम लगभग 300 रन की बढ़त पर थे और पिच पर ज्यादा जान नहीं बची थी, इसलिए हमने फॉलो-ऑन देने का फैसला किया।

अपनी बैटिंग पर कहा- जब मैं बैटिंग करता हूं तो कोशिश करता हूं कि कप्तान नहीं, बल्कि बल्लेबाज़ की तरह सोचूं। बचपन से ही यह सीख ली है कि टीम को जीत दिलाने में कैसे योगदान देना है।

2025 में भारत के नाम सबसे ज्यादा जीत

गिल ने की ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस की बराबरी, सिराज साल के टॉप विकेट टेकर

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से जीत ली है। टीम ने दिल्ली टेस्ट में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया।

टीम इंडिया इस जीत के साथ 2025 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच (तीनों फॉर्मेट मिलाकर) जीतने वाली टीम बन गई। टीम की यह 23वीं जीत है। वहीं, शुभमन गिल की कप्तानी में इस साल भारत ने चौथा टेस्ट मैच जीता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में मिली जीत 2025 में इंटरनेशल क्रिकेट में भारत की 23वीं जीत है। टीम इंडिया ने इसके साथ ही न्यूजीलैंड को पीछे छोड़ दिया है। न्यूजीलैंड ने इस साल 22 मैचों में जीत हासिल की है। भारत ने इस साल टेस्ट क्रिकेट में 4, वनडे में 8 और टी-20 में 11 मैच जीते हैं। टी-20 में भारत ने 11 में से एक मैच सुपर ओवर में जीता।

शुभमन गिल की कप्तानी में इस साल भारतीय टीम ने चौथा टेस्ट मैच जीता है। गिल अब 2025 में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाले कप्तानों की लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस की बराबरी पर आ गए हैं। कमिंस ने इस साल 5 टेस्ट में कप्तानी की है और 4 में उनकी टीम जीती। गिल ने 2025 में 7 टेस्ट में कप्तानी की और चौथी जीत हासिल की। गिल की कप्तानी में भारत 2 टेस्ट मैच हारा है और 1 मैच ड्रॉ रहा है।

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2025 में टेस्ट क्रिकेट के टॉप विकेट टेकर बन गए हैं। सिराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में 3 विकेट लिए। अब उनके नाम 2025 में 8 टेस्ट मैचों में 37 विकेट हो गए हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी को पीछे छोड़ा है। मुजारबानी ने इस साल 9 टेस्ट में 36 विकेट लिए हैं।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सहरावत ने गलती स्वीकारी

डब्ल्यूएफआई से निलंबन हटाने का अनुरोध किया

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से अनुरोध किया है कि उन पर लगा एक साल का प्रतिबंध हटाने पर पुनर्विचार किया जाए। सहरावत को जगरेब में विश्व चैंपियनशिप में मुकाबले से पहले वजन कम करने में विफल रहने पर प्रतिबंध लगाया है। शुरुआती मुकाबले से पहले उनका वजन निर्धारित सीमा से 1.7 किलोग्राम अधिक था।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष से करेंगे आग्रह

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सहरावत ने स्वीकार किया कि उन्होंने पिछले महीने वजन कम न कर पाने की गलती की थी। इस पहलवान ने कहा कि वह डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मुलाकात करेंगे और उनसे महासंघ के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। सहरावत ने 2024 पेरिस खेलों में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिए 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद सहरावत ने कहा, मैं डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष से मुलाकात कर अनुरोध करूंगा कि मेरा निलंबन हटाया जाए। यह मेरी पहली गलती है, मैं इसे दोहराऊंगा नहीं।

सहरावत ने बताया वजन कम नहीं होने का कारण

डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर को सहरावत से चूक के लिए स्पष्टीकरण मांगते हुए कारण बताओ नोटिस दिया था। महासंघ ने कहा था कि 29 सितंबर को जमा किए गए उनके जवाब को अनुशासनात्मक समिति ने असंतोषजनक पाया। सहरावत ने कहा कि स्पर्धा से एक दिन पहले अचानक पेट दर्द शुरू होने के कारण वह और वजन कम करने का प्रयास जारी नहीं रख पाए।

उन्होंने कहा, मैंने स्पर्धा एक सप्ताह पहले वजन कम करना शुरू कर दिया था। जब एक दिन बचा था, तब मेरा 600-700 ग्राम अधिक वजन रह गया था। यह जिम में आखिरी सेशन था। मेरे पास कम करने के लिए 600 ग्राम बचा था। मैं अभ्यास कर रहा था लेकिन अचानक मेरे पेट में दर्द होने लगा। मैं सीधे अपने कमरे में चला गया। मैंने सुबह चार बजे उठने की योजना बनाई थी लेकिन पेट का दर्द रात में फिर से बढ़ गया और कुछ दवा लेने के बाद भी यह ठीक नहीं हुआ।

सहरावत ने कहा कि एक साल का प्रतिबंध उनके करियर को प्रभावित करेगा क्योंकि 2026 में एशियाई खेल आने वाले हैं। सहरावत ने कहा, आने वाली मुख्य प्रतियोगिताएं एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप 2026 में हैं। एशियाई खेल चार साल में एक बार होते हैं और यह मेरा मुख्य लक्ष्य है। एशियाई खेलों से चूकना एक बहुत बड़ा नुकसान होगा।

भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच होगा मैच

पीएचएफ ने खिलाड़ियों को दी सलाह

लाहौर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच मंगलवार को सुल्तान जोहोर कप का मुकाबला होना है। दोनों टीमों के बीच यह मैच मलयेशिया के जोहर बाहरू में होगा। इससे पहले ही पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने अपनी टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है। दरअसल, पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच रिश्ते तल्ख चल रहे हैं और इसका असर मैदान पर भी देखने मिला है।

टकराव से बचने कहा

पीएचएफ ने अपने खिलाड़ियों से भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचने की सलाह दी है। पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में विरोध दर्ज कराया था। पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी।

पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है।

पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों से कहा है कि वे सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

जोशना चिनप्पा ने जापान ओपन का खिताब जीता

फाइनल में इस खिलाड़ी को हराया

टोक्यो, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की चोटी की स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए योकोहामा में जापान ओपन फाइनल में मिस्र की हया अली को चार गेम में हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता।

विश्व की पूर्व नंबर 10 भारतीय महिला खिलाड़ी ने 15,000 अमेरिकी डॉलर इनामी चैलेंजर प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की खिलाड़ी को 38 मिनट में 11-5, 11-9, 6-11, 11-8 से हराया। इससे पहले विश्व रैंकिंग में 117वें स्थान पर काबिज चिनप्पा ने सेमीफाइनल में मिस्र की चौथी वरीयता प्राप्त राणा इस्माइल को 11-7, 11-1, 11-5 से हराया था।

इस बीच, मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन और दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह रविवार को रेडवुड सिटी (अमेरिका) में चल रहे 130,500 डॉलर इनामी पीएसए गोल्ड इवेंट सिलिकॉन वैली ओपन के राउंड ऑफ 16 के मैच में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के विक्टर क्रूइन से 4-11, 2-11, 1-11 से हार गए।

वैलेंटिन वाशेरोट ने जीता शंघाई मास्टर्स का खिताब

फाइनल में अपने चचेरे भाई रिंडरनेच को हराया

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैलेंटिन वाशेरोट ने क्वालिफाइंग दौर से मुख्य दौर में जगह बनाने के बाद अपने चचेरे भाई आर्थर रिंडरनेच को 4-6, 6-3, 6-3 से हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 204वें स्थान पर काबिज 26 साल के वाशेरोट एटीपी मास्टर्स 1000 के इतिहास में सबसे कम रैंकिंग वाले विजेता है। वह एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर का खिताब जीतने वाले मोनाको के पहले खिलाड़ी भी है। वाशेरोट ने सेमीफाइनल में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराया था जबकि रिंडरनेच ने चार ग्रैंडस्लैम का फाइनल खेलने वाले दानिल मेदवेदेव को शिकस्त दी थी।

जलालपुर की बेटी एलिश बनी 'स्वर्णपरी'

भुवनेश्वर में शॉटपुट में सात साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

मेरठ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ के लावड़ थानाक्षेत्र स्थित गांव जलालपुर की बेटी एलिश ने शॉटपुट में ऐसा धमाका किया कि भुवनेश्वर का कलिंगा स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में एलिश ने 13.80 मीटर शॉटपुट फेंककर पंजाब की अलका सिंह का 2018 में बनाया गया 13.10 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस उपलब्धि के साथ एलिश ने स्वर्ण पदक जीतकर मेरठ जिले और अपने गांव जलालपुर का नाम रोशन किया।

एलिश अंडर-16 कैटेगरी में खेल रही थीं। उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से प्रतियोगिता में निर्णायकों और दर्शकों को प्रभावित किया। परिवार और ग्रामीणों में उसकी इस सफलता से खुशी की लहर दौड़ गई। एलिश के दादा दिमाग सिंह, जो प्रधान राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के प्रबंधक हैं, उन्होंने बताया कि पोती ने पंचकुला में अभ्यास किया और मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने कहा कि एलिश पहले किसी खेल में रुचि नहीं रखती थी, लेकिन कॉलेज स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में जब डायरेक्टर डॉ. राजीव भारद्वाज ने उसे जैवलिन थ्रो में भाग लेने को कहा, तो उसने पहली बार हिस्सा लिया और जीत भी गई। वहीं से खेल के प्रति उसकी रुचि जागी, लेकिन उसने आगे चलकर शॉटपुट को अपना पसंदीदा खेल बना लिया।

एलिश के पिता रणविजय किसान हैं और मां पिंकी व दादी कमलेश गृहिणी हैं। परिवार ने हर कदम पर उसका हौसला बढ़ाया। इससे पहले भी एलिश सैफई में हुई 57वीं यूपी स्टेट एथलेटिक्स अंडर-16 प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत चुकी है। गांव के लोगों ने एलिश को 'स्वर्णपरी' की उपाधि दी और कहा कि अब वह राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करने जा रही है।

लियोनेल मेसी का भारत दौरा हो सकता है रद्द

नई रिपोर्ट से उड़ जाएगी भारतीय फैंस की नींद !

खेल डेस्क, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के मशहूर फुटबॉलर लियोनेल मेसी आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं. केवल अर्जेंटीना ही नहीं बल्कि दुनिया के तमाम हिस्सों में इस खिलाड़ी का सिक्का चलता है. दुनिया में करोड़ों प्रशंसक आज लियोनेल मेसी का दीदार करने को बेकरार रहते हैं. मेसी साल 2025 के अंत में भारत का दौरा करने वाले हैं. इससे भारत में मौजूद उनके फैंस के प्रति उत्साह बढ़ चुका है. हालांकि अर्जेंटीना से आई एक रिपोर्ट ने सभी को चौंका दिया है. लियोनल मेसी का भारत दौरा अब संदेह के घेरे में आता दिख रहा है.

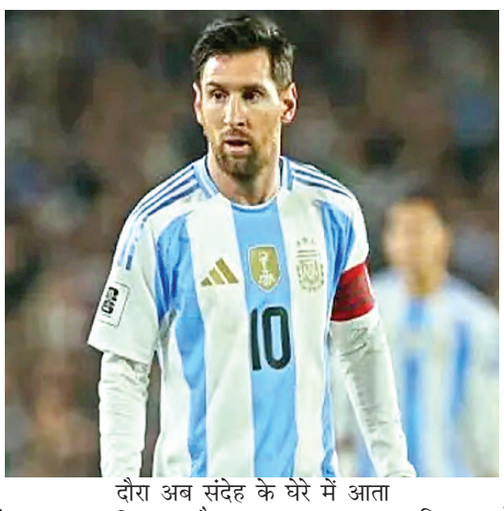

लियोनल मेसी के भारत दौरे पर आ सकती है अड़चन

लियोनल मेसी नवंबर में भारत का दौरा करने वाले हैं. हालांकि इस दौरे में अड़चन आ सकती है, क्योंकि अर्जेंटीना के खेल प्रसारक टीवायसी स्पोर्ट्स की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, लियोनेल स्कोलोनी की विश्व चैंपियन टीम अपने नवंबर के दौरे के कार्यक्रम में बदलाव कर सकती है.

इस रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के निर्धारित दौरे में बदलाव हो सकता है. पहला मैच अफ्रीकी देश अंगोला के खिलाफ होगा, और दूसरा मैच, जो पहले भारत में आयोजित किया गया था, उसे भी अफ्रीका स्थानांतरित किया जा सकता है, जिसमें मोरक्को एक संभावित प्रतिद्वंद्वी हो सकता है.

इंग्लिश जूनियर मिडिलवेट चैंपियन : माता-पिता से मिला धोखा, 25 बार मारा चाकू, गोली मारी, अब बना चैंपियन

लंदन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। वो खिलाड़ी जिसे कभी मां का प्यार नहीं मिला, वो खिलाड़ी जिसे अपने ही पिता से धोखा मिला, वो खिलाड़ी जिसपर एक नहीं, दो नहीं बल्कि 25 बार चाकू से हमला किया गया. वो खिलाड़ी जिसे पैरों पर गोली मारी गई अब उसी खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया है. बात हो रही है मुक्केबाज बिलाल फवाज़ की, जिन्होंने इंग्लैंड के शैफील्ड में जुनैद बॉस्टन को हराकर इंग्लिश जूनियर मिडिलवेट चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया है. बिलाल ने रोमांचक मुकाबले में 96-95, 96-95 और 95-95 से जुनैद को हराया.

बिलाल फवाज़ की दर्दनाक कहानी

बिलाल फवाज़ का जन्म नाईजीरिया में हुआ था लेकिन ये देश भी उन्हें अपना नागरिक नहीं मानता. इसकी वजह ये है कि उनका नाम नाइजीरिया में कहीं रजिस्टर्ड ही नहीं है. फवाज़ लेबनीत और बेनिन मूल के हैं और महज 14 साल की उम्र में उन्हें गैरकानूनी तरीके से इंग्लैंड भेजा गया. फवाज ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके माता-पिता उनके साथ मारपीट करते थे. उन्होंने कहा, ‘जब मैं नाइजीरिया में बच्चा था तो मेरी मां ने मुझे कई बार इतना पीटा कि मेरे शरीर से खून बहने लगा.मेरी मां कम उम्र में ही मां बन गई थी इसलिए उन्हें भावनात्मक समस्याएं थी. मेरे पिता लेबनान के हैं और वो बिजनेसमैन हैं और उन्होंने मेरे साथ कभी समय नहीं बिताया. उन्होंने मुझे इंग्लैंड भेजा जहां मुझे एक बंधक की तरह रखा गया. मैं गुलाम जैसा महसूस करता था क्योंकि मैं स्कूल नहीं जा सकता था, दुकानों पर नहीं जा सकता था. मुझे चप्पलों से पीटा जाता था, घर के काम कराए जाते थे. मैं किसी तरह बच निकला लेकिन बेघर होने के कारण मुझे सड़क पर रात काटनी पड़ी.’

25 बार मारे गए चाकू

बिलाल ने बताया कि जब वो 17 साल के थे तो उन्हें कई बार चाकू से मारा गया. उनपर चाकू से 25 हमले हुए और पैर में गोली मारी गई. लेकिन उन्हें पश्चिमी लंदन के हैरो रोड के ऑल स्टार्स जिम में कोच स्टीव पामर ने शरण दी. फवाज़ ने बताया कि वो जिम में टॉयलेट साफ करते थे और साथ में ट्रेनिंग भी देते थे. इसके बदले में उन्हें पैसा, खाना और रहने को घर मिला. फवाज को इससे बड़ी लड़ाई बॉक्सिंग रिंग के बाहर लड़नी पड़ी. उन्हें कई बार ब्रिटिश नागरिक नहीं होने की वजह से जेल तक जाना पड़ा लेकिन 2020 में उन्हें ब्रिटेन में रहने का अधिकार बन गया. इन सब दिक्कतों के बावजूद ये खिलाड़ी 90 में से 80 मैच जीते और अब वो चैंपियन भी बन गए हैं.

भारत में एआई हब बनाने के लिए गूगल करेगा 15 बिलियन डॉलर का निवेश

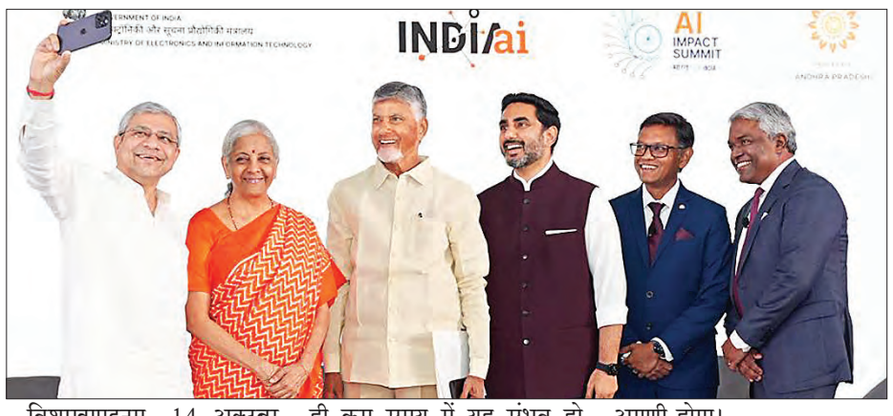

विशाखापट्टनम, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि टेक कंपनी गूगल ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एआई हब बनाने के लिए 15 बिलियन डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। अपकमिंग इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 के ऑफिशियल प्री-समिट इवेंट 'भारत एआई शक्ति' के बाद मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, भारत ने आईटी में वैश्विक स्तर अपनी एक अलग और बड़ी पहचान बनाई है। एआई के इस दौर में भारत की यह पहचान और ताकत बनी रहे, इसके लिए बहुत जरूरी है कि एआई का इंफ्रास्ट्रक्चर भारत में प्रवेश करे। डिजिटल इंफ्रा भारत में आए। उन्होंने आगे कहा, इसलिए एआई मिशन में कॉमन कंप्यूट फैसिलिटी लाई गई और गूगल का यह 15 बिलियन डॉलर का निवेश यह भी उसी एआई इंफ्रा को बढ़ावा देगा। बड़ी कंप्यूट फैसिलिटी बनेगी, जो हमारे स्टार्टअप्स, रिसर्च और युवाओं के लिए एक बड़ी ताकत बनेगी।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने पीएम मोदी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू को धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा, पीएम मोदी विजन और प्रयासों से विश्व की सबसे बड़ी कंपनियां भारत में अपना इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित कर रही हैं। इसी तरह, एन. चंद्रबाबू नायुडू के क्रियान्वयन और विजन के कारण आज बहुत ही कम समय में यह संभव हो पाया है।

एआई के बढ़ते प्रभाव को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एआई के कारण हमारी जिंदगी के हर पहलू पर प्रभाव पड़ रहा है। हम इस प्रभाव को किस प्रकार लाभकारी बना सकते हैं, किस प्रकार जल्द से जल्द हमारे आईटी प्रोफेशनल और युवाओं को अपस्किल कर एआई-रेडी बनाएं इस पर ध्यान दिया जाएगा, ताकि नए अवसरों का लाभ भारत सबसे पहले ले सके।

इस बीच, कार्यक्रम को लेकर एक्स हैंडल पर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने लिखा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नीतियों ने भारत को डिजिटल सेक्टर में अग्रणी स्थान दिलाया है। भारत अब एआई और क्वांटम सेक्टर में भी अग्रणी होगा।

उन्होंने लिखा, भारत एआई शक्ति कार्यक्रम में गूगल के एआई सिटी विशाखापट्टनम में 1 गीगावाट हाइपरस्केल डेटा सेंटर कैंपस का लॉन्च देखा। कंपनी इस परियोजना में 5 वर्षों में 80,000 करोड़ तक का निवेश करेगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने कार्यक्रम में कहा कि यह परियोजना भारत की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक नया अध्याय है। उन्होंने भारत के पहले 1 गीगावाट- स्तरीय डेटा सेंटर और देश में गूगल के पहले एआई हब की स्थापना में राज्य की भूमिका पर प्रकाश डाला। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन ने एआई हब को भारत के डिजिटल भविष्य में एक ऐतिहासिक निवेश बताया।

बीआरएस ने सुनीता की टिप्पणी पर तुम्मला, पोन्नम से माफी की मांग की

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए पार्टी की उम्मीदवार और दिवंगत विधायक मगंटी गोपीनाथ की विधवा मगंटी सुनीता के बारे में मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और पोन्नम प्रभाकर द्वारा की गई कठोर और अपमानजनक टिप्पणियों की दृढ़ता से निंदा की। पार्टी नेताओं ने मंत्रियों से तत्काल माफी मांगने को कहा। उनकी टिप्पणियों के जवाब में, पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता वी श्रीनिवास गौड़ ने नैतिक और मानवीय मूल्यों की कमी के लिए मंत्रियों की आलोचना की। उन्होंने कहा, तुम्मला नागेश्वर राव को शर्म आनी चाहिए। अगर राजीव गांधी का परिवार उनके निधन के बाद प्रचार कर सकता है, तो सुनीता के बच्चे उनकी ओर से प्रचार क्यों नहीं कर सकते? मंत्रियों को बिना देर किए माफी मांगने की जरूरत है। मंगलवार को तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए, पूर्व विधायक विनय भास्कर, एमएलसी ताथा मधु और अन्य के साथ वी श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि टिप्पणियों ने कांग्रेस पार्टी के अहंकार और महिलाओं के प्रति उनके अनादर को प्रदर्शित किया है। श्रीनिवास गौड़ ने कहा, इन मंत्रियों ने अपनी बिना सोचे-समझे टिप्पणियों से न केवल मगंटी सुनीता बल्कि तेलंगाना की सभी महिलाओं को आहत किया है।

फोरेंसिक और डिजिटल उपकरणों के उपयोग को बढ़ाएं : एम. श्रीनिवास

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने तीन विंगों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के केंद्रीय अपराध स्टेशन, साइबर अपराध और महिला सुरक्षा विंग के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता एम. श्रीनिवास, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध, हैदराबाद शहर ने की। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) एम. श्रीनिवास ने आज तीन विशेष विंगों, अर्थात् केंद्रीय अपराध स्टेशन, साइबर अपराध और महिला सुरक्षा विंग, हैदराबाद शहर की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की।

हैदराबाद शहर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, यह हैदराबाद शहर के तीनों विंगों की उनकी पहली समीक्षा बैठक थी। बैठक के दौरान, अतिरिक्त अपराध आयुक्त ने सीसीएस की टीमों, अर्थात टीम I से X, साहिती केस टीम, विशेष जांच दल (एसआईटी), साइबर अपराध और महिला सुरक्षा विंग (शी टीम सहित), (7) महिला पुलिस स्टेशन, सुराग टीम और हैदराबाद शहर के फिंगरप्रिंट्स के कामकाज और प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध ने कहा कि साइबर अपराध विंग, केंद्रीय अपराध स्टेशन और महिला सुरक्षा विंग सहित ये विशेष विंग मुख्य रूप से अपराधों को उनकी जड़ों से रोकने के लिए अपराध के पैटर्न को समझने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने अपराधियों द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकों से अवगत रहने, सफेदपोश और साइबर अपराधों में उभरती चुनौतियों से निपटने, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने और जांच मानकों में सुधार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने निष्पक्ष और दृढ़ जांच, सटीक साक्ष्य दस्तावेजीकरण और अभियोजन को मजबूत करने के लिए फोरेंसिक और डिजिटल उपकरणों के उपयोग के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साइबर अपराध इकाई, केंद्रीय अपराध केंद्र (सीसीएस) और महिला सुरक्षा शाखा को मजबूत करने का प्राथमिक लक्ष्य न केवल जन सुरक्षा को बढ़ाना है, बल्कि पुलिस और समुदाय के बीच विश्वास को भी बढ़ाना है। प्रभावी, तकनीक-संचालित और नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग रणनीतियों को अपनाकर, ये विशेष इकाइयां साइबर धोखाधड़ी, सफेदपोश अपराध और महिलाओं के विरूद्ध अपराधों जैसी उभरती चुनौतियों का बेहतर दक्षता और जवाबदेही के साथ समाधान करने का लक्ष्य रखती हैं। साइबर अपराध शाखा जनता में जागरूकता लाएगी और उन्हें ऐसे फर्जी ऑनलाइन निवेश और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रेरित करेगी जो विभिन्न तरीकों से नागरिकों को सक्रिय रूप से धोखा दे रहे हैं। धोखेबाज़, विश्वास बनाने और पीड़ितों को बड़ी रकम जमा करने के लिए लुभाने के लिए, फर्जी ट्रेडिंग वेबसाइट, ऐप और डैशबोर्ड बनाकर झूठे मुनाफ़े दिखाते हैं। बाद में वे 'कर भुगतान, अनुपालन सत्यापन या रूपांतरण शुल्क' जैसे बहाने बनाकर निकासी रोक देते हैं। एक बार पर्याप्त रकम इकट्ठा हो जाने के बाद, वे या तो गायब हो जाते हैं या पीड़ितों को फर्जी कानूनी कार्रवाई की धमकी देते हैं। साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को देखते हुए, विशेष रूप से डिजिटल क्रांति के बीच वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाने वाले अपराधों के मद्देनजर, जागरूकता बढ़ाने और डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता है। इस मुद्दे को हल करने के लिए, वरिष्ठ नागरिकों को ऑनलाइन खुद को सुरक्षित रखने के लिए शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए रीलों और लघु फिल्मों जैसे आकर्षक प्रारूपों का उपयोग करके सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। गुमशुदा मामलों पर प्रकाश डालते हुए, एएचटीयू टीम और किशोर ब्यूरो टीम बच्चों को उनके मूल स्थान पर बचाने और वापस भेजने में बाल कल्याण समितियों के समन्वय के साथ सबसे प्रभावी ढंग से काम करेगी।

अतिरिक्त आयुक्त ने आगे निर्देश दिया कि केंद्रीय अपराध थाना, साइबर अपराध और महिला पुलिस थाने में आने वाले प्रत्येक याचिकाकर्ता के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि उनके साथ न्याय हो रहा है। मामले दर्ज करने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सफेदपोश अपराध के मामले में, शिकायत प्राप्त होने के बाद निर्धारित समय के भीतर प्रारंभिक जांच की जानी चाहिए, एफआईआर तुरंत दर्ज की जानी चाहिए और बिना किसी देरी के जांच पूरी की जानी चाहिए, साथ ही आरोप पत्र शीघ्रता से दायर किए जाने चाहिए।

सीएस का तेलंगाना राइजिंग विजन-2047 सर्वेक्षण में भाग लेने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने मंगलवार को एक परिपत्र जारी किया, जिसमें सभी कर्मचारियों को विजन-2047 सर्वेक्षण में भाग लेने का निर्देश दिया गया, जो 25 अक्टूबर तक चलेगा। कर्मचारियों को अपने कार्यालयों में सर्वेक्षण लिंक और क्यूआर कोड प्रदर्शित करने और पहल को व्यापक रूप से प्रचारित करने की भी आवश्यकता है। भाग लेने के लिए, कर्मचारियों को http://www.telangana.gov.in/telanganarising/ लिंक का उपयोग करना चाहिए। राज्य सरकार तेलंगाना राइजिंग विजन-2047 दस्तावेज पर काम कर रही है, जिसका लक्ष्य भविष्य में तेलंगाना को विकास और कल्याण में अग्रणी के रूप में स्थापित करना है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक नागरिक सर्वेक्षण किया गया है कि प्रत्येक नागरिक इस विजन 2047 दस्तावेज की तैयारी में भाग ले, जिसे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। 10 अक्टूबर से शुरू हुए इस सर्वे में राज्य के लोग और एनआरआई बड़े पैमाने पर हिस्सा ले रहे हैं। सरकार ने राज्य के प्रत्येक कर्मचारी से इस तेलंगाना राइजिंग विजन-2047 सर्वेक्षण में भाग लेने और अपने बहुमूल्य सुझाव और सिफारिशें प्रदान करने के लिए कहा है।

एचसीए फिर विवादों में, पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई

टूर्नामेंट में प्रवेश पाने के लिए कथित तौर पर 'फर्जी जन्म प्रमाण पत्र' का आरोप

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) एक बार फिर विवादों में घिर गया है, उम्र संबंधी धोखाधड़ी के ताजा आरोपों से इसकी जूनियर लीग में हड़कंप मच गया है। अनंत रेड्डी द्वारा राचकोंडा पुलिस आयुक्त के पास दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 लीग मैचों में भाग लेने वाले कई खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में प्रवेश पाने के लिए कथित तौर पर 'फर्जी जन्म प्रमाण पत्र' जमा किया है। रेड्डी ने आरोप लगाया कि 'अधिक उम्र वाले खिलाड़ी' जाली दस्तावेजों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे वास्तविक युवा प्रतिभाएं खेल में प्रतिस्पर्धा करने और आगे बढ़ने के उचित अवसरों से वंचित हो रही हैं। यह पहली बार नहीं है जब इस तरह के आरोप सामने आए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले इसी तरह के अपराध के लिए छह खिलाड़ियों की पहचान की थी और उन पर प्रतिबंध लगाया था।

हालांकि, उस मिसाल के बावजूद, एचसीए अधिकारी कथित तौर पर सुधारात्मक कार्रवाई करने में विफल रहे हैं, जिससे कदाचार अनियंत्रित रूप से जारी रहा। शिकायत में एचसीए के कुछ अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राजनीतिक या व्यक्तिगत प्रभाव वाले खिलाड़ियों को अधिक योग्य और प्रतिभाशाली उम्मीदवारों पर तरजीह दी जा रही है। अनंत रेड्डी ने राचकोंडा पुलिस आयुक्त से तत्काल जांच शुरू करने और कथित कदाचार में शामिल अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया।

कोमटिरेड्डी ने चिकित्सा सहायता के लिए 2.5 लाख की मदद सौंपी

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन और सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने नलगोंडा जिले के एल्लारेड्डीगुडेम गांव के निवासी पोकाला श्रवण कुमार को एक बड़ी आंत की सर्जरी के लिए वित्तीय सहायता के लिए 2.5 लाख का ऋण पत्र (एलओसी) सौंपा है। श्रवण कुमार द्वारा मंत्री से की गई अपील के बाद मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के तहत सहायता स्वीकृत की गई थी। मंत्री ने मंगलवार को सचिवालय में व्यक्तिगत रूप से लाभार्थी को एलओसी सौंपी और उनके शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने इस अवसर पर कहा, मुझे खुशी है कि सरकार आपको और आपके परिवार को सहायता दे सकती है। लोगों की सरकार जरूरत के समय हमेशा वंचितों के साथ खड़ी रहेगी।

चयनित समूह-2 के उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र 18 को : रामकृष्ण राव

मुख्य सचिव ने तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव ने कहा है कि तेलंगाना लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित समूह-2 के उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र 18 अक्टूबर को जारी किए जाएंगे। 18 तारीख की शाम को आर्ट गैलरी में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में आयोजित किया जा रहा है। एक समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रुप-2 द्वारा चयनित 783 अभ्यर्थियों को भर्ती पत्र प्रदान करेंगे। उम्मीदवारों की लगभग 16 शाखाएं हैं। सीएस ने

कहा कि कार्यक्रम में राज्य के सभी मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। अधिकारियों को चयनित अभ्यर्थियों का प्रमाणपत्र पूरा करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि शाम 4 बजे के भीतर अभ्यर्थी और उनके परिवार के सदस्यों को वास्तु मंच में प्रवेश की अनुमति देने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। इन नियुक्तियों में सबसे अधिक संख्या में सामान्य प्रशासन, राजस्व, वाणिज्य विभाग, उत्पाद शुल्क विभाग और पंचायती राज विभाग, राजस्व, गृह और जीएडी सचिव कार्यक्रम के आयोजन को पूरा करें। भर्ती दस्तावेज प्राप्त करने वाले उम्मीदवार अगले 30 वर्षों में सेवा में होंगे, इसलिए अधिकारियों को सार्वजनिक सेवा की उच्च भावना सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में डीजीपी शिवधर रेड्डी, विशेष सचिव विकास राज, मुख्य सचिव बेनाहर महेश दत्त एक्का, रिजवी, संदीप कुमार सुल्तानिया, सचिव लोकेश कुमार, टीके श्रीदेवी, जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन और विशेष संचार विभाग उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ता की मौत की जिम्मेदार कांग्रेस : रामचंद्र राव

हैदराबाद , 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव भाजपा कार्यकर्ता की मौत का जिम्मेदार कांग्रेस को ठहराया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने मंचेरियल जिले के वेमनपल्ली मंडल के निलवाई गांव निवासी, वेमनपल्ली मंडल भाजपा अध्यक्ष एता मधुकर की आत्महत्या की दुखद घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। रामचंद्र राव ने आज मधुकर के परिजनों से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी के लिए निस्वार्थ भाव से लड़ने वाले एक बहादुर व्यक्ति मधुकर ने कांग्रेस सरकार के अत्याचारों, गैरकानूनी मुकदमों और कांग्रेस नेताओं के उत्पीड़न के कारण अपनी जान गवा दी। भाजपा कार्यकर्ताओं को दबाने और डराने-धमकाने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि मधुकर की मौत का कारण यही अत्याचार हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने सलाह दी कि पार्टी सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी है। अगर कोई परेशानी हो, तो वे पार्टी को सूचित करें। किसी को भी इस तरह के अत्याचारों में लिप्त नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह मधुकर की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए रामागुंडम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने मांग की कि दोषियों की पहचान की जाए और उन्हें कानून के अनुसार कड़ी सजा दी जाए। रामचंद्र राव के साथ भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष और श्री भरत भी थे।

तेलंगाना की अर्थव्यवस्था पतन की ओर बढ़ रही है : हरीश राव

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने गहरी चिंता व्यक्त की है कि कांग्रेस सरकार के तहत तेलंगाना की अर्थव्यवस्था पतन की ओर बढ़ रही है। मंगलवार को यहां एक बयान में, उन्होंने कहा कि निरंतर अपस्फीति नीतिगत पंगुता, वित्तीय कुप्रबंधन और प्रतिशोध से प्रेरित शासन को रेखांकित करती है, जिसने स्थानीय बाजारों को पंगु बना दिया है, विकास को धीमा कर दिया है और तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को खतरनाक गिरावट की ओर धकेल दिया है। जबकि भारत की खुदरा मुद्रास्फीति 1.54 प्रतिशत दर्ज की गई है, तेलंगाना में नकारात्मक मुद्रास्फीति देखी जा रही है, जो मंदी और आर्थिक गिरावट का संकेत है। हरीश राव ने बताया कि जून (-0.93 प्रतिशत), जुलाई (-0.44 प्रतिशत), और सितंबर (-0.15 प्रतिशत) में, तेलंगाना ने लगातार चार महीनों में से तीन में अपस्फीति दर्ज की, जो स्पष्ट रूप से सरकार की विफलता को दर्शाती है।

बीआरएस विधायक ने कहा कि तेलंगाना के गठन के बाद यह पहली बार है कि राज्य ने छोटी अवधि के भीतर तीन मौकों पर नकारात्मक मुद्रास्फीति दर्ज की है। उन्होंने कहा कि बतुकम्मा और दशहरा जैसे त्योहारों के दौरान, उपभोक्ता खर्च आमतौर पर बढ़ जाता है, जिससे सकारात्मक मुद्रास्फीति होती है- लेकिन यह तथ्य कि इस अवधि के दौरान भी नकारात्मक मुद्रास्फीति दर्ज की गई है, सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन को साबित करती है। बीआरएस विधायक ने कहा कि केसीआर के नेतृत्व में, तेलंगाना पूरे देश में विकास के लिए एक मॉडल के रूप में खड़ा था, लेकिन रेवंत रेड्डी के भ्रष्ट और अराजक शासन के तहत, राज्य वित्तीय गिरावट की ओर बढ़ रहा है। हरीश राव ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे अपनी बुलडोजर राजनीति और प्रतिशोधी रवैया छोड़ें और इसके बजाय तेलंगाना की ढहती अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करें।

106 इंजीनियरों का तबादला

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई विभाग के प्रधान सचिव राहुल बोज्जा द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, तेलंगाना सरकार ने राज्य भर में 106 इंजीनियरों के स्थानांतरण का आदेश दिया है, जिसमें हैदराबाद सर्कल में 60 से अधिक शामिल हैं। यह कदम एनवीओसी जारी करने के दौरान इंजीनियरों के खिलाफ कदाचार के आरोपों के बाद उठाया गया है। स्थानांतरण से प्रभावित अधिकारियों में ईई, डीईई और एईईई शामिल हैं। मैदानी स्तर पर मनमानी कार्रवाई और पक्षपात की शिकायतें सामने आने के बाद सरकार का लक्ष्य पूरी तरह सफाई कराना है। इस बड़े पैमाने के फेरबदल को विभाग के भीतर पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

पुलिस ने जगह-जगह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

छात्रों के साथ मानसिक स्वास्थ्य, नशीले पदार्थों के दुरूपयोग पर चर्चा

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, सुश्री एस. रश्मी पेरुमल, पुलिस उपायुक्त, उत्तरी क्षेत्र की देखरेख में अतिरिक्त की सक्रिय भागीदारी के साथ उत्तरी क्षेत्र के सभी 11 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में जन जागरूकता कार्यक्रमों की योजना बनाई गई और आयोजित किया गया। डीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर, सभी पुलिस स्टेशनों के कर्मचारी, संकाय सदस्य, छात्र और स्थानीय नागरिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। डीसीपी नॉर्थ जोन ने सेंट एंथोनी गर्ल्स हाई स्कूल, सुभाष रोड, बाटा सिकंदराबाद के पास, (महाकाली पुलिस स्टेशन सीमा) का दौरा किया और छात्रों के साथ मानसिक स्वास्थ्य, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग, साइबर अपराध और शारीरिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत की। बातचीत में अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षणों को पहचानने और जरूरत पड़ने पर मदद मांगने के बारे में बात की गई। उन्होंने ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर खतरों को पहचानने, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा करने और सतर्क ऑनलाइन लेनदेन और संचार करने के बारे में बताया। इसके अलावा, उन्होंने नशीली दवाओं के दुरूपयोग के खतरों, इसके दुष्प्रभावों को समझने और स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों को प्रोत्साहित करने के बारे में बात की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और नागरिकों को सूचित विकल्प चुनने, स्वस्थ आदतें अपनाने और सकारात्मक और सुरक्षित सामुदायिक वातावरण में योगदान करने के लिए सशक्त बनाना था।

सामुदायिक पुलिसिंग के लिए विशेष रूप से चिह्नित एक दिन के रूप में, साइबर अपराध, नशीली दवाओं के दुरूपयोग, डायल 100 जागरूकता, सड़क सुरक्षा और नागरिक भावना के विषयों पर जनता के साथ बातचीत करने के समग्र उद्देश्य से उत्तरी क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों द्वारा कई कार्यक्रम शुरू किए गए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.